जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 285 प्रभात अजमेर, शनिवार 17 मई, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

शशि थरुर भारत सरकार के संसदीय प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व करेंगे

यह प्रतिनिधि मण्डल, 22 मई को अमेरिका जायेगा, पाकिस्तान के आतंकवाद के बारे में भारत का पक्ष प्रस्तुत करने के लिए

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। तिरुवन्तपुरम सांसद शशि थरुर द्वारा ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान तथा बाद में नरेन्द्र मोदी सरकार का बचाव करने पर, जहाँ उनकी अपनी कांग्रेस पार्टी उनसे अप्रसन्न है, वहीं केन्द्र सरकार उन्हें एक महत्वपूर्ण संसदीय प्रतिनिधिमंडल के नेतृत्व की जिम्मेदारी सौंपने पर विचार कर रही है, जो अमेरिका को पाकिस्तानी आतंक के विषय में वस्तुस्थिति की जानकारी देगा, भारत सरकार ने पूरी दुनिया को पाक प्रायोजित आतंकवाद की जानकारी देने की योजना बनाई है।

शशि थरुर और एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी विपक्ष के ऐसे प्रमुख नेताओं के रुपमें उभर कर आये हैं, जिन्होंने पहलगाम में हुई हत्याओं के बाद पाकिस्तान पर मोदी सरकार के हमले का जोरदार समर्थन एवं बचाव किया है। थरुर द्वारा किये जा रहे मोदी

- थरुर के अलावा ए.आई.एम.आई.एम. के नेता असदुद्दीन ओवैसी विपक्ष के दूसरे नेता होंगे, जिन्हें प्रतिनिधि मण्डल में शामिल किया जायेगा।
- ओवैसी ने प्र.मंत्री मोदी की सरकार को भारी समर्थन दिया है, पहलगाम के आतंकवादी हमले के बाद, भारत सरकार का पाकिस्तान पर जवाबी आक्रमण को।
- हालांकि, शशि थरुर को भारत के प्रतिनिधि मण्डल का अध्यक्ष बनाना कोई अप्रत्याशित घटना नहीं है, क्योंकि, थरुर विदेशी मामलात की संसदीय समिति के अध्यक्ष वैसे भी हैं।
- पर कल कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता, जयराम रमेश ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत मोदी सरकार की कार्यवाही की थरुर द्वारा तारीफ करने को उनका निजी विचार बताकर एक तरह से झिड़की दी थी, इसे देखते हुए शशि थरुर को संसदीय प्रतिनिधिमंडल का अध्यक्ष बनाना साधारण बात नहीं लग रही है।
- ओवैसी के अलावा अमेरिका जाने वाले संसदीय प्रतिनिधि के अन्य सदस्य हैं, शमिक भट्टाचार्य, अनुराग ठाकुर, मनीष तिवाड़ी, प्रियंका चतुर्वेदी, संबित पात्रा, सुप्रिया सुले व डी. पुरंदेश्वरी है।

के समर्थन को कांग्रेस के आधिकारिक रुख से अलग रुप में देखा जा रहा है। यही कारण है कि कल कांग्रेस प्रवक्ता जयराम रमेश ने कहा कि थरुर अपने निजी विचार व्यक्त कर रहे हैं, जो पार्टी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अवमानना के मामले में प्रारंभिक शिक्षा निदेशक 20 को अदालत में तलब

जयपुर, 16 मई। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रारंभिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट को बीस मई को अदालत में पेश होकर बताने को कहा है कि अदालती आदेश के बावजूद, याचिकाकर्ता को ब्रिज कोर्स करवाकर नियुक्ति क्यों नहीं दी गई। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश सुमन कुमारी व अन्य की ओर से दायर अवमानना याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

- शिक्षा निदेशक सीताराम जाट को पेश होकर बताना है कि अदालत के आदेश की पालना क्यों नहीं हुई।

याचिका में अधिवक्ता तरुण चौधरी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने तृतीय श्रेणी शिक्षक भर्ती-2006 में भाग लिया था। याचिकाकर्ता को यह कहते हुए नियुक्ति नहीं दी गई कि वह बीएसटीसी न होकर, एनटीटी प्रशिक्षण प्राप्त है। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने 17 अप्रैल, 2008 को परिपत्र जारी कर प्रावधान किया कि एनटीटी कोर्स करने वाले छह माह का ब्रिज कोर्स कर बीएसटीसी के समान हो जाएंगे। याचिकाकर्ता को नियुक्ति नहीं देने पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बलूच नेताओं ने हिन्दुस्तान में "गवरमैंट इन एग्ज़ाइल" बनाने की इजाज़त माँगी

इन बलूच नेताओं का तर्क है कि स्वतंत्र बलूचिस्तान ही एक शांत व आतंकवाद मुक्त पाकिस्तान की गारंटी है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। बलूच नेता भारत सरकार से समर्थन के साथ-साथ निर्वासित सरकार चलाने की अनुमति मांग रहे हैं।

प्रमुख बलूच नेता रज़्ज़ाक बलूच पाकिस्तान से आज़ादी की अपनी लड़ाई में भारत से समर्थन की प्रबल अपील कर रहे हैं।

अमेरिका में रह रहे रज़्ज़ाक बलूच आंदोलन के समर्थन में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर ज़ोरदार दलील पेश कर रहे हैं। डॉ. तारा चंद और कई अन्य नेताओं के साथ, वे इस आंदोलन के अग्रणी नेताओं में से एक हैं। रज़्ज़ाक बलूच का कहना है कि बलूच नेता एक स्वतंत्र देश के लिए अभियान चला रहे हैं।

बलूच नेताओं का तर्क है कि एक स्वतंत्र और संप्रभु बलूचिस्तान ही पाकिस्तान को शांति और आतंकवाद मुक्त बनाए रखने की सबसे बड़ी गारंटी है। एक स्वतंत्र बलूचिस्तान का अर्थ होगा कि पाकिस्तान अपनी विशाल सेना और सैन्य संगठनों को कायम नहीं रख सकेगा। यह पाकिस्तान को कमज़ोर करने और उसके आतंकवादी संगठनों को निष्क्रिय करने का सबसे अच्छा उपाय है।

- इन नेताओं के अनुसार, स्वतंत्र बलूचिस्तान बनने के बाद, पाकिस्तान एक भारी भरकम बड़ी सेना नहीं रख पायेगा। इससे पाकिस्तान के "नाखून कट जायेंगे, यानी पाकिस्तान "डी फैंग" हो जायेगा तथा आतंकवादी संगठन अपने आप कमज़ोर पड़ जायेंगे।
- कैनडा के टी.वी. चैनल "टैग टी.वी." को दिये गये एक इंटरव्यु में बलूच नेता रज़्ज़ाक बलूच ने भारत से अपील की कि भारत अब हिचकिचाहट छोड़े और खुलकर बलूचिस्तान के स्वतंत्रता संग्राम को समर्थन व मदद दे।
- बलूच नेताओं के अनुसार, अमेरिका, ईरान, मिडिल ईस्ट व यूरोप में बहुत संख्या में बलूच रहते हैं, जो स्वतंत्रता संग्राम का पूर्ण समर्थन कर रहे हैं।
- रज़्ज़ाक बलूच के अनुसार, पश्चिमी पंजाब के पंजाबियों का कोई "डी.एन.ए." कनैक्शन नहीं है, अरब देशों से या मिडिल ईस्ट के लोगों से।

बलूच नेता यह भी दावा कर रहे हैं कि उन्हें अपने आसपास के इलाकों में भी व्यापक जनसमर्थन प्राप्त है। वे मानते हैं कि बलूचिस्तान की आज़ादी के आंदोलन को खुलकर समर्थन देने का यह सबसे उपयुक्त समय है।

कैनडा के टैग टीवी को दिए एक इंटरव्यू में, रज़्ज़ाक बलूच ने भारत से अपील की है कि अपनी झिझक छोड़कर बलूचिस्तान की स्वतंत्रता के आंदोलन का समर्थन करे। रज़्ज़ाक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'स्कूल फीस के निर्धारण के लिये अभी तक रिवीज़न कमेटी का गठन क्यों नहीं हुआ?'

राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रमुख शिक्षा सचिव से जवाब तलब किया और सोमवार को अगली सुनवाई तय की

जयपुर, 16 मई (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रमुख शिक्षा सचिव को 19 मई, यानी अगले सोमवार को शपथ पत्र पेश कर बताने को कहा है कि स्कूल फीस नियंत्रण अधिनियम, 2016 में प्रावधान होने के बावजूद, अभी तक "फीस रिवीज़न कमेटी" का गठन क्यों नहीं किया गया है। अदालत ने कहा कि प्रमुख शिक्षा सचिव व्यक्तिशः या वीसी के जरिए अदालत में उपस्थित होकर अपना जवाब पेश करें। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश भारतीय विद्या भवन विद्याश्रम की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता स्कूल की फीस निर्धारण को लेकर स्कूल फीस कमेटी ने निर्णय लिया था। पाठकों को बता दे कि स्कूल फीस नियंत्रण कानून के अनुसार, हर

- पाठकों को बता दें कि स्कूल फीस की दर तय करने के लिये स्कूल फीस नियंत्रण अधिनियम, 2016, के तहत तीन तरह की कमेटियों की अहम भूमिका है। पहली स्कूल फीस कमेटी, जो अध्यापकों और अभिभावकों के प्रतिनिधियों से गठित एक कमेटी होती है, जो दोनों पक्षों को सुनने के बाद आपसी समझौते से स्कूल फीस की दर तय करती है।
- दोनों पक्षों में से एक भी पक्ष अगर स्कूल फीस के निर्णय से संतुष्ट नहीं हो तो वह डिवीज़न कमेटी के समक्ष अपील दायर कर सकता है। डिवीज़न कमेटी के फैसले के विरूद्ध आखिरी अपील रिवीज़न कमेटी के समक्ष हो सकती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एकल पट्टा प्रकरण में अब जुलाई माह में सुनवाई

जयपुर, 16 मई। राजस्थान हाईकोर्ट में शुक्रवार को एकल पट्टा प्रकरण को लेकर सुनवाई हुई। पूर्व आईएएस जीएस संधू की ओर से मामले में अपना पक्ष रखा गया। वहीं, अदालत ने मामले में अब जुलाई माह में सुनवाई करना तय किया है। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव की एकलपीठ ने यह आदेश पूर्व मंत्री शांति धारीवाल, जीएस संधू, निष्काम दिवाकर और ओंकार मल सैनी की ओर से दायर सात आपराधिक याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।

- पूर्व आईएएस संधू के अधिवक्ता ने बहस पूरी करने के लिये और समय मांगा

सुनवाई के दौरान, पूर्व आईएएस जीएस संधू की ओर से अधिवक्ता एसएस होरा ने तीसरे दिन भी बहस जारी रखी। इस पर अदालत ने उन्हें कहा कि वे बहस के लिए पर्याप्त समय ले चुके हैं और दूसरे वकीलों को भी बहस का मौका दिया जाए। इस पर संधू के अधिवक्ता ने कुछ समय के लिए बहस

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारत ने चिनाब पर बने सलाल व बागलिहार बाँधों से पानी को नियंत्रित किया

पाकिस्तान में हाय-तौबा मची, सिंधु नदी के सिस्टम से ही पाकिस्तान की सिंचाई की 80 प्रतिशत जरूरत पूरी होती है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच एक नया और संभावित रूप से अस्थिर मोर्चा खुल रहा है जो ज़मीन को लेकर नहीं, बल्कि पानी को लेकर है। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक संबंध बिगड़ने और सीमा पर तनाव बढ़ने की वजह से भारत ने सिंधु नदी के जल प्रवाह को नियंत्रित करना शुरू कर दिया है, पाकिस्तान की सिंचित कृषि भूमि का 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा इसी पानी पर निर्भर करता है।

भारत ने 1960 की सिंधु जल संधि के तहत अपने अधिकारों का प्रयोग करते हुए चिनाब नदी पर स्थित सलाल और बगलीहार बांधों से जल प्रवाह में बदलाव किया है। इस कदम से पाकिस्तान में खलबली मच गई है, और इस्लामाबाद ने तुरंत नई दिल्ली को पत्र लिखकर चेतावनी दी है कि पश्चिमी नदियों - सिंधु, झेलम और चिनाब के प्रवाह में किसी भी प्रकार का व्यवधान पाकिस्तान में गंभीर कृषि और आर्थिक संकट ला सकता है, जो पहले से ही जल संकट से जूझ रहा है।

- भारत के जल संसाधन मंत्रालय के विशेषज्ञों का कहना है, इंडस वॉटर ट्रिटी के प्रावधानों के तहत भारत को "नॉन कन्ज़म्पटिव" उद्देश्यों के भारत, इंडस वॉटर सिस्टम के पानी का उपयोग कर सकता है, जैसे हाइड्रो इलैक्ट्रिक पावर हाउस चलाना आदि।
- पर, पाकिस्तान के सिंचाई विभाग को कहना है, अगर सिस्टम में पानी छोड़ने की व्यवस्था व टाईम में कुछ भी परिवर्तन हुआ तो पाकिस्तान का सिंचाई का व खेती का "चक्र" (साइकिल) बुरी तरह प्रभावित होगा। और भारी तबाही मच जायेगी।
- पाकिस्तान की यह गुहार भारत के कानों तक पहुँची है। पर, अभी भारत किसी प्रकार "एडजस्टमैंट" करने के मूड में नहीं है, जब तक "आतंकवाद" के निर्यात की पाकिस्तान की नीति नहीं बदलती।

यह कदम भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एक सख्त बयान के बाद आया है:

"आतंक और व्यापार, आतंक और बातचीत, खून और पानी एक साथ नहीं चल सकते।"

इस संदेश जिसे कई लोग बड़ा बदलाव मानते हैं, यह दर्शाता है कि अब भारत जल सहयोग को सीमा पार आतंकवाद से जोड़ रहा है, जो पहले के उस दृष्टिकोण से बिल्कुल अलग है जिसमें सिंधु जल संधि को राजनीतिक तनाव से अलग रखा जाता था।

जम्मू-कश्मीर में स्थित सलाल और बगलीहार बांधों के गेट इन दिनों बंद करने से चिनाब नदी के पाकिस्तान में प्रवाह में बदलाव आया है। साथ ही, भारत ने पश्चिमी नदियों, सिंधु, झेलम और चिनाब, पर कई जलविद्युत

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 मई को बीकानेर आएंगे

बीकानेर, 16 मई (निसं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 22 मई को बीकानेर आएंगे। वे यहां देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में दर्शन करेंगे। रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा तथा केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल बीकानेर यात्रा में मोदी के साथ होंगे। प्रधानमंत्री की बीकानेर यात्रा की सूचना के बाद जिला प्रशासन पूरी तरह सक्रिय हो गया है। जिला कलेक्टर नम्रता वृष्णि और एसपी कावेन्द्र सिंह सागर देशनोक में डेरा डाले हुए हैं।

- देशनोक में करणी माता मंदिर में दर्शन के साथ ही रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे।

भाजपा प्रवक्ता मनीष सोनी ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देशनोक में बने आधुनिक रेलवे स्टेशन का उद्घाटन करेंगे। देशनोक के साथ ही लालगढ़ में भी नया रेलवे स्टेशन बनकर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजनीतिक जरूरत के कारण एन.सी.पी. के धड़े नज़दीक तो आ रहे हैं

पर, अहम् की लड़ाई व आपसी रंजिशें, विलय शायद नहीं होने देंगी

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 16 मई। महाराष्ट्र में नैशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों में प्रस्तावित विलय के सम्बंध में कई महत्वपूर्ण चुनौतियाँ हैं, क्योंकि कई गहरे पैठे तनाव उभर आए हैं। इनमें से एक गुट के प्रमुख शरद पवार हैं तो दूसरे गुट का नेतृत्व उनके भतीजे अजीत पवार कर रहे हैं। सूत्रों ने कहा, चाचा-भतीजे के बीच पर्दे के पीछे चल रही वार्ता के बावजूद विलय प्रक्रिया सहज नहीं है ओर टकराव बढ़ाने वाली शर्तों व व्यक्तिगत शिकायकों के कारण यह प्रक्रिया पटरी से उतर सकती है।

विश्वस्त सूत्रों ने संकेत दिया कि अजीत पवार के बेहद करीबी लोगों ने विलय के लिए दो अनिवार्य शर्तें रखी हैं, सबसे पहली शर्त, शरद पवार गुट के वे नेता माफी मांगे, जिन्होंने पूर्व में अजीत पवार पर अपमानजनक और निराधार आरोप लगाए हैं। दूसरी शर्त है कि शरद पवार का गुट विलय के बाद अजीत पवार को नेता माने।

ये मांगे शरद पवार खेमे के गले नहीं उतर रही हैं। गुट के एक नेता ने इन शर्तों को नकारते हुए कहा कि "अल्टीमेटम और दबाव की रणनीति पर आधारित विलय स्वीकार्य नहीं है। जिस तरह से अजीत पवार गुट अपनी मर्जी थोप रहा है, वह अलोकतांत्रिक है। सशर्त एकता से दूरगामी राजनैतिक सहयोग की नींव नहीं रखी जाती है।" उक्त नेता ने अजीत गुट पर दादागिरी की राजनीति करने का आरोप लगाया।

महाराष्ट्र के राजनैतिक पर्यवेक्षक विलय की वार्ता से हैरान नहीं हैं। दोनों पक्षों के कई नेता विचारधारा परिशुद्धता से ज्यादा अपने हितों की सुरक्षा के लिए भी चिंतित है। इनमें से अधिकांश सहकारी समितियों के मुखिया हैं और उनकी अपनी चीनी मिलें, कंस्ट्रक्शन कंपनियां व कई ठेका आधारित व्यवसाय हैं। मंद होती अर्थव्यवस्था में वित्तीय चिंताओं ने उन्हें राजनैतिक तथा व्यावसायिक भविष्य सुरक्षित करने के लिए विलय पर विचार करने को मजबूर किया है।

- अजीत पवार ग्रुप ने कई कड़ी शर्ते भी रखी हैं: शरद पवार खेमे के सभी नेता सार्वजनिक माफी मांगें, अजीत पवार पर "अनर्गल आरोप" लगाने के लिए।
- दूसरी शर्त है कि विलय के बाद, शरद पवार का खेमा, विधिवत् अजीत पवार को पार्टी का नेता स्वीकार करे।
- शरद पवार खेमा इन शर्तों को अजीत पवार ग्रुप की "दादागिरी" मानता है तथा उनके अनुसार, सशर्त एकता, किसी सच्चे, दीर्घकालीन राजनीतिक सहयोग के रास्ते में बाधक होती है।
- पर, यह भी सच है कि एन.सी.पी. के अधिकांश नेता अपने बिज़नैस के हितों की सुरक्षा के बारे में ज्यादा चिंतित हैं, बनिस्पत कि "सैद्धांतिक पवित्रता" के और अब भाजपा के मु.मंत्री देवेन्द्र फडनवीस की सरकार अपना "टर्म" आसानी से पूरा करेगी, अतः एन.सी.पी. के नेता इस "सत्तारूढ़ गठबंधन" के नज़दीक रहना चाहते हैं और इसीलिए एन.सी.पी. के दोनों धड़ों के विलय की बात बार-बार उठ रही है।

जमीनी स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता से पार्टी कार्यकर्ताओं की चिंता भी बढ़ गई है। शरद पवार ने खुद को सक्रिय राजनीति से दूर कर लिया है और उनके गुट के कई नेता अन्य राजनैतिक विकल्प तलाश रहे हैं, ताकि महाराष्ट्र की राजनीति में उनका अस्तित्व बना रहे।

मौजूदा राज्य सरकार स्थिर है और लगता है अपना कार्यकाल पूरा करेगी। इसे देखते हुए सत्तारूढ़ गठबंधन इन्हें आकर्षक विकल्प लग रहा है।

अटकलें हैं और कुछ राजनैतिक विश्लेषक भी यही कह रहे है कि अडानी ग्रुप के लोगों से शरद पवार की निकटता बढ़ गई है और इसी वजह से अजीत पवार के प्रति उनका रुख नरम पड़ गया है। ये घटनाक्रम हालांकि ऑफिशियल नहीं, पर इसे विश्वसनीय माना जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री आवास पर हाईलैवल मीटिंग

नयी दिल्ली, 16 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार शाम अपने आवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी हिस्सा लिया।

मोदी की अध्यक्षता में एक घंटे से अधिक समय तक चली बैठक में शाह के अलावा विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद थे। इस बैठक में किन मुद्दों पर चर्चा हुई, इस बारे में आधिकारिक रूप से जानकारी नहीं दी गई है, हालांकि यह माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री ने गृह मंत्री, विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार के साथ ऑपरेशन सिंदूर के बाद मौजूदा स्थिति की समीक्षा की है। इसके अलावा, आगे की रणनीति पर भी चर्चा की गई।

- मीटिंग में प्र.मंत्री मोदी के साथ गृहमंत्री शाह, विदेश मंत्री एस. जयशंकर तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल शामिल थे।

विचार बिन्दु

बेहतर यही होगा कि आप कोशिश करें शायद इसमे आप नाकामयाब हो जाऐं और उससे कुछ सीखें बजाये इसके कि आप कुछ करें ही नहीं। –मार्क जकरबर्ग

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को निभानी होगी जिम्मेदार मीडिया की भूमिका

सच ही कहा है कि अतिउत्साह में कभी भी संयम नहीं खोना चाहिए। ऑपरेशन सिन्दूर और उसके बाद की हालातों को जिस तरह से टीवी चैनलों द्वारा सनसनीखेज बनाकर प्रस्तुत किया जा रहा है भले ही इससे इन चैनलों की टीआरपी में बढ़ोतरी हो जाए पर यह किसी भी हालत में एक जिम्मेदार मीडिया की भूमिका नहीं हो सकती। आज देशवासी सही तस्वीर देखने को तरस गए हैं। कोई चैनल पाकिस्तान के किसी स्थान पर कब्जे की बात करता है तो कोई चैनल पाकिस्तान की सीमाओं में भारतीय सेना के प्रवेश की बात करता है। कोई चैनल कुछ और सनसनीखेज तस्वीर बताता है। यह सब ऑपरेशन सिन्दूर के अगले दिन रात के प्रसारणों से खासतौर से देखने को मिला। ठीक है देशभक्ति का जज्बा है और ऑपरेशन सिन्दूर से प्रत्येक देशवासी अपने आप को गर्वान्वित महसूस कर रहा है। हमारी सेना, हमारे सैनिकों और राजनीतिक नेतृत्व को लेकर प्रत्येक देशवासी में अति उत्साह और लबालब विश्वास है। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस दौर में देश के प्रिन्ट मीडिया ने अपनी भूमिका सही तरीके से निभाई है। सवाल यही है कि क्या चैनलों या इलेक्ट्रोनिक मीडिया का एकमात्र उद्देश्य गंभीर से गंभीर मुद्दे को सनसनीखेज ही बनाना है। गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि केन्द्र सरकार को बार बार एडवाइजरी जारी करनी पड़ रही है तो आमजन समझ ही नहीं पा रहे कि वास्तविकता क्या है?

एक समय था जब आकाशवाणी की अपनी विश्वसनीयता रही। सरकारी प्रसारण होने के बावजूद घड़ी का समय मिलाने से लेकर नियतकालीन न्यूज प्रसारण समय पर लोग सब कुछ काम छोड़कर या फिर चौराहे की पान–चाय की दुकान पर जम जाते थे। प्रातः 8 बजे, रात पौने नो बजे व स्थानीय समाचारों के लिए निर्धारित समय पर लोग समाचार सुनने का बेसब्री से इंतजार करते थे। विश्वसनीयता यह कि सरकार विरोधी आंदोलनकारी भी सरकारी आकाशवाणी केन्द्रों से प्रसारित समाचारों पर पूरा–पूरा विश्वास करते थे। यही कारण था कि समाचारों की विश्वसनीयता होती थी। दूरदर्शन का आंरभिक दौर भी इसी तरह का रहा है। आकाशवाणी और दूरदर्शन समाचारों की वह गौरवशाली परंपरा इतिहास की बात हो गई है।

एक समय था जब आकाशवाणी की अपनी विश्वसनीयता रही। सरकारी प्रसारण होने के बावजूद घड़ी का समय मिलाने से लेकर नियतकालीन न्यूज प्रसारण समय पर लोग सब कुछ काम छोड़कर या फिर चौराहे की पान-चाय की दुकान पर जम जाते थे। विश्वसनीयता यह कि सरकार विरोधी आंदोलनकारी भी सरकारी आकाशवाणी केन्द्रों से प्रसारित समाचारों पर पूरा-पूरा विश्वास करते थे। यही कारण था कि समाचारों की विश्वसनीयता होती थी। दूरदर्शन का आंरभिक दौर भी इसी तरह का रहा है। आकाशवाणी और दूरदर्शन समाचारों की वह गौरवशाली परंपरा इतिहास की बात हो गई है।

1956, 1962 या 1971 का युद्ध हो सभी की निगाहें समाचार बुलेटिनों पर रहती थी तो समय की मांग को देखते हुए देशभक्ति पूर्ण गीतों, कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता था। समय का बदलाव देखिये कि टीवी चैनलों की टीआरपी दौड़ सत्य दिखाने के स्थान पर भ्रम का जाल बुनने लगती है। सोशियल मीडिया पर यह आरोप आम है पर समाचार टीवी चैनल तो दो कदम आगे हो गए हैं।

समूचे देश के लिए गर्व की बात है कि आज सरहद के मोर्चे पर हो या कूटनीतिक मोर्चे पर हमारी रणनीति पूरी तरह से सफल है। हमारी सेना और सैनिक पाकिस्तान के हर कूटरचित कदमों को विफल करने में सफल हो रही है। पाकिस्तान द्वारा सीमावर्ती इलाकों और नागरिक क्षेत्रों में की जा रही सैन्य गतिविधियों को अंजाम देने के कुत्सित प्रयासों को पूरी तरह से विफल किया जा रहा है वही लगभग सभी ड्रोण हमलों को विफल किया जा रहा है। पाकिस्तान अब पूरी तरह कुंठित देश हो गया है और आज तुर्क और चीन को छोड़कर कोई देश पाकिस्तान के पक्ष में आने को तैयार नहीं है। पहलगाम की घटना के बाद से पाकिस्तान एक के बाद एक गलतियां कर रहा है और आतंकवादी के जनाजे में सैनिकों द्वारा शामिल होना उसके आतंकवादियों से जुड़ाव को स्पष्ट कर देता है। अब पाकिस्तान ने अपनी तरफ से इकतरफा भारत के खिलाफ युद्ध की घोषणा कर दी गई है अपितु परमाणु बम विस्फोट की धमकी दी जा रही है। पर जिस संयमित तरीके से भारत द्वारा पाकिस्तान के हर आक्रमण और कदम को विफल किया जा रहा है वह देश के लिए गर्व की बात है। आज पाकिस्तान का हर कदम उसके लिए आत्मघाती होता जा रहा है। बलूचियों को अलग अवसर मिल गया है तो पीओके में पाकिस्तान के विरोध को भी मुखर होने का अवसर मिल गया है।

जब युद्ध जैसे हालात हो तो ऐसे में सबसे पहली आवश्यकता जिम्मेदार रिपोर्टिंग की हो जाती है। मीडिया को ऐसे सभी कदमों से बचना जरुरी हो जाता है। सबसे महत्वपूर्ण यह हो जाता है कि हमारी अतिउत्साह की रिपोर्टिंग दुश्मन देश के लिए सहायक ना बन जाए यह जरुरी हो जाता है। यही कारण है कि सरकार एडवाइजरी जारी करते हुए सेना के मुवमेंट व अन्य सामरिक सूचनाओं से दूरी बनाये रखने की सलाह दी जा रही है। दरअसल जिस तरह से ऑपरेशन सिन्दूर के बाद पाकिस्तान द्वारा द्रोण हमलों का दौर चलाया और उनके द्रोण हमलें को नाकाम किया गया वहां तक तो सब ठीक रहा पर ब्रेकिंग के नाम पर जो कुछ दिखाया जा रहा था वह जिम्मेदार मीडिया की भूमिका नहीं कहा जा सकता। ऐसे में टीवी चैनलों को संयम और जिम्मेदारी से काम करना होगा। हमें पाकिस्तानी प्रोपेगेण्डा प्रचार से दूर रहते हुए रचनात्मक भूमिका निभानी होगी।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ.राजेन्द्र प्रसाद शर्मा
(वरिष्ठ लेखक)

राशिफल शनिवार 17 मई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र सायं 5:44 तक, साध्य योग प्रातः 7:09 तक, कौलव करण सायं 5:36 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 12:04 से मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य–वृष, चन्द्रमा–धनु, मंगल–कर्क, बुध–मेष, गुरू–मिथुन, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–मीन, केतु–कन्या राशि में। आज विवाह मुहुर्त उत्तराषाढ़ा में है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 7:22 से 9:03 तक, चर 12:23 से 2:03 तक, लाभ अमृत 2:03 से 5:24 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:04

मेष

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

मिथुन

परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अष्टम चन्द्र शुभ नहीं है।

कर्क

अस्त–व्यस्त दिनचर्या एवं स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। दिन के मध्यान्ह पश्चात परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

आज महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। दिन के मध्यान्ह पश्चात अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

तुला

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

वृश्चिक

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

धनु

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर

आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। परिवार में वाद–विवाद टालना ठीक रहेगा। दिन के मध्यान्ह पश्चात अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

कुंभ

आर्थिक/वित्तीय मामलों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। दिन के मध्यान्ह पश्चात अनावश्यक धन खर्च हो सकता है। स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

मीन

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

शरीर की ऊर्जा और आपका स्वास्थ्य

डॉ. रामावतार शर्मा

आप कितने ही लोगों से सुनते होंगे कि वे भोजन तो सामान्य ही करते हैं और घर का सारा कार्य भी करते हैं परंतु उनके शरीर का वजन कम नहीं होता है। यहां हमें कुछ आधारभूत जानकारी की आवश्यकता पड़ती है। पहली बात तो यह तथ्य है कि ऊर्जा न तो निर्मित की जाती है और ना ही नष्ट की जा सकती है, यह हालांकि संचयित की जा सकती है जिसके फलस्वरूप शरीर की मांसलता और वजन निर्मित होते हैं। दूसरी बात यह है हमारा शरीर केमिकल और इलेक्ट्रिक एनर्जी द्वारा संचालित होता है। भोजन से प्राप्त केमिकल एनर्जी कोशिका की माइटोकॉन्ड्रिया द्वारा इलेक्ट्रिकल एनर्जी में परिवर्तित की जा सकती है। अब यदि शरीर में ऊर्जा की आवक उसके उपयोग से अधिक है तो ग्लूकोज रूपी ऊर्जा चर्बी में परिवर्तित हो कर संचयित होती रहती है जिसके फलस्वरूप शरीर का वजन आवश्यकता से अधिक बना हुआ रहेगा और यदि ऊर्जा की आवक नियंत्रित नहीं है तो कसरत द्वारा उपयोग के बावजूद भी वजन कम होने की संभावनाएं नगण्य ही पाई गई हैं। इस बात को समझने के लिए हमें हमारे शरीर द्वारा ऊर्जा उपभोग की प्रक्रिया को जानना होगा।

जब हम जागृत अवस्था में सिर्फ बैठे रहते हैं तो हमारा शरीर जीवित रहने के लिए हमारे भोजन की 60 प्रतिशत ऊर्जा को काम में ले लेता है। इसमें हृदय संचालन, सांस लेने और शरीर के विभिन्न अंगों के कार्य में लगातार ऊर्जा का व्यय होता रहता है। यहां अधिकतर ऊर्जा हमारा मस्तिष्क काम में लेता है। इस को शरीर की बीएमआर (बेस मेटाबोलिक रेट) कहते है यानि मूल चयापचन गति।

दूसरे, हम बिना कसरती गतिविधियों जैसे हाथ पैरों को चलाना, गर्दन एवं आंख आदि को घुमाना, घर के सामान्य कार्यों को करना आदि में कोई 25 प्रतिशत ऊर्जा उपभोग करते हैं। तीसरे, हमारे भोजन को पचाने जैसे कार्यों में 6 से 8 प्रतिशत ऊर्जा का व्यय होता है। आखिर में यदि आपके भोजन में फाइबर और प्रोटीन की पर्याप्त मात्रा है तो इस सब को पचाने और पाचन के बाद ऊर्जा के उपयोग करने में 8 से 10 प्रतिशत ऊर्जा काम में आ जाती है। इस प्रकार हम देखते हैं सामान्य जीवन में सामान्य मात्रा में कैलोरी उपभोग यदि किया जाए तो बिना किसी कसरत के ही सारी ऊर्जा उपयोग में आ जाती है और कसरत अकेली आप का वजन नहीं घटा सकती है। यदि आपको वजन घटाना है तो ऊर्जा की आवक नियंत्रित करनी होगी और भोजन में प्रोटीन और रेशे को बढ़ाना होगा अन्यथा आपके सारे प्रयास विफल होंगे।

यहां वजन की बात इसलिए उठाई गई है क्योंकि पूरे विश्व में मोटापा एक महामारी बन चुका है। भारत की शहरी आबादी का 50 प्रतिशत मोटापे का शिकार है। इसके फलस्वरूप शरीर के अंगों और पेट में चर्बी इकट्ठी हो जाने से डायबिटीज और संबंधित मेटाबोलिक रोगों में तीव्र वृद्धि हुई है। इसके अलावा मोटापा कैंसर की उत्पति का दूसरा महत्वपूर्ण कारण है। युवतियों में सिस्टिक ओवरी और युवकों में शुक्राणु संख्या में गिरावट के अलावा हृदय रोग, स्लीप एपनिया जैसे रोगों की उत्पति मोटापे के कारण होती है। वजन नियंत्रित करने के लिए चंद कदम उठाने अत्यंत आवश्यक होते हैं। सर्वप्रथम तो भोजन में कार्बोहाइड्रेट्स को कम करना होगा तथा प्रोटीन एवं रेशे को बढ़ाना होगा। चीनी, मिठाइयां और फास्टफूड पर कठोरता से नियंत्रण करना होगा। प्रोटीन का शरीर में संग्रहण नहीं होता है इसलिए आवश्यकता से अधिक प्रोटीन गुर्दे द्वारा बाहर निकाल दिया जाता है और कुछ मात्रा में ग्लूकोस में परिवर्तित हो जाता है। प्रोटीन और फाइबर पेट में तृप्ति का भाव पैदा करते है जिसके फलस्वरूप व्यक्ति आवश्यकतानुसार ही भोजन ग्रहण करता है।

इसके अलावा रोजाना 7 से 8 घंटे की नींद बहुत आवश्यक होती है। इससे कम नींद लेने पर भोजन संबंधित संतुष्टि प्रदान करने वाले लेप्टिन हारमोन का रक्त स्तर गिर जाता है और भूख एवं बेचैनी बढ़ाने वाले ग्रेनिल हारमोन के स्तर में वृद्धि होने से व्यक्ति आवश्यकता से अधिक कैलोरी सा सेवन कर अपना वजन बढ़ा सकता है। अब बात आती है कसरत के प्रभावों की। यदि कैलोरी आवक का नियंत्रण नहीं किया जाए तो अकेली कसरत से वजन नियंत्रित होना संभव नहीं है। सिर्फ धावक या बदन को प्रताड़ित करने की हद तक की जाने वाली कसरतों से ही वजन कम किया जा सकता है जो सामान्य जीवन में संभव नहीं है और हानिकारक भी हो सकता है।

इसके अतिरिक्त यदि सिर्फ कम भोजन द्वारा वजन घटाया जाता है तो यह घट गया वजन चंद ही महीनों में वापिस बढ़ जाता है क्योंकि शरीर में यदि भूख को दबाया जाता है तो फैट कोशिकाएं बड़ी हो जाती हैं और उनकी संख्या भी बढ़ जाती है।

इन सब तथ्यों को देखते हुए जो बात उभर कर सामने आती है वह संतुलन की है। चूंकि आवश्यकता से अधिक कैलोरी का सेवन मोटापे के साथ डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग, कैंसर, आर्थराइटिस, ओस्टियोपोरोसिस, अनिद्रा और निचले पायदान की जीवन गुणवत्ता का कारक होता है तो हमें भोजन में कैलोरी को कम करना होगा, नियमित कसरत द्वारा मांसपेशियों को विकसित करना होगा। स्वस्थ शरीर के लिए भोजन ग्रहण करने का समय अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है। सुबह सूर्योदय के साथ या उससे थोड़ा पहले बिस्तर से उठना चाहिए और हल्के नाश्ते के बाद करीब 10 बजे के आसपास सुबह का भोजन ग्रहण करना चाहिए। दोपहर में कुछ फल आदि का सेवन कर शाम का भोजन रात के 8 बजे से पहले प्राप्त कर लेना चाहिए हालांकि 6 से 7 बजे का समय आदर्श होता है। जो लोग दफ्तर या व्यवसाय के कारण घर पर देरी से आते हैं उन्हें अपने दोपहर के भोजन समय में परिवर्तन कर उसे 2 बजे की बजाय 4 से 5 बजे कर देना चाहिए और रात्रि काल में मखाने जैसे कुछ हल्के खाने का उपयोग कर सो जाना चाहिए। इन सब परिवर्तनों से कुछ कष्ट हो सकता है पर ऐसा न करने से जीवन भी छोटा हो सकता है। अंतिम निर्णय तो उसी व्यक्ति को लेना होगा जो एक बेहतर जीवन व्यतीत करना चाहेगा।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

एआई का युग : वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए चुनौतियां और अवसर

अशोक कुमार

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आज हमारे समाज और अर्थव्यवस्था के हर पहलू में तेजी से अपनी पैठ बना रहा है। स्वचालन, डेटा विश्लेषण और निर्णय लेने की क्षमताओं में अभूतपूर्व वृद्धि के साथ, AI ने उद्योगों को नया आकार दिया है और कार्यबल की प्रकृति को मौलिक रूप से बदल रहा है। इस परिवर्तनकारी युग में, वरिष्ठ कर्मचारियों के सामने कई महत्वपूर्ण चुनौतियाँ खड़ी हो गई हैं, लेकिन साथ ही नए और अप्रत्याशित अवसर भी खुल रहे हैं।

वरिष्ठ कर्मचारी, जिन्होंने अपने करियर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा विशिष्ट कौशल और पारंपरिक कार्य पद्धितयों में निवेश किया है, अब एक ऐसे परिदृश्य का सामना कर रहे हैं जहाँ उनकी दशकों की विशेषज्ञता अचानक अप्रासंगिक लगने लगी है। AI–संचालित प्रणालियाँ उन कार्यों को कुशलतापूर्वक और तेजी से करने में सक्षम हैं जो कभी अनुभवी पेशेवरों के डोमेन थे। इससे कई बहुराष्ट्रीय कंपनियों को लागत कम करने और दक्षता बढ़ाने के लिए अपने पुराने कर्मचारियों की छंटनी करने के लिए प्रोत्साहन मिला है।

वरिष्ठ कर्मचारियों के समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ:--

कौशल का अंतर: सबसे बड़ी चुनौती AI और संबंधित तकनीकों में कौशल की कमी है। वरिष्ठ कर्मचारियों ने शायद अपने करियर के दौरान इन नई तकनीकों का अध्ययन नहीं किया होगा, जिससे वे उन भूमिकाओं के लिए कम प्रतिस्पर्धी हो जाते हैं जिनमें डिजिटल साक्षरता और AI की समझ आवश्यक है।

तकनीकी परिवर्तन के प्रति प्रतिरोध: मानव स्वभाव के अनुसार, कुछ वरिष्ठ कर्मचारी नई तकनीकों को सीखने और अपनाने में अनिच्छा महसूस कर सकते हैं। स्थापित आदतों और कार्यप्रणाली से चिपके रहने की प्रवृत्ति परिवर्तन को और अधिक कठिन बना सकती है।

उच्च वेतनमान और लागत दबाव: कंपनियाँ अक्सर लागत अनुकूलन के दबाव में रहती हैं। वरिष्ठ कर्मचारियों का वेतनमान आमतौर पर नए प्रवेशकों की तुलना में अधिक होता है, जिससे AI–संचालित स्वचालन उन्हें हटाने का एक आकर्षक वित्तीय विकल्प बना सकता है।

सीमित पुनःरोजगार के अवसर: AI के कारण कई पारंपरिक मध्य–प्रबंधन और विशेषज्ञता वाली भूमिकाएँ स्वचालित हो रही हैं। ऐसे में, वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए समान स्तर की नई भूमिकाएँ खोजना मुश्किल हो सकता है, खासकर यदि उनके पास अद्यतन तकनीकी कौशल की कमी हो।

मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक प्रभाव: नौकरी खोना या अपनी प्रासंगिकता महसूस न करना वरिष्ठ कर्मचारियों के आत्मविश्वास और आत्म–सम्मान पर गहरा नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। करियर के अंतिम चरण में इस तरह के बदलाव को स्वीकार करना और उससे निपटना भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए उभरते हुए अवसर:--

हालांकि चुनौतियाँ महत्वपूर्ण हैं, लेकिन AI के युग में वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए नए और महत्वपूर्ण अवसर भी मौजूद हैं, यदि वे सक्रिय रूप से अनुकूलन और सीखने के लिए तैयार हों।

अनुभव और डोमेन विशेषज्ञता का लाभ: AI सिस्टम को प्रभावी ढंग से डिजाइन, कार्यान्वित और प्रबंधित करने के लिए न केवल तकनीकी ज्ञान बल्कि उद्योग–विशिष्ट ज्ञान और व्यावसायिक समझ की भी आवश्यकता होती है। वरिष्ठ कर्मचारियों का वर्षों का अनुभव और डोमेन विशेषज्ञता विकास टीमों के लिए अमूल्य साबित हो सकती है। वे समाधानों को वास्तविक दुनिया की व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

नेतृत्व और रणनीतिक भूमिकाएँ: AI के कार्यान्वयन के लिए मजबूत नेतृत्व और रणनीतिक सोच की आवश्यकता होती है। वरिष्ठ कर्मचारी अपने अनुभव का उपयोग टीमों का मार्गदर्शन करने, AI परियोजनाओं के लिए रणनीतियाँ विकसित करने और यह सुनिश्चित करने में कर सकते हैं कि पहल व्यावसायिक लक्ष्यों के साथ संरेखित हों।

नैतिकता और सामाजिक निहितार्थ: जैसे–जैसे AI अधिक शक्तिशाली होता जाता है, इसके नैतिक और सामाजिक निहितार्थों पर विचार करना महत्वपूर्ण होता जाता है। वरिष्ठ कर्मचारी, अपने व्यापक दृष्टिकोण और अनुभव के साथ, AI के नैतिक उपयोग और संभावित जोखिमों को कम करने के बारे में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं।

मानव–मशीन सहयोग में भूमिकाएँ: भविष्य का कार्यबल मानव और AI के सहयोगात्मक मॉडल पर आधारित होगा। वरिष्ठ कर्मचारी उन भूमिकाओं में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं जहाँ मानवीय बुद्धि, रचनात्मकता और भावनात्मक बुद्धिमत्ता AI की विश्लेषणात्मक और स्वचालन क्षमताओं का पूरक है। इसमें ग्राहक संबंध प्रबंधन, जटिल समस्या समाधान और नवाचार शामिल हो सकते हैं।

परामर्श और प्रशिक्षण: अपने समृद्ध अनुभव के साथ, वरिष्ठ कर्मचारी नई पीढ़ी को AI और उनके उद्योग के बीच संबंध को समझने में मदद करने के लिए सलाहकार और प्रशिक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। वे अपने व्यावहारिक ज्ञान और अंतर्दृष्टि को साझा करके एक महत्वपूर्ण सेतु का काम कर सकते हैं।

उद्यमिता: कुछ वरिष्ठ कर्मचारी अपने उद्योग ज्ञान और बाजार की समझ का उपयोग करके AI–संचालित नए उद्यम शुरू कर सकते हैं या मौजूदा व्यवसायों में समाधानों को एकीकृत करने में मदद कर सकते हैं।

आगे की राह:--

वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए AI के युग में सफल होने के लिए एक बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है:–

निरंतर सीखना और पुनः कौशल: वरिष्ठ कर्मचारियों को सक्रिय रूप से AI की बुनियादी बातों, संबंधित तकनीकों और अपने उद्योग पर इसके प्रभाव को सीखने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। ऑनलाइन पाठ्यक्रम, कार्यशालाएँ और उद्योग सम्मेलन इस प्रक्रिया में सहायक हो सकते हैं।

खुलापन और अनुकूलनशीलता: नई तकनीकों और कार्य पद्धितयों के प्रति खुला रहना महत्वपूर्ण है। परिवर्तन को गले लगाना और नई चुनौतियों को सीखने के अवसर के रूप में देखना सफलता की कुंजी है।

अपने अनुभव का मूल्य समझना: वरिष्ठ कर्मचारियों को अपने वर्षों के अनुभव, उद्योग ज्ञान और सॉफ्ट स्किल्स (जैसे संचार, नेतृत्व और समस्या–समाधान) के महत्व को कम नहीं आंकना चाहिए। ये कौशल AI द्वारा आसानी से प्रतिस्थापित नहीं किए जा सकते हैं और नए संदर्भों में अत्यधिक मूल्यवान हो सकते हैं।

नेटवर्किंग और सहयोग: उद्योग के साथियों, तकनीकी विशेषज्ञों और युवा पेशेवरों के साथ जुड़ना नए अवसरों और सीखने के संसाधनों तक पहुंच प्रदान कर सकता है।

कंपनियों की भूमिका: कंपनियों को भी अपने वरिष्ठ कर्मचारियों के पुनः कौशल और कौशल विकास में निवेश करना चाहिए। समावेशी नीतियाँ बनाना और ऐसे अवसर प्रदान करना महत्वपूर्ण है जो अनुभवी कर्मचारियों को AI–संचालित भविष्य में योगदान करने में सक्षम बनाएँ।

निष्कर्ष:-- AI का युग वरिष्ठ कर्मचारियों के लिए निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण मोड़ है। चुनौतियाँ वास्तविक हैं, लेकिन निष्क्रियता कोई विकल्प नहीं है। सक्रिय रूप से सीखने, अनुकूलन करने और अपने अद्वितीय अनुभव और कौशल का लाभ उठाने वाले वरिष्ठ कर्मचारी न केवल प्रासंगिक बने रह सकते हैं बल्कि - संचालित भविष्य को आकार देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह एक ऐसा युग है जहाँ अनुभव और नवाचार का संयोजन सफलता की ओर ले जाएगा, और वरिष्ठ कर्मचारियों को इस यात्रा में पीछे नहीं रहना चाहिए।

–अशोक कुमार,
पूर्व कुलपति कानपुर, गोरखपुर विश्वविद्यालय, विभागाध्यक्ष राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर

करणीसर भाटियान में 61 बीघा जमीन पर खेजड़ी के 200 पेड़ काटे

- **शिकायत पर तहसीलदार ने पटवारी को मौके पर भेजा तो उन्हें सात-आठ पेड़ ही मिले, इसके अलावा कुछ कटे हुए ठूंठ नजर आए**
- **परिवादी ने पूगल थाने पर परिवाद देते हुए कुछ लोगों पर जमीन पर खेजड़ी के पेड़ काटने का आरोप लगाया**

बीकानेर, (निसं)। बारानी के बाद अब नहरी जमीन पर भी सोलर प्लांट लगने शुरू हो गए हैं। नोखा दहिया और जयमलसर में सोलर कंपनी ने एक हजार बीघा से अधिक कमांड भूमि लीज पर ली है। जमीन के पास से नहर जा रही है। खेत में हरे–भरे पेड़ लहलहा रहे हैं, जिन पर धीरे–धीरे आरियां चलने लगी हैं। कोलायत तहसीलदार ने बुधवार को मौके से कटे हुए खेजड़ी के 96 पेड़ जब्त किए हैं। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट में सोलर एनर्जी के क्षेत्र में सबसे ज्यादा एमओयू हुए हैं। कंपनियों ने पूगल, श्रीडूंगरगढ़, जामसर, नाल, कोडमदेसर, गजनेर, कोलायत आदि क्षेत्रों में सोलर प्लांट लगाने का काम शुरू कर दिया है। नोखा दहिया और जयमलसर में दो दिन पहले ही विवाद हुआ था।

पूगल तहसील के करणीसर भाटियान में 61 बीघा जमीन पर खेजड़ी के 200 पेड़ काट डाले गए। परिवादी अंतर कंवर पत्नी चांद सिंह, विशाल कंवर पत्नी शिव सिंह की शिकायत पर तहसीलदार ने पटवारी सुभाष बिश्नोई को मौके पर भेजा तो उन्हें सात–आठ पेड़ ही मिले। इसके अलावा कुछ कटे हुए ठूंठ नजर आए। परिवादी ने पूगल थाने पर भी परिवाद देते हुए कुछ लोगों पर उनकी जमीन पर खेजड़ी के पेड़ काटने का आरोप लगाया है। जानकारी के अनुसार यह जमीन सोलर प्लांट को लीज पर दी जा चुकी है। कमांड भूमि पर सोलर प्लांट लगाने के लिए एनओसी जारी करने पर इंदिरा गांधी नहर परियोजना ने आपत्ति दर्ज कराई थी, लेकिन नहर अभियंताओं की सुनी ही नहीं गई। वर्ष 2021 में नहर विभाग के तत्कालीन अतिरिक्त मुख्य अभियंता विवेक गोयल ने उपनिवेशन आयुक्त को पत्र लिखकर कहा था कि कमांड क्षेत्र में सोलर प्लांट लगाने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र जारी नहीं किया जाए। पत्र में लिखा है कि नहर से पश्चिमी राजस्थान को पेयजल और सिंचाई के लिए पानी मिलता है। राज्य सरकार नहर पर करोड़ों रुपए खर्च करती है। उसके बावजूद उपनिवेशन विभाग की और से सोलर कंपनियों को एनओसी जारी की जा रही है। उधर उपनिवेशन विभाग के एक अधिकारी का कहना है कि एनओसी उच्च स्तर से जारी हो रही है। उनके पास आवेदन ही नहीं आ रहे।

लू से झुलसा बीकानेर शहर, पारा 44.8 डिग्री पहुंचा

- **25 मई से नौतपा लगेगा, 2 जून तक लोगों को सर्वाधिक तपिश और लू वाले दिनों का सामना करना होगा, नौतपा के कुछ दिन बाद प्री-मानसून की बारिश की संभावना बढ़ने लगती है**

बीकानेर, (निसं)। मौसम ने अब कड़े तेवर दिखाने शुरु कर दिये हैं। कड़ाके की धूप और सड़कों पर लू से लोग बाहर तो दूर घरों में ही परेशान हो उठे। दिन का अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोपहर में बाजारों से लेकर गली–मोहल्लों की सड़कों पर सन्नाटा हो गया। हर कोई लू से बचाव के कारण छांव तलाशता रहा।

जानकारी के अनुसार बुधवार को ही अधिकतम तापमान 43.9 डिग्री था, यानी 44 डिग्री तक पहुंच ही चुका था। तब तक मौसम विभाग ने प्रचंड लू के संकेत वेबसाइड पर शो नहीं किया था मगर अब गुरुवार से सोमवार तक प्रचंड लू का अलर्ट जारी किया है। तापमान 44 डिग्री से तो ऊपर ही रिकार्ड किया जाएगा। मई में लू का ये पहला चरण है। इससे पहले अप्रैल में 3–3 दिन के 3 चक्र में लू चल चुकी है, जो अप्रैल ज्यादातर सामान्य रहता था उसमें लोगों को 9 दिन लू झेलनी पड़ी थी। मई पूरा प्रचंड लू में बीतता था उसी मई के शुरू के 10 दिन सुकून और राहत में गुजरे। मगर अब बचे 20–22 दिन गर्मी से पूरी तरह छकाने वाले हैं। मौसम विभाग के हिसाब से 20 मई तक लगातार पारा 45 डिग्री और उसके आसपास ही रहेगा। इस वजह से रात भी तपने वाली है, यानी सुकून ना दिन में होगा ना रात में। परेशानी सिर्फ 20 मई तक की नहीं है। असली परेशानी तो नौतपा में आने वाली है जिसमें लगातार 9 दिन तपिश पीछा नहीं छोड़ती। 25 मई से नौतपा लगेगा। 2 जून तक लोगों को सर्वाधिक तपिश और लू वाले दिनों का सामना करना होगा। नौतपा के कुछ दिन बाद प्री–मानसून की बारिश की संभावना बढ़ने लगती है। नौतपा के बारे में कहा जाता है कि वो जितना तपेगा उतनी ही बारिश अच्छी होगी।

संक्षिप्त

मोहन भागवत आज पुष्कर आएंगे

पुष्कर (निसं)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत शनिवार को पुष्कर आएंगे। उनकी निजी यात्रा को लेकर पुलिस व प्रशासन अलर्ट हो गया है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत शनिवार की शाम करीब 6 बजे पुष्कर पहुंचे तथा वे करीब एक घंटे रुकेंगे। यहां उनका पास के गांव गनाहेड़ा स्थित एक रिसोर्ट में आयोजित अपने परिचित के शादी समारोह में भाग लेने का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इधर उनके कार्यक्रम को लेकर पुलिस व प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे है। इसी के चलते गुरूवार को पुष्कर थाना प्रभारी विक्रम सिंह व नगर परिषद के आयुक्त जनार्दन शर्मा ने अधीनस्थ कार्मिकों के साथ कार्यक्रम स्थल का दौरा भी किया। भागवत दूसरी बार पुष्कर आ रहे है। इसके पूर्व भागवत जगत गुरु श्री जीयाम शरण देवाचार्य जी महाराज से मुलाकात कर, पुष्कर सरोवर की पूजा अर्चना की थी।

उमस ने लोगों को सताया

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र में शुक्रवार को सुबह से ही छितराए बादल छाए रहे। सूर्य देव बादलों में दिनभर लुका छुप्पी का खेल भी चला इसके बावजूद दोपहर के समय लोग तेज गर्मी व उमस से परेशान रहे। जैसे-जैसे शाम हुई लोगों को गर्मी व पसीने से राहत मिली सुबह मौसम सामान्य रहने के बाद जैसे-जैसे दिन चढ़ता उसके साथ ही सूर्य से निकली आग की लपटों ने खासा बेहाल कर दिया सर्वाधिक तापमान रहने के कारण एसी कूलर पंखे जवाब दे गए मसूदा क्षेत्र में भीषण गर्मी का दौर जारी है दिन-रात लू चलने से लोग बेहाल है दोपहर में बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा।

बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी आज

मसूदा, । मसूदा विद्युत वितरण निगम के कनिष्ठ अभियंता ने बताया कि आवश्यक रखरखाव के कारण आज शनिवार 17 मई को 33/11 केवी जीएसएस शेरगढ़ ,रामगढ़ ,लोडियाणा पर आवश्यक रखरखाव एवं मरम्मत कार्य हेतु विद्युत सप्लाई सुबह 7 से दोपहर 1 तक बंद रहेगी जिससे जुड़े सभी ग्रामीण फीडर शेरगढ़प्रथम शेरगढ़ सेकंड, लम्बा, लोरडी,माईड, लोडियाणा शहरी, लोडियाणा ग्रामीण, दौलतपुरा प्रथम, जय सिंहपुरा, रामगढ़ ग्रामीण, रामगढ़ शहरी,जीवाणा, देवास, आशापुरा, नाकोड़ा व दौलतपुरा सेकंड से जुड़े गांव की विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी।

समाधि दिवस आज

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन पंचायत व सकल दिगम्बर जैन समाज की ओर से शनिवार को आचार्य श्रुतसागर महाराज का 38वां समाधि दिवस मनाया जाएगा।

NAME CHANGE

I Khajani mother of Army No 18000148N, HAV, Tejveer, Residing Village-Kutubpur, Po - Shakarinagar, Teh & Dist - Bulandshahar, U.P, 203150 Have changed my name From Khagano Devi to Khajani Vide affidavit no BZ 926206 Dt 16/05/2025 before court Campus Nasirabad

NAME CHANGE

I Shivvati Wife of Army No 18000148N, HAV, Tejveer, Residing Village-Kutubpur, Po - Shakarinagar, Teh & Dist - Bulandshahar, U.P, 203150 Have changed my name From Smt Shivbati to Shivvati Vide affidavit no BZ 926208 Dt 16/05/2025 before court Campus Nasirabad

आम सूचना

मेरी बहन आशा पुत्री स्व. मदनसिंह जाति राजपूत निवासी तेली मोहल्ला मदनगंज किशनगढ़ जिला अजमेर का अविवाहित अवस्था में स्वर्गवास दिनांक 6 अक्टूबर 1980 को मेरे निवास स्थान पर हो गया, जिसका मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने के लिए तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में आवेदन किया है। इस संबंध में किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो मय दस्तावेज 7 दिवस में तहसीलदार कार्यालय किशनगढ़ में संपर्क करे। प्रार्थी- सुमेर सिंह पुत्र स्व. मदनसिंह

LSG/BEAWAR/MUT/2025/130594
DATE :- 13.05.2025 रजि. हक-परित्याग

कार्यालय नगर परिषद, ब्यावर

क्रमांक/नगरीय विकास कर/2025-26 /1730 दिनांक 16-05-25

सार्वजनिक सूचना

श्री गौरव गुप्ता पुत्र श्री श्याम सुन्दर जी गुप्ता निवासी ब्यावर ने क्षेत्र नं. 1 यादव कॉलोनी गायत्री नगर खसरा नं. 265 व 266 प्लाट नं. 52 क्षेत्रफल 145.83 वर्गगज है, जो कि नगर परिषद ब्यावर के नगरीय विकास कर रिकॉर्ड में श्री श्याम सुन्दर गुप्ता पुत्र श्री नानक राम गुप्ता के नाम दर्ज है। तत्पश्चात रजि. हक-परित्याग दिनांक 02.11.2023 स्वयं घोषणा शपथ पत्र प्रस्तुत कर नगरीय विकास कर अनुभाग(गृहकर) पंजिका में नाम अन्तरण के लिए आवेदन किया है। अतः इस नाम परिवर्तन के संबंध मे किसी व्यक्ति या किसी संस्था को कोई आपत्ति हो तो मय प्रमाणित दस्तावेज सात दिवस में आपत्ति प्रस्तुत करें। बाद मियाद कोई भी आपत्ति विचारणीय नही होगी।

-आयुक्त नगर परिषद ब्यावर

अजमेर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के एडीए से संबंधित विकास कार्य शीघ्रता से करवाएं : भदेल

विधायक भदेल ने अजमेर विकास प्राधिकरण आयुक्त तथा अन्य अधिकारियों की बैठक ली

अजमेर, (कासं)। अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने गुरुवार को अजमेर विकास प्राधिकरण आयुक्त तथा अन्य अधिकारियों की समीक्षात्मक बैठक ली। बैठक में दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की।

- बैठक में दक्षिण विधानसभा क्षेत्र में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की

विधायक भदेल ने बैठक में स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि विधायक निधि से स्वीकृत समस्त विकास कार्यों को गुणवत्तापूर्ण समय पर पूरे करवाए जाएं। उन्होंने विशेष रूप से आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए धोलाभाटा रोड पर निर्माणाधीन नाले के निर्माण को शीघ्र पूर्ण करने के अधिकारियों को निर्देशित किया, ताकि बरसात में क्षेत्रवासियों को जल भराव संबंधी कोई परेशानी ना हो। जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करते हुए विधायक भदेल ने मकानों के पट्टे जारी करने में हो रही देरी पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र व्यक्तियों को उनके मकानों के पट्टे शीघ्रता से जारी किए जाएं ताकि उन्हें कानूनी अधिकार प्राप्त हो सके और वे राहत की अनुभूति कर सकें। इसके अतिरिक्त, विधायक भदेल ने एडीए की रिक्त पड़ी भूमि पर भू-माफियाओं द्वारा किए जा रहे अवैध कब्जों एवं अतिक्रमणों पर भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि ऐसे सभी अतिक्रमणों को तत्काल प्रभाव से हटाया जाए तथा सरकारी भूमि को संरक्षित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन को भू-माफियाओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करनी चाहिए ताकि भविष्य में इस प्रकार की गतिविधियों पर रोक लगाई जा सके। बैठक के दौरान आयुक्त ने प्रभावी रूप से सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे विधायक द्वारा बताये इन कार्यों को प्राथमिकता से लेकर इनकी प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करे।

अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल ने अजमेर विकास प्राधिकरण आयुक्त तथा अन्य अधिकारियों की समीक्षात्मक बैठक लेकर निर्देश दिये।

साइबर क्राइम पर जागरुकता कार्यशाला का आयोजन

अजमेर, (कासं)। शहर में बढ़ते साइबर अपराध और बुजुर्गों के साथ धोखाधड़ी के मामले के मद्देनजर सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर ने सार्थक पहल करते हुए शुक्रवार को साइबर अपराध के बढ़ते मामलों को देखते हुए वरिष्ठ नागरिकों को जागरूक करने की धोला भाटा स्थित मन्त्रा हवेली में कार्यशाला आयोजित की गई। सीनियर सिटीजन सोसायटी अजमेर के पदाधिकारी केके गौड़ ने बताया कि वर्तमान में डिजिटल लेन-देन के बढ़ते चलन के मद्देनजर साइबर ठगी के मामले विशेष रूप से बुजुर्गों के लिए गंभीर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए अजमेर रेंज डीआईजी ओमप्रकाश के निर्देशानुसार साइबर सेल की टीम ने जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यशाला में साइबर सेल अधिकारियों ने बुजुर्गों को मोबाइल, सोशल मीडिया और बैंकिंग फ्रॉड से बचाव के आसान तरीके समझाए। साथ ही यह भी बताया गया कि फर्जी कॉल, मैसेज या लिंक के जरिए कैसे ठग व्यक्तिगत जानकारी चुराते हैं। अधिकारियों ने ऑनलाइन धोखाधड़ी की स्थिति में 1930 हेल्पलाइन पर संपर्क करने की सलाह दी। कार्यक्रम के दौरान सोसायटी की विशेष परंपरा का निर्वहन करते हुए इस माह में जन्में वरिष्ठ नागरिकों का जन्मदिन सामूहिक रूप से मनाया गया। केक काटकर और पुष्पगुच्छ भेंट कर सभी को सम्मानित किया गया। इस आयोजन में बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिकों ने भाग लिया और साइबर सुरक्षा से जुड़ी जानकारी प्राप्त की।

सार-समाचार

जागरूकता की लहर से हो रहा डेंगू पर वार

भीलवाड़ा। डेंगू के खतरे से बचाव को लेकर सुरक्षित और स्वस्थ समाज बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर जिले में स्वास्थ्य विभाग ने जन-जागरूकता की एक सशक्त लहर उठाई। इस दौरान स्वास्थ्य कार्मिकों ने विभिन्न एन्टीलार्वल व जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सी. पी. गोस्वामी ने यह जानकारी देकर बताया कि राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर स्वास्थ्य कर्मियों ने जिला व ब्लॉक स्तर पर जागरूकता रैली, पम्पलेट वितरण, पोस्टर प्रदर्शन और घर-घर जाकर जनसंवाद के माध्यम से डेंगू के खिलाफ जंग का ऐलान किया। उन्होंने लार्वा सर्वे, फॉगिंग और मच्छर नियंत्रण के लिए नारा लेखन, पानी के पॉजिटिव पात्रों का निस्तारण जैसी प्रभावी एन्टीलार्वल गतिविधियों से आमजन को स्वच्छता और सावधानी की महत्ता समझाई।

मानसून से पूर्व नालों की सफाई

अजमेर । बारिश के मौसम से पूर्व नगर निगम द्वारा हर साल नालो की साफ-सफाई करवाई जाती है, इसी के तहत इस साल भी नगर निगम की ओर से शहर के सभी छोटे व बडे नालों की साफ-सफाई करवाई जा रही है। नगर निगम के स्वास्थ्य अधिकारी पृथ्वीराज ने जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को काला बाग पुलिया के नीचे का नाला सफाई करवाया गया।

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ (अजमेर) राज.

क्रमांक : न.प.कि/नाम हस्तांतरण/2025/1117 **आम सूचना** दिनांक : 16/5/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा संख्या 552 पर स्थित आवासीय (भूखण्ड संख्या 24 क्षेत्रफल 266.66 वर्गगज) पर श्री गौरांग डी जाजू पुत्र श्री दिनेश जाजू ने आवेदन प्रस्तुत कर हस्तान्तरण चाहा गया है।

उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है -

पूर्व में : 40 फीट चौड़ा रास्ता — पश्चिम में : भूखण्ड संख्या 23

उत्तर में : भूखण्ड संख्या 16 — दक्षिण में : 40 फीट चौड़ा रास्ता

अतः उक्त नाम हस्तान्तरण प्रकरण में किसी भी व्यक्ति / संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपति हो तो सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मयाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नही होगी।

प्रभारी, नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ (अजमेर) राज.

क्रमांक : न.प.कि/नाम हस्तांतरण/2025/1115 **आम सूचना** दिनांक : 16/5/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम मदनगंज के खसरा संख्या 78 पर स्थित व्यवसायिक (भूखण्ड संख्या 22 क्षेत्रफल 108.43 वर्गगज) पर 1. श्री पवन दिवाकर पुत्र श्री सत्यनारायण दिवाकर 2. श्रीमती ममता रामावत पत्नि श्री अशोक रामावत ने आवेदन प्रस्तुत कर नाम हस्तांतरण चाहा गया है।

उक्त भूखण्ड की सीमाएं निम्नानुसार है -

पूर्व में : जयपुर अजमेर रोड — पश्चिम में : अन्य की जमीन

उत्तर में : अन्य की जमीन — दक्षिण में : भूखण्ड संख्या 21

अतः उक्त नाम हस्तान्तरण प्रकरण में किसी भी व्यक्ति / संस्था को किसी भी प्रकार की कोई आपति हो तो सूचना के प्रकाशन की दिनांक से 07 दिवस में इस कार्यालय में प्रस्तुत करे अन्यथा बाद मयाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नही होगी।

प्रभारी, नगर परिषद, किशनगढ़

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

मूल आवंटी / अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि प्राधिकरण की चौरसियावास योजना के आवसीय/व्यवसायिक खसरा नम्बर 1584 क्षेत्रफल 391 वर्ग गज आवंटी/अन्तरिति श्रीमती मैना देवी पत्नि स्व. रामेश्वर लाल टेलर निवासी 432 B-1 चौरसियावास रोड गाँधी नगर अजमेर की मृत्यु दिनांक 5/3/2025 को होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र तथा वसीयतनामा (पंजीकृत/ दिनांक 24/6/2012 संलग्न कर मृतक द्वारा निष्पादित वसीयतनामे के आधार पर नामान्तरण हेतु भंवर लाल टेलर पुत्र स्व. रामेश्वर लाल टेलर निवासी 432 B-1 चौरसियावास रोड गाँधी नगर अजमेर द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है उक्त नामान्तरण किये जाने के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नही होगी व आवेदको के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर

मूल आवंटी / अन्तरिति की मृत्यु पर उत्तराधिकारियों द्वारा निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र के आधार पर नामान्तरण हेतु आम सूचना का प्रारूप

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि अजमेर विकास प्रधिकरण अजमेर की कोटडा आवासीय योजना के आवासीय/व्यावसायिक भूखण्ड संख्या 1428 क्षेत्रफल 112.50 व.मी. आवंटी/अन्तरिति श्री/सुश्री/श्रीमती सूरज अग्रवाल पुत्र/पुत्री/पत्नि/श्री/स्व. डा. पूनमचंद अग्रवाल निवासी रघुनाथ भवन, नसिया रोड, अजमेर की मृत्यु दिनांक 25-05-2021 को होने पर मृत्यु प्रमाणपत्र व सजरा रिपोर्ट संलग्न कर मृतक के वारिसों श्री/सुश्री/श्रीमती सत्यभामा पुत्र/पुत्री/पत्नि सूरज अग्रवाल निवासी रघुनाथ भवन, नसिया रोड, अजमेर द्वारा अपने सहहिस्सेदार श्री/सुश्री/श्रीमती विक्रम अग्रवाल पुत्र /पुत्री/ पत्नि सूरज अग्रवाल निवासी रघुनाथ भवन, नसिया रोड, अजमेर के पक्ष में निष्पादित पंजीकृत हक त्याग पत्र दिनांक 03-04-2025 के आधार द्वारा नामान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया हैं। उक्त नामान्तरण किये जाने के सम्बंध में किसी को आपत्ति हो तो प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज करावे। उक्त नियत अवधि पश्चात कोई आपत्ति स्वीकार योग्य नहीं होगी व आवेदकों के नाम नामान्तरण की कार्यवाही की जा सकेगी।

योजना प्रभारी अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय नगरपालिका गुलाबपुरा जिला-भीलवाडा (राज.)

प्रारूप-10
(नियम 6 (7) देखिए)
प्राधिकृत अधिकारी का कार्यालय नगरपालिका गुलाबपुरा

सं.328-331 **लोक सूचना** दिनांक- 15.05.2025

आवेदक श्री रामचन्द्र पुत्र श्री मादुलाल भील निवासी हरिपुरा, तस्वारियों तहसील अंटाली जिला भीलवाडा ने इस कार्यालय में नीचे उल्लिखित भूमि का गैर-कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृति अधिकारों के निर्वापन के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है, अर्थात-

जिले सहित	तहसील का नाम	ग्राम का नाम खसरा सं.	क्षेत्र
राजस्व ग्राम तस्वारिया	अन्टाली	राजस्व ग्राम तस्वारिया के खसरा सं.-1091/5	कुल क्षेत्रफल 2752.00 वर्गमीटर

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम, 1956 की धारा 90-क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम, 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करने और अभिधृति अधिकारों के निर्वापन पर कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के 7 दिन के भीतर किसी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्त नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जायेगा कि किसी को आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज दिनांक .... को जारी की गयी ।

प्राधिकृत अधिकारी
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका गुलाबपुरा

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 220 — दिनांक 14.05.25

जाहिर आम सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या -क-22, घोलामाटा, अजमेर क्षेत्रफल 136.00 वर्ग गज मूल आवंटी श्री जशनमल पुत्र श्री हुकुमत राय को आवंटित कर दिनांक 11.02.1975 को मकान का भौतिक कब्जा सौपा गया था। श्री जशनमल पुत्र श्री हुकुमत राय द्वारा दिनांक 17.03.1978 को आवास का पंजीयन करवा लिया गया। पंजीयन पश्चात् श्री जशनमल पुत्र श्री हुकुमत राय द्वारा आवास का बेचान श्री प्रकाश कुकरेजा पुत्र श्री नथुराम कुकरेजा की कर दिया गया। श्री प्रकाश कुकरेजा की मृत्यु दिनांक 13.08.2010 को हो जाने के कारण उनकी पत्नि श्रीमती मीना कुकरेजा पत्नि स्व0 श्री प्रकाश कुकरेजा के पक्ष में दिनांक 09.05.2013 को मृत्यु पश्चात आवास हस्तान्तरण के आदेश जारी किये गये। श्रीमती मीना कुकरेजा की मृत्यु दिनांक 18.11.2021 को हो जाने के कारण उनके पुत्र श्री प्रशान्त कुकरेजा पुत्र स्व0 श्री प्रकाश कुकरेजा द्वारा मृत्यु पश्चात् आवास हस्तान्तरण हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। श्री प्रशान्त कुकरेजा पुत्र स्व0 श्री प्रकाश कुकरेजा के पक्ष में उनकी बहिन श्रीमती पूनम भम्मानी पत्नि श्री राज भम्मानी द्वारा रजिस्टर्ड हकत्याग पत्र प्रस्तुत किया गया है। अब श्री प्रशान्त कुकरेजा पुत्र स्व0 श्री प्रकाश कुकरेजा ने उक्त आवास से संबंधित मृत्यु हस्तान्तरण प्रपत्र प्रस्तुत कर स्वयं के नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया श्री प्रशान्त कुकरेजा पुत्र स्व0 श्री प्रकाश कुकरेजा का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अत उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात कोई आपति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड - अजमेर

कार्यालय नगर परिषद, किशनगढ़ जिला -अजमेर (राज)

क्रमांक: न.प.कि. / गैराज / 2025 / 191 — दिनांक :- 12 / 05 / 2025

-:: ई-बोली आमन्त्रण सूचना संख्या- 01 (वर्ष 2025-26 ::-)

नगर परिषद, किशनगढ (अजमेर) के लिए परिषद क्षेत्र में डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण हेतु किराये पर सी.एन.जी. टेम्पो (क्षमता 1000 किलों) मय ड्राईवर उपलब्ध कराने हेतु 20 ऑटो टीपर / ऑटोहोपर (क्षमता 1000 किलोग्राम) 12 माह के लिये किराये पर उपलब्ध कराने का कार्य हेतु इच्छुक एवं अनुभवी संवेदको से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योर्मेन्ट प्रक्रिया द्वारा ऑनलाईन दर संविदा हेतु निविदाएँ आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 13.05.2025 को प्रातः 09.00 बजे से तथा प्राप्त करने की दिनांक 26.05.2025 को दोपहर 12.00 बजे तक एवं निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in/ व https://eproc.rajasthan.gov.in/ पर देखी जा सकती है।

यूबीएन नं. DLB2526A1212

आयुक्त
नगर परिषद, किशनगढ़

राज.संवाद / सी / 25 / 2498

पृथ्वीराज चौहान जयंती मैराथन दौड़ 23 को

अजमेर। सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 859 वीं जयंती समारोह के अन्तर्गत आगामी 23 मई को मैराथन दौड़ का आयोजन किया जाएगा। इस दौड़ में भाग लेने हेतु रजिस्ट्रेशन के लिए क्यूआर कोड जारी कर दिया गया है।

- ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन हेतु क्यूआर कोड जारी

समारोह समिति के खेल प्रभारी विनीत लोहिया के अनुसार इस मैराथन दौड़ में पुरुष-महिला, छात्र-छात्राएं सहित वरिष्ठ नागरिक भी भाग लेंगे। इस दौड में आम शहर वासियों के अतिरिक्त केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल, जीआरपी, राजस्थान पुलिस, रेलवे, जिला खेलकूद प्रशिक्षण केन्द्र, जिला एथेलेटिक संघ, न्यायिक सेवा से जुड़े अधिकारी, अधिवक्ता एवं कर्मचारी भी भाग लेंगे। समारोह समिति के कंवल प्रकाश किशनानी के अनुसार यह दौड़ 23 मई शुक्रवार को प्रातः 6 बजे डॉ. भीमराव आम्बेडकर सर्कल (रोडवेज बस स्टेण्ड) से रवाना होकर, एलिवेटेड रोड पर जाएगी, जहां से आगरा गेट की भुजा से उतरते हुए, जयपुर रोड, अग्रसेन सर्कल, जिला परिषद होते हुए पुनः अम्बेडकर सर्कल पर सम्पन्न होगी। सभी वर्ग के प्रथम तीन विजेताओं को 24 मई शनिवार को तारागढ़ तलहटी स्थित सम्राट पृथ्वीराज चौहान स्मारक पर पुरस्कृत किया जाएगा। इस दौड़ में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को शंकर आयुर्वेदा एंड पंचकर्मा हॉस्पिटल सिविल लाईन एवं स्वर आरोग्यम फाउंडेशन किशनगढ़-अजमेर के सोजन्य से शीतलपेय एवं फल वितरित किए जाएंगे। इस संस्थान की डॉ. रूचि माथुर एवं अन्नपूर्णा पारीक का सहयोग रहेगा। इस दौड़ में भाग लेने वाले सभी पुरुष-महिला, छात्र-छात्राएं एवं वरिष्ठ नागरिक अपना रजिस्ट्रेशन स्वामी कॉम्पलेक्स स्थित पिज्जा पाइंट से फार्म प्राप्त कर अपना रजिस्ट्रेशन करा सकेंगे। जिसके दौड़ संयोजक अर्जुन नलिया, मुकेश खींची, किशोर मारोठिया, चन्द्रभान प्रजापत रहेंगे। पूरे मार्ग पर यातायात व्यवस्था के लिए यातायात पुलिस का प्रबंधन एवं एम्बुलेंस सेवा भी रहेगी।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर तिरंगा फहराया

भीलवाड़ा। आपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना ने अपने अदम्य साहस बहादुरी से पाकिस्तान के आतंकवादियों के कैंप को निशाना बनाते हुए तबाह कर दिया साथ ही पाकिस्तान द्वारा ड्रोन एवं मिसाइल के हमले को भी भारतीय सेना द्वारा अतिआधुनिक तकनीक से निर्मित हथियारों द्वारा हवा में ही मार गिराया इस को लेकर भारत विकास परिषद चन्द्र शेखर आजाद शाखा के संस्थापक अध्यक्ष कैलाश सोनी के नेतृत्व में कमांडो राजकुमारी, भाविप महिला प्रमुख विजय लक्ष्मी समदानी ,कल्पना सोनी,आशा काबरा ,भारती काबरा के सानिध्य में आई बी वी एम स्कूल नेहरू रोड पर तिरंगा झंडा भारत माता की जय वन्देमातरम जय हिंद के नारे के साथ पूरे जोश उत्साह से फहराया। इस दौरान प्रांतीय संयुक्त महासचिव शिवम प्रहलादका ,विनोद कोठारी , अमित सोनी, विनीत शर्मा, अनुराधा अजमेरा शारदा चेचानी ,सुनीता शर्मा एवं कमांडो राजकुमारी कल्पना सोनी, अर्पित नंदावत, सार्थक भदादा, पंकज मिश्रा उपस्थित थे।

तालाब की पाल पर पाइपलाइन बिछाना पड़ा महंगा

नसीराबाद, (निसं)। निकटवर्ती देरांठू ग्राम पंचायत के राताखेड़ा गांव में जलदाय विभाग की लापरवाही एक बड़े खतरे को न्यौता दे रही है। यहां तालाब की वर्षों पुरानी पाल के ऊपर से पानी की पाइपलाइन डाल दी गई है, जो अब क्षतिग्रस्त होकर पाल को भी नुकसान पहुँचा रही है। जानकारी के अनुसार, जलदाय विभाग ने ग्राम बेवंजा में पेयजल आपूर्ति के लिए पानी की टंकी से पाइपलाइन बिछाई थी। इस कार्य में विभाग ने सुरक्षित मार्ग की अनदेखी करते हुए तालाब की पाल पर खुदाई कर शॉर्टकट से पाइप डाल दी। दो दिन पहले तेज पानी के दबाव से पाइपलाइन टूट गई और लीकेज के चलते पाल का हिस्सा भी दरक गया, जिससे वह नीचे से पोली हो गई। जलदाय विभाग ने मिट्टी भरकर किया इतिश्री : सूचना मिलने पर विभागीय ठेकेदारों ने मौके पर पहुँचकर लीकेज को अस्थाई रूप से दुरुस्त किया और केवल मिट्टी डालकर काम समाप्त कर दिया। लेकिन भीतर से कमजोर हो चुकी पाल अब पूरे गांव के लिए खतरे का कारण बन गई है। इस समय राताखेड़ा तालाब पूरी तरह भरा हुआ है और बारिश का मौसम करीब आ चुका है।

निःशुल्क समर कैम्प शुरु

मदनगंज-किशनगढ़,(निस)। नगर परिषद किशनगढ द्वारा आयोजित पंद्रह दिवसीय समर कैम्प निःशुल्क मस्ती की पाठशाला का गांधी धर्मशाला में सभापति दिनेश सिंह राठौड व आयुक्त सीता वर्मा ने शुभारम्भ किया। कैम्प में साठ बच्चों द्वारा भाग लिया, जिसमें प्रार्थना के बाद योग क्लास ली गई। कर्मचारी किरण कंवर व रजनी ने गुड टच, बैड टच के बारे में जानकारी दी। विवेक कुमावत द्वारा डांस क्लास व मुकेश कुमावत ने बच्चों को पेंटिंग करने की टिप्स सिखाई गई। इस दौरान अधिशाषी अभियन्ता संदीप यादव, त्रिलोचन कुमावत सहायक अभियन्ता, कमल शर्मा आर ओ, प्रकाशचंद मेहता प्रशा. अधिकारी, मुकेश लखन, भारत धोल, रजनीश शर्मा आदि मौजूद थे।

धरना 19 मई को

अजमेर, (कासं)। देश के संविधान की मजबूती बनी रहे, जिसके लिए कांग्रेस पार्टी संकल्पित है, देशभर में जिला स्तर पर कांग्रेस पार्टी द्वारा संविधान बचाओ रैली निकाली जा रही है। शहर कांग्रेस प्रवक्ता अंकुर त्यागी ने बताया अखिल भारतीय कांग्रेस के आ ान पर और राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में 'संविधान बचाओ रैली' अभियान के तहत 19 मई सोमवार को प्रातः 10:30 बजे गांधी भवन पर विशाल धरना दिया जाएगा, जिसमें अजमेर जिला कांग्रेस प्रभारी चेतन डूडी सहित पीसीसी द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक मौजूद रहेंगे। इस रैली का उद्देश्य संविधान की रक्षा और संवैधानिक मूल्यों को बनाए रखने के लिए जागरूकता फैलाना है। क्योंकि देशभर में संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग किया जा रहा है तथा संघीय सिद्धान्तों का बार-बार अतिक्रमण कर बढ़ती मंहगाई, बेरोजगारी तथा बढ़ती आर्थिक असमानता पर सरकार की चुप्पी का विरोध किया जाना आवश्यक है।

मानसून से पहले हरकत में आया प्रशासन

अजमेर, (कासं)। मानसून के आगमन से पूर्व नगर निगम व सार्वजनिक निर्माण विभाग हरकत में आ गए हैं। शहर में हादसों की संभावनाओं को कम करने और सड़क चौड़ीकरण योजनाओं के तहत प्रशासन ने शुक्रवार को दो अलग-अलग कार्रवाइयों में जर्जर भवनों और अतिक्रमण पर कार्रवाई की।

- जर्जर मकानों को किया ध्वस्त
- मार्ग में बाधा बन रही अवैध दुकानों पर चला बुलडोजर

नगर निगम के कनिष्ठ अभियंता दायमा ने बताया कि नगर निगम की ओर से वार्ड नंबर 19 स्थित मालूसर बावड़ी क्षेत्र में एक जर्जर भवन को ढहाया गया। यह जर्जर मकान के स्वामित्व का पता नहीं चला है। यह मकान लंबे समय से बंद पड़ा था। निगम अधिकारियों के अनुसार भवन मालिक की अनुपस्थिति में उसे कई बार मकान पर नोटिस चस्पा किए गए, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। स्थानीय निवासियों की लगातार शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए निगम की टीम ने मकान को ढहाने की कार्रवाई की। अधिकारियों ने बताया कि मानसून के दौरान इस भवन के गिरने की आशंका थी, जिससे आसपास के घरों और राहगीरों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती थी।

कनिष्ठ अभियंता दायमा ने बताया का कि जी प्लस वन के तहत बिल्डिंग निर्माण किया था। मकान बरसों से जर्जर था, इसमें कोई निवास नहीं कर रहा था, फिलहाल इसके स्वामित्व की जानकारी जुटाई जा रही है, निगम में अपने स्तर पर जी प्लस वन जर्जर भवन को गिराया है। इसके साथ ही शहर में अन्य जगहों पर भी जर्जर भवन है। उनकी भी पत्रावलियां तैयार की जा रही है। जल्द सभी पर कार्रवाई की जाएगी।

मानसून से पहले निगम प्रशासन अलर्ट : मानसून को देखते हुए अजमेर नगर निगम प्रशासन अलर्ट मोड पर है। शहर के सभी जर्जर भवन को चिन्हित कर कार्रवाई करने की कवायद की जा रही है। निगम प्रशासन चिन्हित कर पहले नोटिस देकर सूचना दे रहा है। जवाब नहीं मिलने पर निगम की ओर से कार्रवाई की जा रही है। जिससे कि मानसून के वक्त किसी तरह का हादसा ना हो।

अवैध दुकानों से निर्माण को हटाया : इसी तरह रामगंज चुंगी चौकी के पास सड़क चौड़ीकरण कार्य के तहत सार्वजनिक निर्माण विभाग ने अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। विभाग द्वारा 13 मई को आधा दर्जन अवैध दुकानों को नोटिस दिए गए थे। नोटिस मिलने के बाद अधिकतर दुकानदारों ने स्वेच्छा से अपनी दुकानें खाली कर दीं। शुक्रवार को पीडब्ल्यूडी की टीम ने सड़क किनारे बनी दुकानों को हटाकर अतिक्रमण मुक्त किया, जिससे क्षेत्र में चल रहे सड़क चौड़ीकरण कार्य को गति मिल सके।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई 4 अगस्त को

अजमेर, (कासं)। अजमेर की ऐतिहासिक आनासागर झील के भराव क्षेत्र में स्मार्ट सिटी योजना में बने सेवन वंडर सहित वेटलैंड और ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में हुए निर्माण कार्यों को सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने जिला प्रशासन द्वारा पेश किए गए 8 पेज के शपथ पत्र को स्वीकार किया और अगली सुनवाई 4 अगस्त तय की है। जिला प्रशासन ने कोर्ट में पेश किए शपथ पत्र में बताया कि झील किनारे बने सेवन वंडर्स पार्क को 17 सितम्बर तक हटाने या शिफ्ट करने की कार्रवाई कर ली जाएगी।

अन्य अवैध निर्माणों पर कोई निर्णय नहीं : सुप्रीम कोर्ट में याचिकाकर्ता अशोक मलिक ने बताया कि कोर्ट ने पाथवे हटाने और 39 सीज किए गए अवैध निर्माणों पर फिलहाल कोई निर्णय नहीं दिया है, लेकिन अगली सुनवाई में इन बिंदुओं पर फैसला आ सकता है। साथ ही कोर्ट को यह भी बताया गया कि हाथीखेड़ा और तबीजी क्षेत्रों में वैकल्पिक रूप से वेटलैंड विकसित किए जाएंगे।

गलत बयान से सेना का टूटता है मनोबल : शर्मा

मेड़ता सिटी। मेड़ता शहर में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी, नगर कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में मध्य प्रदेश सरकार में बीजेपी के मंत्री विजय शाह के द्वारा सेना और ऑपरेशन सिंदूर को लीड करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ दिए गए अनर्गल बयान को लेकर भाजपा मंत्री विजय शाह का पुतला फूंका गया उसके पश्चात उप जिला कलेक्टर पूनम चोयल को ज्ञापन सौपा गया, ज्ञापन में बताया गया कि मंत्री को तुरंत प्रभाव से हाई कोर्ट के निर्देशानुसार मामला दर्ज हो चुका है इसके पश्चात उन्हें तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए तथा मंत्री पद से उनको तुरंत बर्खास्त किया जाना चाहिए। पूर्व विधायक रामचंद्र जारोड़ा,पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश नारायण शर्मा एवं विधानसभा प्रत्याशी शिवरतन वाल्मीकि ने कहा कि यह बहुत ही गलत बयान दिया गया है इससे सेना का और जवानों का मनोबल कम होता है ऐसे मंत्री को तुरंत प्रभाव से हटा दिया जाना चाहिए और उन्हें जेल में डाला जाना चाहिए।

कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ दिए गए अनर्गल बयान को लेकर भाजपा मंत्री विजय शाह का पुतला फूंका ।

- विजय शाह के खिलाफ खोला कांग्रेस ने मोर्चा

वही ब्लॉक अध्यक्ष नेमाराम बेड़ा और की जाकिर खान सांखला ने कहा कि जो सैनिक देश की सेवा में अपनी जान जोखिम में डालकर सेवा करने के लिए तैयार रहते है उनके बारे में इस तरह की बयानबाजी किसी भी हालत में बर्दाश्त नहीं की जा सकती । इस मौके पर पूर्व विधायक रामचंद्र जारोड़ा,पूर्व जिलाध्यक्ष जगदीश नारायण शर्मा, विधायक प्रत्याशी शिवरतन वाल्मीकि, ब्लॉक अध्यक्ष नेमाराम बेड़ा , कांग्रेस नगर जाकिर खान सांखला, युवा कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र बापेडिया, सेवादल जिलाध्यक्ष खुमाराम जाजड़ा , पीसीसी सदस्य नंदाराम मेहरिया, दीनाराम कमेडिया,पार्षद प्रतिनिधि शेर खान देशवाली, जीशान कुरैशी, मोहम्मद अली गौरी, अमजद छेके, उदयराज, राजेंद्र राव,पंचायत समिति सदस्य बाबू मेहरा, सोनू शाकिर, सत्यनारायण सबलानिया, जवरी लाल दाधीच,रामकरण लाम्बा, पुनाराम, ओम राम जरोदिया, हुसैन शेरानी, अनिल सारस्वत, मुकुल पवार, अयूब खान पूर्व सरपंच, दौलतराम गोदारा, लुमनाथ, रामनिवास लटियाल, कुलदीप राजपुरोहित इत्यादि मौजूद थे।

Government of India/भारत सरकार
Ministry of Communications/संचार मंत्रालय
Department of Telecommunications/दूरसंचार विभाग
Office of Controller of Communication Accounts/
कार्यालय नियंत्रक संचार लेखा
Sanchar Lekha Bhawan, Jhalana Doongri Institutional Area,
Jaipur-302 004

Ph. No. 0141-2700608 — Email: cca.pension-rj@gov.in

पत्र क्रमांकः आरडॉट/8-2/ पेंशन अदालत/2025-26

पेंशन अदालत

कार्यालय नियंत्रक संचार लेखा राजस्थान, जयपुर द्वारा दिनांक 23.05.2025 को प्रातः 11:00 बजे, कार्यालय नियंत्रक संचार लेखा, जयपुर में पेंशन अदालत का आयोजन प्रस्तावित है। जिसमें आप अपनी पेंशन सम्बन्धी अनिर्णित शिकायत, यदि तीन माह से अधिक पुरानी हो तथा पिछ्ली पेंशन अदालत में शामिल नहीं की गयी हो, तो दिनांक 19.05.2025, 03:00 बजे अपराह्न तक इस कार्यालय को डाक द्वारा या ई-मेल-cca.pension-rj@gov.in पर भेज सकते है, ताकि उनके निवारण हेतु विचार किया जा सकें। इस पेंशन अदालत में आप स्वमं के खर्चे पर भाग ले सकते है।

वरि. लखिधिकारी (पेंशन)
नियंत्रक संचार लेखा राजस्थान

CBC 06219/12/0001/2526

उदयपुर में सब्जी विक्रेता पर तलवार से हमला, व्यापारियों ने बाजार बंद रखे

हमलावर आठ आरोपी गिरफ्तार व विधी से संघर्षरत दो अपचारी डिटेन

उदयपुर, (कासं)। शहर के धानमण्डी थाना क्षेत्र तीज का चौक में नींबू खरीदने की बात को लेकर हुए विवाद के बाद गुरूवार रात एकत्रित होकर आए बदमाशों ने सब्जी विक्रेता पर तलवार से हमला कर दिया। मामले में क्षेत्र में तनाव हो गया और रातभर क्षेत्र में भारी पुलिस बल तैनात रहा। इधर, घटना के बाद शुक्रवार को व्यापारियों ने बाजार बंद रखे। पुलिस व प्रशासन की समझाइश के बाद व्यापारियों ने दुकानें खोली। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जिसमें शामिल दो बाल अपचारी को डिटेन किया गया है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शहर के धानमण्डी थाना क्षेत्र में तीज का चौक में गुरूवार रात को नींबू खरीदने की बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। यह बात गुरूवार शाम की बताई जा रही है लेकिन पास ही रहने वाले ये युवक रात को एकत्रित होकर आए और सब्जी विक्रेता सत्यवीर सिंह पर तलवार से हमला कर दिया उसे गंभीर घायल कर दिया। इसके बाद उपजे तनाव व एकत्रित हुई भीड़ ने क्षेत्र में पड़े सब्जी के थैलों आदि में आग लगा दी। सूचना मिलने पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा मय जाप्ता ने मौके पर पहुंच कर दमकल की गाड़ी मंगवा कर आग पर

- **उदयपुर के धानमंडी क्षेत्र के तीज का चौक में बीती रात की घटना**
- **प्रशासन व पुलिस ने समझाइश कर बाजार खुलवाए**

काबू हालात शांत किए। इसके बाद व्यापारी के पुत्र राहुल ने पुलिस को घटना की जानकारी देकर मामला दर्ज करवाया है। इस मामले में अनुसंधान शुरू किया। हमलावरों की कहासुनी राहुल से हुई थी लेकिन वह मौके पर नहीं होने से बदमाश उसके पिता सत्यवीर सिंह पर हमला कर फरार हो गए। घटना के बाद जिससे क्षेत्र में हालात तनावपूर्ण हो गए। घायल सत्यवीर को उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया।

घटना के दूसरे दिन शुक्रवार सवेरे तीज का चोक क्षैत्र के सभी व्यापारियों ने हमलावरों को गिरफ्तार कर सख्त कार्यवाही करने तथा सुरक्षा की मांग करते हुए दुकानें बंद रखी। इस पर पुलिस एवं प्रशासन ने समझाइश कर बाजार खुलवाए।

इस मामले में पुलिस ने सब्जी विक्रेता सत्यवीरसिंह पर प्राणघातक हमला करने के मामले में धोलीबावड़ी निवासी तोफिक पुत्र अहसान, गणेश नगर पायड़ा निवासी अनस हुसैन पुत्र मुनव्वर, 80 फीट रोड़ निवासी तस्कीन खान पुत्र मो. शाहिद खान, मुर्शीद नगर सविना निवासी अरबाज हुसैन पुत्र इशाक, इलेय पुत्र मुर्तजा निवासी धानमंडी, गुल्लू पुत्र सरजील निवासी मल्लातलाई अंबामाता, हामिर हमजा पुत्रअल्ताफ हुसैन निवासी धोलीबावड़ी को गिरफ्तार किया है तथा विधी से संघर्षरत दो बाल अपचारियों को डिटेन किया है। घटना के बाद से क्षेत्र में माहौल शांतिपूर्ण है तथा मौके पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात है।

ग्रामीणों ने बॉर्डर क्षेत्र के गांव में दो संदिग्धों को घूमते हुए पकड़ा

अनाथालय के नाम पर चंदा व अनाज इकट्ठा कर रहे थे दोनों संदिग्ध युवक

राववाला, (निसं)। अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्र के गांव राववाला में ग्रामीणों ने अनाथालय के नाम पर चंदा इकट्ठा करते दो संदिग्ध युवक पकड़कर पुलिस को सौंपा है।

ग्रामीणों ने बताया कि एक बोलेरो गाड़ी में दो संदिग्ध युवक जो गलियों में घूमकर चंदा व अनाज इकट्ठा करते हुए पकड़ा है। गाड़ी में चार-पांच अनाज से भरे कट्टे थे। सीमाजन कल्याण समिति के कार्यकर्ताओं को इसकी जानकारी मिली कि राववाला गांव की गलियों में दो संदिग्ध युवक घर-घर घूमकर चंदा व अनाज इकट्ठा कर रहे हैं। राजू शर्मा ने बताया कि उनके कार्यकर्ताओं ने उन पर लगातार नजर रखी। जब उनकी हरकतें संदिग्ध लगने लगी तो दोनों को पकड़कर पूछताछ की। उनके हाथ पर बहुत ज्यादा रक्षा सूत्र

- **गाड़ी के अंदर लक्ष्मी अनाथालय हनुमानगढ़ टाउन की एक बिल बुक और श्री कबीर साहेब फिजियोथेरेपी सेंटर के पर्चे मिले**

बांधे हुए थे। दोनों के कानों में चांदी के कुंडल डाले हुए थे। उनसे उनका नाम पूछा गया तो एक व्यक्ति ने अपना नाम अमित और धर्म हिंदू बताया। ग्रामीणों ने दोनों को बैठाकर आईडी की जांच की गई जिसमें एक व्यक्ति के आधार कार्ड में उसका नाम अमीर खान पुत्र बीरबल खान गांव भोमपुरा जिला गंगानगर और दूसरे व्यक्ति का नाम महबूब खान निवासी केलनियासर जिला हनुमानगढ़ निकला। दोनों ने ग्रामीणों को गुमराह करते हुए बताया कि हमने हिन्दू धर्म अपना लिया है। ये आधार कार्ड पहले का है। गाड़ी के अंदर लक्ष्मी अनाथालय हनुमानगढ़ टाउन की एक बिल बुक और श्री कबीर साहेब फिजियोथेरेपी सेंटर के पर्चे मिले। इन पर गठिया आदि के इलाज की जानकारी लिखी थी। उनके पहनने के कपड़े और सोने के बिस्तर थे। ग्रामीणों ने भोमपुरा सरपंच गंगा सिंह से इनके नाम व धर्म के बारे में पूछा गया तो बताया कि ये मुसलमान है और हमारे गांव के अंदर एक घर है। ये वहा क्यो गए हमें पता नहीं है। ग्रामीणों ने रणजीतपुरा पुलिस थाना अधिकारी राकेश स्वामी को सूचना दी। उन्होंने हेड कांस्टेबल भूपेन्द्र शर्मा जाप्ता के साथ राववाला भेज तो ग्रामीणों ने दोनों को पुलिस के सुपुर्द कर दिया।

परीक्षा केंद्र में संशोधन किया

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा जनसंपर्क अधिकारी (सूचना एवं जनसंपर्क विभाग) परीक्षा-2024 के जयपुर जिला मुख्यालय स्थित एक परीक्षा केंद्र में संशोधन किया गया है। आयोग

- **जनसंपर्क अधिकारी (सूचना एवं जनसंपर्क विभाग) परीक्षा-2024**

सचिव ने बताया कि रोल नंबर सीरीज 5575217 से 5575600 तक के अभ्यर्थियों का परीक्षा केंद्र परिवर्तित करते हुए (16-0072), टैगोर विद्या भवन सीनियर सेकंडरी स्कूल, मेजर शैतान सिंह कॉलोनी, शास्त्री नगर, जयपुर पिन कोड-302016 किया गया है। पूर्व में इन अभ्यर्थियों को (16-0022) महात्मा गांधी गवर्नमेंट स्कूल, मालवीय नगर, जयपुर, पिन कोड-302017 परीक्षा केंद्र आवंटित किया गया था। अतः संबंधित परीक्षार्थी नवीन प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर परीक्षा 17 मई को निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र पर उपस्थित होवें।

सैफ अली खान, तब्बू, नीलम और सोनाली बेंद्रे को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती

राजस्थान सरकार ने हाईकोर्ट में बहुचर्चित काला हिरण शिकार मामले में लीव-टू-अपील दाखिल की

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान सरकार ने शुक्रवार को हाईकोर्ट में बहुचर्चित काला हिरण शिकार मामले में लीव-टू-अपील दाखिल की। इसमें फिल्मी कलाकार सैफ अली खान, तब्बू, नीलम और सोनाली बेंद्रे को बरी किए जाने के फैसले को चुनौती दी है। जस्टिस मनोज कुमार गर्ग की अदालत ने मामले को अन्य संबंधित केसों के साथ सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है। मामले की सुनवाई 28 जुलाई को होगी, जिसमें सभी संबंधित केसों पर एक साथ सुनवाई होगी।

गौरतलब है कि एक अक्टूबर 1998 को जोधपुर के कांकाणी गांव में फिल्म हम साथ-साथ है शूटिंग के दौरान काले हिरण का शिकार किया गया था। प्रकरण में ट्रायल कोर्ट ने पांच

- **जस्टिस मनोज कुमार गर्ग की अदालत ने मामले को अन्य संबंधित केसों के साथ सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है, मामले की सुनवाई 28 जुलाई को होगी**
- **सन् 1998 में जोधपुर के कांकाणी गांव में काले हिरण के शिकार का मामला सामने आया था**

अप्रैल 2018 को अभिनेता सलमान खान को दोषी करार देते हुए पांच साल की सजा सुनाई थी। इस मामले में सह आरोपी फिल्म अभिनेता सैफ अली खान, अभिनेत्री नीलम, तब्बू, सोनाली बेंद्रे और दुष्यंत सिंह को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया था। अब सरकार की लीव-टू-अपील स्वीकार होने पर इन सभी के खिलाफ मामले में फिर से सुनवाई होगी। राज्य सरकार की अपील में ट्रांसफर पिटीशन की अनुमति और एक्टर सलमान खान की सजा से जुड़े मामले को भी शामिल किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार फिल्म हम साथ-साथ हैं की शूटिंग के दौरान एक अक्टूबर 1998 को जोधपुर के कांकाणी गांव में काले हिरण शिकार मामला सामने आया था। करीब दो दशक तक चली कानूनी लड़ाई के बाद अदालत ने अभिनेता सलमान खान को दोषी करार देते हुए पांच साल की सजा सुनाई थी। हालांकि मामले में शामिल अन्य फिल्मी कलाकार सैफ अली खान, नीलम, तब्बू और सोनाली बेंद्रे को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया गया था। सजा सुनाए जाने के बाद सलमान को जेल भेजा गया था, लेकिन फिलहाल वे जमानत पर हैं। उन्होंने ट्रायल कोर्ट के फैसले को चुनौती दी है। इसी वर्ष 1998 में सलमान पर एक अन्य मामला भी दर्ज हुआ था, जिसमें उन पर लाइसेंस की अवधि समाप्त होने के बाद भी हथियार रखने का आरोप था। हालांकि इस मामले में उन्हें बरी कर दिया गया, लेकिन राज्य सरकार ने इस फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी है।

सायबर ठग को गिरफ्तार किया

तिजारा, (निसं)। जरौली पुलिस ने टटलूबाज सायबर फ्रॉड करने वाले अपराधियों की धरपकड़ अभियान के तहत त्वरित कार्रवाई कर सायबर ठगी व टटलूबाजी करने वाले शातिर सायबर ठग को गिरफ्तार किया है। आरोपी मुबारिक खान भोले-भाले लोगों को पुराने सिक्के व नोट खरीदने व बेचने आदि के नाम पर एडवांस पैसे लेकर उनसे ठगी करता था।

थानाधिकारी विक्रम सिंह ने बताया

जरौली पुलिस ने सायबर ठग को गिरफ्तार किया।

- **पुलिस अधिकारी की डीपी पर फोटो लगाकर करता था ठगी**
- **अकाउंट चेक करने पर फ्रॉड करने के मामले सामने आए**

कि क्षेत्र में साइबर ठगी की सूचना मिल रही थी। डीएसपी शिवराज की निर्देशन में टीम गठित की गई। पुलिस को अलापुर मोड पर भेजा गया, जहां पर एक युवक बैठा हुआ था। नाम पता पूछा तो उसने अपना नाम मुबारिक पुत्र हकमुदीन मेव उम्र 26 साल निवासी बेरला जिला खैरथल तिजारा का बताया, जिसकी तलाशी लेकर मोबाइल चैक किये गये तो उसकी जेब में दो मोबाइल फोन मिले। एक फोन में लगी हुयी सिम के वाट्सएप अकाऊंट-2 बना हुआ हैं।

दूसरे में व्हाटसप अकाउंट-2 का युजर नाम ऑल इंडिया हेल्प में, के नाम से बना हुआ है, जिसकी डीपी पर कोकोनेट टाफी के एड की फोटो लगायी हुयी है, जिसकी डीपी पर थ्री स्टार पुलिस अधिकारी की वर्दी में एक फोटो लगी हुयी है तथा अकाउंट का नाम के नाम से बना हुआ है। इस नम्बर के वाट्सएप को चैक किया गया तो विभिन्न लोगों के मोबाइल नम्बरों पर पुलिस की मारपीट की वीडियो, विभिन्न स्कैनर, विभिन्न प्रकार से आईडी कार्ड, ट्रांजेक्शन किये हुये विभिन्न प्लेटफार्म के स्क्रीन शॉट, विभिन्न मोबाइल नम्बरों पर पैसे डालने के मैसेज किये हुये हैं, जिस पर विभिन्न प्रकार के मोबाइलों के एड दिये जाकर उक्त ग्रुप के जरिये विभिन्न मोबाइल नम्बर पर भेजे हुये हैं।

मोबाइल फोन की गैलरी को चैक किया गया तो गैलरी में विभन्न प्रकार की टॉफी पैकिंग करने का ऐड दिया हुआ है तथा अनेक व्यक्तियों के आईडी कार्ड, सेल्फी फोटो तथा कम्पनी के नाम से विभिन्न व्यक्तियों के फर्जी आईडी कार्ड बना रखे हैं तथा लोकेशन भेजी हुयी स्क्रीन शॉट लिये हुये हैं तथा अनकों व्यक्तियों के पहचान दस्तावेज को फोन गैलरी में स्टोर किया हुआ है। विभिन्न बैंकों के पासबुक की फोटो व पुलिस व आर्मी के अधिकारियों के फर्जी फोटो व पहचान पत्र तथा आधार कार्ड, पैन कार्ड, आई कार्ड तथा भारतीय रिजर्व बैंक के लोगो का स्क्रीन शॉट लिया हुआ है तथा विभिन्न कम्पनियों के स्कैनर के स्क्रीन शॉट ले रखे है।

थानाधिकारी विक्रम सिंह ने बताया कि मोबाइल फोन में बने इन्स्टाग्राम अकाउट को चैक किया तो के नाम से युजर नेम बना रखा तथा इन्स्टाग्राम पर टाफी पैक करने के एड दे रखे हैं। पुछताछ करने पर उसने बताया कि मैं जरिये इंस्टाग्राम पेज पर टाफी पैक करने के एड देकर लोगों को चोकलेट पैकिंग का जॉब देने का फर्जी वीडियो डालते हैं। तब हमारे पास काल आते हैं, तो हम लोगों से जोईनिंग फीस के 450 रुपये की कहकर लोगों से पैसे डलवा लेते हैं। इस प्रकार उक्त युवक मुबारिक द्वारा लोगों को मोबाइल फोन पर फेसबुक पेज अकाउंट बनाकर धोखाधड़ी कर आनलाइन फ्रॉड किया जा रहा है, जो लोगों को जॉंब दिलाने का झांसा देकर लोगों से पैसे ठगी करता है। पुलिस ने मुलजिम मुबारिक खान को गिरफ्तार किया।

राजसमंद में मूसलाधार बारिश हुई

राजसमंद में शहर में हुई बारिश के बाद सड़क पर पानी भर गया।

राजसमंद, (निसं)। जिला मुख्यालय और इसके आसपास के इलाकों में शुक्रवार को दिनभर उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया, लेकिन शाम होते ही मौसम ने करवट ली और बूंदाबांदी के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई, जिससे वातावरण में थोड़ी ठंडक आई।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह से ही तेज धूप खिली रही और हवा में नमी की अधिकता के कारण लोगों को चिपचिपाती गर्मी का सामना करना पड़ा। उमस के कारण लोग घरों और कार्यालयों में भी बेचैन नजर आए। दोपहर तक स्थिति और भी खराब हो गई, जिससे दैनिक कार्यों पर भी असर पड़ा। हालांकि, शाम करीब पांच बजे आसमान में अचानक काले बादल घिर आए, जिससे मौसम में बदलाव के संकेत मिले। कुछ ही देर में बूंदाबांदी के साथ मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। दिनभर की उमस और गर्मी से परेशान लोगों ने शाम की इस बारिश का स्वागत किया और राहत की सांस ली। इस बारिश से किसानों को भी थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक मौसम में इसी तरह के बदलाव देखने को मिल सकते हैं। दिन में गर्मी और उमस बनी रहेगी, लेकिन शाम के समय हल्की बारिश की संभावना जताई गई है। दिन का तापमान पिछले तीन दिनों से 38 डिग्री पर स्थिर है तो रात के तापमान में महज एक डिग्री की कमी के बाद न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सैल्सियस दर्ज किया गया।

जेईई-एडवांस्ड परीक्षा कल

कोटा, (निसं)। आईआईटी कानपुर की ओर से आयोजित की जा रही देश की सबसे कठिनतम और प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-एडवांस्ड 18 मई को देश के 222 परीक्षा शहरों में प्रातः 9 से 12 और दोपहर 2:30 से 5:30 बजे तक होगी। परीक्षा कोटा में कई परीक्षा केन्द्रों पर होगी, जिसमें हजारों स्टूडेंट्स शामिल होंगे। प्रवेश पत्रों के आधार पर कोटा में रानपुर स्थित शिवज्योति इंटरनेशनल स्कूल, वाइबल सोल्युशंस और परिकल्क टेस्ट सेंटर कॉमर्स कॉलेज रोड तलवंडी हैं। इस वर्ष 1.90 लाख से अधिक स्टूडेंट्स ने आवेदन किया है। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के कॅरियर काउंसलिंग एक्सपर्ट अमित आहूजा ने बताया कि दोनों परीक्षाओं के मध्य जो समय है। इसमें स्टूडेंट्स को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए परीक्षा देनी है।

मां और दो मासूम बच्चों की डिग्गी में डूबने से दर्दनाक मौत

बीकानेर, (निसं)। लूणकरणसर में सुबह मां सहित दो बच्चों के शव डिग्गी में मिले। तीनों की डिग्गी में डूबने से मौत हो गई। तीनों के शवों को कब्जे में लेकर हॉस्पिटल भेजा। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिवार को सौंपे जाएंगे। हादसा धीरेरां गांव की रोही में एक खेत में बनी डिग्गी का है।

पुलिस ने बताया कि डिग्गी में शव तैरने की सूचना मिली थी। इस पर मौके पर पहुंचे और शवों को बाहर निकाला गया। मृतकों में राधा देवी (32), उसका पांच साल का बेटा लोकेश और दो साल की बेटी आरजू हैं। डिग्गी 15-20 फीट गहरी है। मरने वालों का घर डिग्गी के पास ही है। मामले में मृतका के भाई ने पुलिस में शिकायत दी है। मामले में मृतका के भाई नत्थुराम जाट ने पुलिस में दी शिकायत में बताया कि उनकी बहन की शादी 12 साल पहले बजरंगलाल जाट के साथ हुई थी। उसके तीन बच्चे थे, जिनमें से दो की मौत हो गई। 15 मई की दोपहर के बाद बहन और दो बच्चे घर पर नहीं मिले। सूचना पर मैं ढाणी पहुंचा और मेरे बहनोई व अन्य रिश्तेदारी के साथ उनकी तलाश की। आज तड़के तीन बजे बहन के ससुराल के पास ही खेत में बनी डिग्गी में तीनों के शव मिले। इसकी पुलिस को सूचना दी। मृतका के भाई ने शिकायत में शक जताया कि कि भांजा-भांजी खेलते हुए पानी की डिग्गी में गिर गए होंगे। उन्हें बचाने के लिए बहन पानी में उतरी और तीनों डूब गए।

असामाजिक तत्वों ने अंबेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त किया, लोगों में आक्रोश

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। रुदावल थाना क्षेत्र के गांव निभेरा में दो समाज के युवकों के बीच कहासुनी हो गई, जिसके बाद एक समाज के युवक एकत्रित होकर दूसरे समाज की बस्ती में पहुंच गए, जहां उन्होंने जमकर हंगामा किया। रात्रि को कुछ असामाजिक तत्वों ने संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को पत्थर मारकर क्षतिग्रस्त कर दिया।

शुक्रवार सुबह जब लोगों ने प्रतिमा को क्षतिग्रस्त देखा तो मौके पर समाज के लोग एकत्रित हो गए और घटना को लेकर विरोध जताया। सूचना पर एडीशनल एसपी हरिराम कुमावत, सीओ नीरज भारद्वाज, तहसीलदार जयप्रकाश शर्मा मय जाब्ता के मौके पर पहुंच गए, जिन्होंने समाज के लोगों को समझाकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। घटना को लेकर एक जने ने नामजदों के खिलाफ पत्थर मारकर बाबा साहेब की प्रतिमा खंडित करने का मामला दर्ज कराया है।

रुदावल थाना पुलिस ने बताया कि गांव निभेरा निवासी रामसिंह पुत्र जोरावर सिंह ने मामला दर्ज कराया है कि गांव

रुदावल थाना क्षेत्र के गांव निभेरा में अंबेडकर प्रतिमा को खंडित करने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

निभेरा में बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा लगी हुई है। गुरूवार शाम करीब 8:30 बजे करीब 15-20 लोग हमारे बस्ती में आए। सभी लोगों के हाथों में लाठी डंडे थे। उन्होंने सभी बस्ती वालों को धमकाते हुए जातिसूचक गालियां दी। उन्होंने पथराव करते हुए बस्ती में लगी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को खंडित कर दिया। उन लोगों में गांव के अरुण, काना, सोनू, भानु, सेठी, दीपू, सचिन सहित करीब 10-12 लोग थे। रिपोर्ट में आरोप लगाया है कि उन सभी लोगों ने बस्ती की महिलाओं को भी गालियां दी। सभी बस्ती वाले घबरा गए और अपने-अपने मकानों के गेट बंद कर लिए, उन सभी लोगों ने लाठी-डंडों से बस्ती के लोगों के गेट खटखटाये, लेकिन कोई बस्ती वाला डर की वजह से घर से

- **लोगों ने प्रतिमा को क्षतिग्रस्त देखा तो लोग एकत्रित हो गए और विरोध जताया**
- **सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया**

बाहर नहीं निकला। ये लोग लगातार सभी लोगों को घरों से बाहर निकलने की धमकियां देते रहे।

एएसपी हरिराम कुमावत ने बताया कि गुरुवार शाम को गांव निभेरा में दो पक्षों के युवकों के विवाद हो गया था। शुक्रवार सुबह सूचना मिली कि बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया है। सूचना पर मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी ली। घटना को लेकर एक व्यक्ति की ओर से लिखित तहरीर दी गई है। मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

छात्रा ने आत्महत्या का प्रयास किया

अजमेर, (कासं)। नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र में दो युवकों द्वारा सोशल मीडिया पर फर्जी आईडी बनाकर एक नाबालिग छात्रा को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। पीड़िता के पिता ने सदर थाने में शिकायत दी है कि उनकी बेटी को इंस्टाग्राम पर अश्लील मैसेज भेजे गए और जबरन दोस्ती का दबाव बनाया गया। आरोपियों की हरकतों से परेशान होकर छात्रा ने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर आत्महत्या का प्रयास किया। पीड़िता को अस्पताल में भर्ती करवाया गया है, जहां उसका उपचार जारी है।

पिता का आरोप है कि पहले भी उन्होंने 4 अप्रैल को इस मामले की शिकायत थाने में दर्ज करवाई थी। इसके बाद एक आरोपी के पिता ने 100 रूपए के स्टांप पर राजीनामा करवा लिया, लेकिन आरोपियों की हरकतें नहीं रुकी। पांच अप्रैल को फिर से उनकी बेटी को उसकी मां के नाम से बनाई गई फर्जी इंस्टाग्राम आईडी से दोस्ती करने के मैसेज भेजे गए। साथ ही बदनाम करने की धमकी दी गई। पीड़िता मानसिक दबाव में आ गई और उसने विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। फिलहाल पीड़िता अस्पताल में उपचाराधीन है। सदर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजस्थान स्टेट सीड्स कार्पोरेशन लिमिटेड
पंत कृषि भवन, जनपथ, जयपुर-302005
CIN-U75132RJ1978SGC001781, www.rajseeds.org
Phone no. 0141 2227514 E-mail:- rajseedsprod@gmail.com
F2(Gr-1)RSSC/Dhaincha Prod Tender/2025-26/ 3764 Date: 16.05.2025
NIB /2025-26/Prod.-01
Rajasthan State Seeds Corporation Limited, Jaipur invites E-Procurement NIB from interested Seed Production Companies/ Organizers to produce certified/truthfully labeled seed of Dhaincha DH-1 in Rajasthan state/out of state during kharif-2025.
Tender documents are available on website https://eproc.rajasthan.gov.in/ www.sppp.rajasthan.gov.in/ www.rajseeds.org/ agriculture.rajasthan.gov.in
Last date and time of online submission of tender is 1.00 PM on 09.06.2025.
UBN-SDS 2526 GLOB 00011
Managing Director
DIN -10565348
Raj.Samwad/C/25/2505

कार्यालय नगरपरिषद् हनुमानगढ़ - राजस्थान
क्रमांक :- एफ.07(भण्डार)(गैराज)2025/1593 दिनांक :- 15/05/2025
ई-निविदा सूचना संख्या 03/2025-26
नगरपरिषद हनुमानगढ़ द्वारा ई-निविदा सूचना क्रमांक 1455-1463 दिनांक 12.05.2025 द्वारा राशि 11.94 लाख रुपये का 01 कार्य करवाये जाने हेतु योग्य संवेदक / फर्म से ऑनलाईन प्रक्रिया के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में दिनांक 28.05.2025 को सायं 3:00 बजे तक आमंत्रित की जाकर दिनांक 30.05.2025 को 3:00 बजे खोली जावेगी। निविदा की विस्तृत जानकारी वेबसाईट http://sppp.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा निविदा के प्रपत्रों को भी डाउनलोड किया जा सकता है।
UBN No. : DLB2526WSOB04677, NIB Code : DLB2526A1283
राज.संवाद/सी/25/2414 आयुक्त

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि नगर खण्ड बीकानेर
क्रमांक-293 दिनांक-07.05.2025
Notice Inviting Bid : 02 / 2025-26
Bid for the" Construction of various missing link roads, RUB, MPLAD Works and Medical Works " are invited from interested bidders from 08.05.2025 [09:30 AM] to 19.05.2025 [06:00 PM] & Open date 20.05.2025 [11:00 AM], other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://www.pwd.rajasthan.gov.in & eproc.rajasthan.gov.in & http://sppp.rajasthan.gov.in of the state and departmental website. The approximate value of the procurement is Rs. 384.00 Lakh.
UBN No.- PWD2526WSOB01353, PWD2526WSOB01354, PWD2526WSOB01355, PWD2526WSOB01356, PWD2526WSOB01357, PWD2526WSOB01358, PWD2526WSOB01359, PWD2526WSOB01360
(Ramakant Trivedi)
Executive Engineer PWD
City Division, Bikaner
DIPR/C/6201/2025

राजस्थान सरकार
कार्यालय अधिशाषी अभियंता चिकित्सा एवं स्वास्थ्य
राजकीय जनाना चिकित्सालय परिसर, मोरी चार बाग भरतपुर 321 001 (राज.)
eemhbharatpur@gmail.com, ee-mh-bharatpur@gov.in, Mob. 9602097030
क्रमांक-M&H/2025-26/495 **निविदा सूचना संख्याः 08/2025-26** दिनांक-05.05.2025
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत विभिन्न कार्य जिला भरतपुर में रू. 260.41 लाख के निर्माण कार्य हेतु राजस्थान सरकार के समकक्ष उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में सिविल कार्यों हेतु पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेंट निविदायें आमंत्रित की जाती हैं। निविदा से सम्बन्धित विवरण DIPR की वेब साईट www.dipronline.org, http://eproc.rajasthan.gov.in व विभागीय वेब साईट http://rajswasthya.nic.in पर देखा जा सकता है।

S.No.	Name of work	Amount	UBIN No.
1	Internal Electrification work IPHL Karauli Distt. Karauli	35.00	MHS2526 WSOB00770
2	Internet-Electrification work IPHL Dholpur Distt. Dholpur	40.35	MHS2526 WSOB00771
3	SITC of access CCTV & UPS Work at BPHU Rarah Distt. Deeg	7.53	MHS2526 WSOB00772
4	SITC of access CCTV & UPS Work at BPHU Basai Nabab Distt. Dholpur	7.53	MHS2526 WSOB00773
5	Construction of PHC With MO Qtr at PHC Atari-Distt. Bharatpur	135.00	MHS2526 WSOB00774
6	Construction of SHC Building Kasba Nagar-Distt. Dholpur	35.00	MHS2526 WSOB00775

(एल. के. अग्रवाल)
अधिशाषी अभियंता
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, भरतपुर
DIPR/C/6210/2025

अंतरराष्ट्रीय गुजराती गैंग की चार महिलाएं गिरफ्तार

जयपुर। विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वाहनों में सवारियों के साथ समूह में बैठकर वारदात करने वालीअंतरराष्ट्रीय गुजराती गैंग की एक ही परिवार की चार महिलाओं को गिरफ्तार किया हैं। पुलिस की प्रारंभिक पूछताछ में सामना आया है कि रेल्वे स्टेशन एवं कच्ची बस्ती में रहते हैं। जो दिनभर शहर में घूम कर रैकी करके ऑटो रिक्शा में अकेली महिला के साथ बैठकर ज्वैलरी व नकदी की चोरी की वारदात को अंजाम देती हैं और फिर दिल्ली एवं अहमदाबाद में जाकर वारदात के माल को ठिकाने लगाते हैं। इस गैंग ने माणकचौक, दूदू पुलिस थानों एवं अन्य थाना ईलाकों में दर्जनों वारदातों को अंजाम दिया है। फिलहाल आरोपित महिलाओं से पूछताछ की जा रही है।

विधायकपुरी थाना पुलिस ने वाहनों में सवारियों के साथ समूह में बैठकर वारदात करने वाली चार महिलाओं को गिरफ्तार किया हैं।

- वाहनों में सवारियों के साथ समूह में बैठकर वारदात करती हैं महिलाएं
- बातों में लगाना, ठेग लगाना, धक्का मारकर नजर बचाकर पर्स एवं गहने चुराने की वारदातों को अंजाम देती हैं

पुलिस उपायुक्त दक्षिण दिगंत आनंद ने बताया कि विधायकपुरी थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वाहनों में सवारियों के साथ समूह में बैठकर बातों में लगाना, ठेग लगाना, धक्का मारकर नजर बचाकर पर्स एवं गहने चुराने वाली गुजराती गैंग की शातिर महिलाएं अंजनी उर्फ पंखुड़ी, सुशीला, पिंकी और वसन को गिरफ्तार किया है। चारों ही महिलाएं एक ही परिवार की है और गुजरात हाल खानाबदोश बेनाड रेलवे स्टेशन रहने वाली है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि बातों में लगाना, ठेग लगाना, धक्का मारकर नजर बचाकर पर्स एवं गहने चुराने की वारदात को देती हैं। अंजाम और फिर अपने पुरुष सहयोगियों के मार्फत दिल्ली, अहमदाबाद आदि स्थानों पर माल को बेच देती है। पुलिस पूछताछ में और भी कई वारदातें देखने की आशंका जताई जा रही है।

रीको प्रत्यक्ष आवंटन योजना के द्वितीय चरण में भूखंड आवंटन के लिये आवेदन मांगे

जयपुर। रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के द्वितीय चरण में भूखण्ड आवंटन के लिये 15 मई से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किये जा रहे हैं। "राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट-2024" के संदर्भ में राज्य सरकार के साथ 30 अप्रैल तक एमओयू निष्पादित करने वाले निवेशकों के लिए रीको द्वारा चिन्हित औद्योगिक क्षेत्रों में भूखण्ड आरक्षित मूल्य पर आवंटित किये जायेंगे। 98 विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में करीब 7100 भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध हैं। योजना में विभिन्न श्रेणियों/वर्गों के लिए भी भूखण्ड आरक्षित किये गये हैं जिनमें से अनूसूचित जाति/जनजाति के लिये 253, महिला वर्ग के लिये 224, भूतपूर्व सैनिक के लिये 118, बेंचमार्क दिव्यांगता के लिये 151 तथा सशस्त्र बलों/अर्ध सैनिक बलों के मृतक आश्रित के लिये 62 भूखण्ड हैं। करीब 6300 भूखण्ड अनारक्षित हैं।

योजना में ईएमडी जमा कराने की अंतिम तिथि 28 मई है तथा ई-लॉटरी 5 जून को प्रस्तावित है। माह मार्च-2025 में प्रारंभ हुए प्रत्यक्ष आवंटन योजना-2025 के प्रथम चरण में निवेशकों का अत्यधिक उत्साह देखा गया जिसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राइजिंग राजस्थान इंपेक्ट 1.0 के कार्यक्रम में इस योजना के समय विस्तार की घोषणा करते हुए कहा कि जो निवेशक 30 अप्रैल तक राज्य सरकार के साथ एमओयू निष्पादित करेंगे। वह भी इस योजना में भूखण्ड आवंटन हेतु पात्र होंगे।

- योजना में राइजिंग राजस्थान एमओयू होल्डर्स के लिये करीब 7100 भूखंड आवंटन के लिये उपलब्ध

मुख्यमंत्री की इस घोषणा से पूर्व लगभग चार माह में 2637 एमओयू निष्पादित हुए थे, परन्तु उक्त घोषणा के बाद 30 अप्रैल तक 1578 नए एमओयू निष्पादित हुए हैं। इस घोषणा के उपरांत एमओयू निष्पादन की तेजी से बढती संख्या से रीको की प्रत्यक्ष आवंटन योजना के तहत भूखण्ड प्राप्त करने में निवेशकों का उत्साह बढ़ा है।

माह मार्च- 2025 में योजना के प्रथम चरण में रीको ने 98 औद्योगिक क्षेत्रों (86 मौजूदा एवं 12 नए) में भूखण्ड आवंटन हेतु ऑनलाइन पॉर्टल पर उपलब्ध कराये थे। इस योजना में करीब 350 करोड रूपये के 98 भू खण्डों के लिये निवेशकों को आफर लेटर जारी किये गये एवं भूखण्ड आवंटन प्रक्रियाधीन है।

रीको प्रबंध निदेशक शिवांगी स्वर्णकार ने बताया कि राइजिंग राजस्थान के एमओयू होल्डर्स को रीको औद्योगिक क्षेत्रों में आरक्षित दर पर औद्योगिक भूखण्ड भूखण्ड उपलब्ध करवाने के लिये योजना का द्वितीय चरण प्रारंभ किया गया है। जिसके तहत रीको द्वारा विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में करीब 7100 भूखण्ड आवंटन हेतु उपलब्ध हैं। राज्य सरकार का उद्देश्य राइजिंग राजस्थान के जरिये अधिक से अधिक उद्यम राजस्थान में स्थापित करना है। प्रत्यक्ष आवंटन योजना में आवंटित इन भूखण्डों पर उद्योगों के स्थापित होने से राजस्थान के हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा जिससे स्थानीय एवं राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा।

मसाला मेले के लिये सहकारिता विभाग और कॉनफेड की सराहना

जयपुर। सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी एवं संयुक्त सचिव सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को जवाहर कला केन्द्र में सहकारिता विभाग एवं राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ (कॉनफेड) द्वारा आयोजित किए जा रहे राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले का विजिट किया। उन्होंने मेले में लगी स्टॉल्स का अवलोकन कर देश-प्रदेश की सहकारी समितियों द्वारा विक्रय के लिए लाए गए मसालों एवं अन्य उत्पादों की जानकारी ली। सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां मंजू राजपाल भी इस दौरान उपस्थित रहीं।

डॉ. भूटानी एवं श्री जैन ने वर्ष 2003 से निरन्तर राष्ट्रीय स्तर के मसाला मेले के आयोजन के लिए सहकारिता विभाग एवं कॉनफेड की सराहना की। राजपाल ने उन्हें अवगत कराया कि इस बार अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष की थीम पर मसाला मेले का आयोजन किया गया है। मेले में राजस्थान सहित मध्य प्रदेश, केरल, तमिलनाडू, पंजाब आदि राज्यों की सहकारी संस्थाओं के मसाले एवं अन्य उत्पाद 145 स्टॉल्स पर बिक्री के लिए उपलब्ध करवाये गए हैं। आगन्तुकों को मेले में एक ही छत के नीचे शुद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उचित दाम पर उपलब्ध हो रहे हैं। राजपाल ने बताया कि श्री अन्न के उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए मेले में लगभग 25 स्टॉल्स पर ये उत्पाद प्रदर्शित किए गए हैं, जिनके प्रति लोगों का खास रूझान देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मेले के आयोजन से लोगों का सहकारी उत्पादों पर विश्वास बढ़ रहा है और सहकारी समितियों को भी अपने उत्पादों की बिक्री के लिए उचित प्लेटफॉर्म उपलब्ध हो रहा है। डॉ. भूटानी एवं जैन ने इस अवसर पर डेली लक्की ड्रॉ के तीन विजेताओं को गिफ्ट हैम्पर भी प्रदान किए।

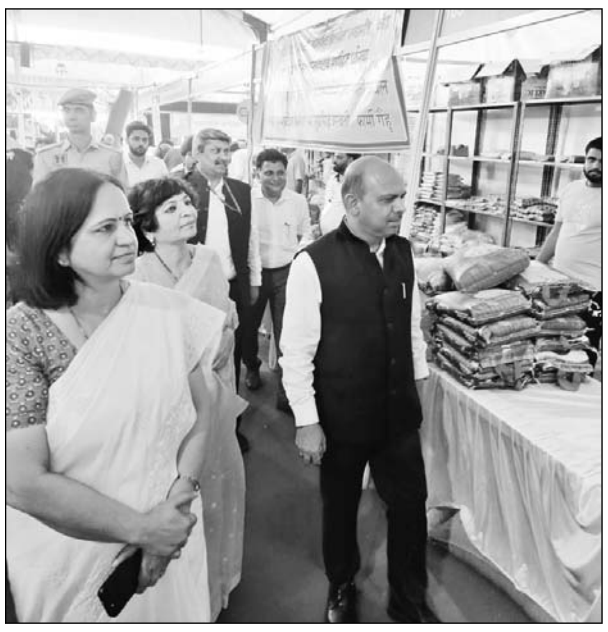

सहकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी एवं संयुक्त सचिव सिद्धार्थ जैन ने शुक्रवार को जवाहर कला केन्द्र में राष्ट्रीय सहकार मसाला मेले का विजिट किया।

'दंत चिकित्सकों का परिवीक्षा काल अधिक क्यों?'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रमुख चिकित्सा सचिव, स्वास्थ्य निदेशक, प्रमुख वित्त सचिव और प्रमुख कार्मिक सचिव से पूछा है कि समान कार्य और पद होने के बावजूद दंत चिकित्सकों का परिवीक्षा काल मेडिकल ऑफिसर के मुकाबले दो साल का क्यों रखा गया है। अदालत ने इन अधिकारियों से यह भी बताने को कहा है कि दंत चिकित्सकों को परिवीक्षा काल में मेडिकल ऑफिसर के समान भत्ते का भुगतान क्यों नहीं किया जा रहा है। सीजे एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश डॉ प्रियंका सैनी व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता निखिल सैनी ने अदालत को बताया कि दंत चिकित्सक और मेडिकल ऑफिसर का एक समान पे-ग्रेड होता है। वहीं इन दोनों श्रेणियों के चिकित्सकों का नियोक्ता और सेवा शर्ते भी एक समान ही होती है। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार ने 3 दिसंबर, 2012 को नोटिफिकेशन जारी कर राजस्थान मेडिकल एवं स्वास्थ्य सेवा नियम, 1963 के नियम 28 में संशोधित कर मेडिकल ऑफिसर का परिवीक्षा काल दो साल के बजाए एक साल कर दिया। इसके पीछे राज्य सरकार का तर्क था कि मेडिकल ऑफिसर अपने एमबीबीएस कोर्स के दौरान ही एक साल की इंटर्नशिप कर लेते हैं। इस नोटिफिकेशन को चुनौती देते हुए कहा गया कि मेडिकल ऑफिसर और दंत चिकित्सकों की सभी सेवा शर्ते आदि समान हैं और दंत चिकित्सक भी अपनी पढ़ाई के बाद एक साल का इंटर्नशिप करते हैं। इसके बावजूद दोनों के बीच परिवीक्षा काल को लेकर भेदभाव नहीं किया जा सकता। इसके अलावा जब दंत चिकित्सक भी मेडिकल ऑफिसर के समान कार्य कर रहे हैं तो फिर उन्हें भी परिवीक्षा काल में मेडिकल ऑफिसर के समान भत्ता दिया जाना चाहिए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

विक्रम सिंह धाकड़ राष्ट्रीय प्रवक्ता बने

जयपुर। धाकड़ समाज के युवाओं को संगठित कर सामाजिक, शैक्षिणक और आर्थिक उत्थान के लिए प्रतिबद्ध श्री धाकड़ महासभा युवा संघ की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का शुक्रवार को विधिवत ऐलान किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व विधायक नरेंद्र नागर के निर्देशों पर युवा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अर्जुन धाकड़ ने कार्यकारिणी की घोषणा की। कार्यकारिणी में राजस्थान, मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश के सक्रिय कार्यकर्ताओं को प्रतिनिधित्व दिया गया है। घोषित कार्यकारिणी में विभिन्न पदों पर कुल 75 से अधिक युवाओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कार्यकारिणी में 7 राष्ट्रीय महामंत्री, 8 वरिष्ठ उपाध्यक्ष, 18 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, 12 राष्ट्रीय संगठन महामंत्री, और 10 राष्ट्रीय मंत्री बनाए गए हैं। इसके अलावा 3 पदाधिकारियों को राष्ट्रीय प्रसार-प्रचार की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि 1 पदाधिकारी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस कार्यकारणी में दुर्गालाल नागर, अरुण नागर, प्रवीण धाकड़, शिवलाल धाकड़ और घनश्याम धाकड़ को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जो संगठन को क्षेत्रीय स्तर पर मजबूती देंगे। कार्यकारणी में निर्भय राम बाडोलिया को राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। संगठन की वित्तीय संरचना को मजबूत करने की जिम्मेदारी अब उनके कंधों पर होगी। संगठन की नीति, विचार और सामाजिक संदेशों को देशभर में पहुंचाने के लिए पत्रकार विक्रम सिंह धाकड़ और राम अवतार नागर को राष्ट्रीय प्रवक्ता बनाया गया है। दोनों को मीडिया और संवाद मंचों पर संगठन का प्रतिनिधित्व करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

कार्यकारिणी में माधोसिंह धाकड़, पुरुषोत्तम धाकड़ समेत अन्य को राष्ट्रीय संगठन मंत्री बनाया गया है। संगठन विस्तार और अनुशासन को बनाए रखने के लिए संगठन मंत्रियों की भूमिका प्रमुख मानी जा रही है।

संगठन की सफलता के प्रति समर्पण आवश्यक : बंठिया

जयपुर। सीआईआई-यंग इंडियंस अजमेर चैप्टर ने आज अभिनव बंठिया, प्रबंध निदेशक-मनु यंत्रालय प्रा. लि. के साथ एक इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किया। अपने संबोधन के दौरान, अभिनव बंठिया ने युवा उद्यमियों को इस बात पर जोर दिया कि अपने ज्ञान को निरंतर बढ़ाने की तीव्र इच्छा प्रदर्शित करना किसी की भूमिका के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। यह न केवल व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को दर्शाता है, बल्कि संगठन की सफलता के प्रति समर्पण को भी दर्शाता है।

सत्र के दौरान, साक्षी अग्रवाल, अध्यक्ष, वाई अजमेर चैप्टर ने साझा किया कि बंठिया के साथ ओपन डिसक्सन ने युवा उद्योग प्रतिनिधियों को उद्यमिता की यात्रा में आवश्यक चुनौतियों और प्रतिबद्धता के स्तर के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्रदान की।

आर.टी.यू. के पूर्व कुलपति के खिलाफ दर्ज एफआईआर में कार्रवाई पर रोक

जयुपर। राजस्थान हाईकोर्ट ने आरटीयू, कोटा के पूर्व कुलपति राम अवतार गुप्ता के खिलाफ पांच लाख रुपए की रिश्वत के मामले में एसीबी की ओर से दर्ज की गई एफआईआर में कार्रवाई पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में राज्य सरकार और राज्यपाल सचिवालय को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकलपीठ ने यह आदेश राम अवतार गुप्ता की आपराधिक याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ मामले में अभियोजन की मंजूरी राज्यपाल के सचिव ने 29 नवंबर 2024 को दी है। इसके लिए राज्यपाल की शक्तियों को हस्तांतरित किया गया। ऐसे में याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज एफआईआर में कार्रवाई पर रोक लगाना उचित होगा।

- पांच लाख रुपए की रिश्वत के मामले में एसीबी की ओर से दर्ज की गई थी एफआईआर

याचिका में अधिवक्ता पंकज गुप्ता ने बताया कि राज्यपाल ही कुलपति को नियुक्त करता है और उन्हें ही उसे हटाने की शक्ति होती है। राज्यपाल की शक्तियों को किसी अन्य को हस्तातंरित नहीं किया जा सकता। जबकि इस मामले में राज्यपाल के सचिव ने तय प्रक्रिया का पालन नहीं किया और एक प्रोफार्मा के आधार पर ही एसीबी को याचिकाकर्ता के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति जारी कर दी। इसके अलावा मामले में राज्यपाल को स्वयं अपने विवेक से अभियोजन स्वीकृति पर फैसला करना था। इसलिए याचिकाकर्ता के खिलाफ मामले में की जाने वाली समस्त कार्रवाई को रद्द किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब करते हुए याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज एफआईआर में कार्रवाई पर रोक लगा दी है। गौरतलब है कि एसीबी की टीम ने राम अवतार गुप्ता को पांच लाख रुपए की रिश्वत के साथ 5 मई, 2022 को पकड़ा था। राम अवतार पर आरोप है कि एक निजी कॉजेल में छात्रों की सीट बढाने की एवज में यह रिश्वत ली गई थी। एसीबी को कुलपति के कमरे से लाखों रुपए की नकदी और परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में भी बडी धनराशि मिली थी।

सीवरेज व नालों की सफाई कराने के निर्देश

जयपुर। जिला सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी की अध्यक्षता में शुक्रवार को कलक्टर सभाहगार में आयोजित हुई। जिला कलक्टर ने जयपुर जिले के दुर्घटना सम्भावना वाले 118 ब्लैक स्पॉर्टस पर चल रहे स्थाई व अस्थाई प्रकृति के रेस्टोरेशन कार्यो की समीक्षा की। उन्होंने इस दौरान भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय राजमार्गो पर स्थित रोड़ कट्स के कारण हो रही दुर्घटनाओ में कमी लाने के लिए रेक्टीफिकेशन कार्यो में शीघ्रता लाने के निर्देश सम्बन्धित अधिकारियों को दिए हैं। जिला कलक्टर ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को राष्ट्रीय राजमार्गो पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिए है ताकि रात्रि के समय प्रकाश न होने के कारण होने वाली दुर्घटनाओं मे कमी लाई जा सके।

जिला कलक्टर ने नगर निगम ग्रेटर एवं नगर निगम हेरिटेज के क्षेत्रो में सीवरेज और नालों मे सफाई कार्ये कराने के निर्देश दिए हैं ताकि शहर में बरसात के मौसम में किसी भी प्रकार का जलभराव न हो। बचाव व राहत कार्यो के लिए पर्याप्त संसाधन की व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए है। उन्होंने जे.डी.ए. को उनके क्षेत्र में आ रही सड़कों के गड्ढे भरने के निर्देश दिए ताकि बरसात के मौसम में गड्ढों में पानी भरने के कारण होने वाली संभावित दुर्घटनाओ से आमजन को बचाया जा सके। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर संतोष कुमार मीणा, एडीशनल एस.पी. एन.एन.एच. जयपुर पुष्पेन्द्र सिंह, ए.सी.पी. डी.सी.पी. वेस्ट सुरेन्द्र कुमार, ए.सी.पी. कोतवाली उत्तर अनुप सिंह, ए.डी. सी.पी. ईस्ट के.के. अवस्थी, अधीक्षण अभियन्ता सार्वजनिक निर्माण विभाग आर.के. सिंह, एस.ई. जे.डी.ए. मोहित चौधरी, एडीशनल डी.सी.पी साउथ पुनमचन्द विश्नोई सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

सहज, सरल मनोज माथुर हमेशा याद रहेंगे : वासुदेव देवनानी

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राष्ट्रवादी विचारधारा के सहज, सरल व्यक्तित्व के धनी मनोज माथुर जैसे जागरूक पत्रकार को कभी भुलाया नहीं जा सकता। उनका असमय चले जाना हम सभी मित्रगण, पत्रकार और पारिवारिक सदस्यों के लिए बहुत कष्टकारी है। मनोज माथुर के आदर्शों के अनुरूप पत्रकार आगे बढ़ें, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। माथुर के लिए पत्रकारिता जौवन का आधार थी। देवनानी शुक्रवार को यहां नारायण सिंह सर्किल स्थित पिंक सिटी प्रेस क्लब के सभागार में मनोज माथुर फाउण्डेशन द्वारा आयोजित मनोज माथुर अवार्ड समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलन कर समारोह का शुभारम्भ किया। देवनानी ने मनोज माथुर फाउण्डेशन को एक लाख रुपये धनराशि उनकी और से दिये जाने की घोषणा की। समारोह में मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा का संदेश भी पढ़कर सुनाया गया। मुख्यमंत्री ने पत्रकारिता में उत्कृष्टता को प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए प्रदान किये गये अवार्ड पुरस्कारों की सराहना की। समारोह में मनोज माथुर के जीवन पर आधारित वृत्त चित्र दिखाया गया।

- देवनानी ने मनोज माथुर फाउन्डेशन को एक लाख रूपये दिये
- देवनानी ने मनोज माथुर अवार्ड प्रदान किये

विधानसभाध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शुक्रवार को नारायण सिंह सर्किल स्थित पिंक सिटी प्रेस क्लब के सभागार में मनोज माथुर फाउण्डेशन की ओर से आयोजित मनोज माथुर अवार्ड प्रदान किये।

समारोह में देवनानी ने प्रिन्ट मीडिया में अवधेश आकोदिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में महेश दाधीच और डिजिटल मीडिया में सौरभ भट्ट को मनोज माथुर अवार्ड प्रदान किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वरिष्ठ पत्रकार ओम सैनी थे। स्व. मनोज माथुर की पत्नी सुलक्षणा माथुर ने अतिथिगण और पुरस्कार प्राप्तकर्ताओं का पौधा भेंट कर अभिनन्दन किया। देवनानी ने कहा कि पत्रकारों की भूमिका लोकतंत्र में महत्वपूर्ण होती है। पत्रकार जगत से जुडे हुए उन्हें भी 50 वर्षों से अधिक समय हो गया है। पत्रकार जगत सकारात्मक वातावरण बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। देश की आजादी के समय भी पत्रकार जगत ने राष्ट्र में देश भक्ति की को जगाये रखा। उन्होंने कहा कि नारद पत्रकारिता के जनक थे। वे संवाद के संवाहक थे। देवनानी ने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर मिशन को पत्रकारों ने राष्ट्रवाद की भावना के अनुरूप प्रसारित किया, यह अभिन्दनीय है। देवनानी ने कहा कि आज भारत की विश्व में विशेष पहचान बनी है। भारत को बढ़ता हुआ अन्य देश नहीं देख पा रहे है। अन्य देशों की नजरों में भारत के प्रति खटखटाहट ही हमारे देश की ताकत है। नये भारत को श्रेष्ठ बनाने और उसे निरन्तर आगे बढ़ाने में सभी सक्रिय भागीदारी निभाएं। विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए राष्ट्र के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भूमिका आवश्यक है। देवनानी ने कहा कि लोकतंत्र में विधायिका की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विधान सभा में नवीनता लाने के लिए श्रेष्ठ परिवर्तन करने का वे निरन्तर प्रयास कर रहे है। देवनानी ने इसके लिए पत्रकारों से सकारात्मक परामर्श देने के लिए कहा।

'एसएनए-स्पर्श के चरणबद्ध विकास एवं कार्यान्वयन में राजस्थान अग्रणी'

जयपुर। केन्द्र प्रवर्तित योजनाओं के निधि हस्तान्तरण की नवीन समयोचित प्रणाली एकीकृत शीघ्र हस्तान्तरण (एसएनए स्पर्श) के संबंध में केन्द्र व राज्य सरकार के संयुक्त तत्वावधान में शासन सचिवालय में कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में केन्द्र सरकार के वित्त मंत्रालय सहित राजस्थान, हरियाणा, पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश के वित्त विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अतिरिक्त सचिव डॉ. सज्जन सिंह यादव ने नवीन प्रणाली में सफलतापूर्वक हस्तान्तरण किए जाने के लिए राजस्थान की प्रशंसा करते हुए अन्य राज्यों को भी राजस्थान की तर्ज पर उनके प्रदर्शन में सुधार लाने का सुझाव दिया।

छात्रवृत्ति में समस्या के त्वरित समाधान के लिए बेहतर समन्वय से काम करें : बचनेश अग्रवाल

जयपुर। निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव बचनेश अग्रवाल ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा छात्र-छात्राओं को तय समयावधि में छात्रवृति उपलब्ध कराने की है। इसमें होने वाले विलंब या समस्या के समाधान के लिए संस्था प्रधान और विभागीय अधिकारी बेहतर समन्वय के साथ काम कर छात्र-छात्राओं को राहत पहुंचाएं। उन्होंने कहा इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अग्रवाल ने शुक्रवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के मुख्यालय अंबेडकर भवन के सभागार में जिले के लगभग 50 सरकारी और निजी कॉलेजों के प्रतिनिधियों और विभागीय अधिकारियों के साथ अहम बैठक कर छात्रवृति प्रक्रिया को आसान बनाने और छात्र-छात्राओं को प्रक्रिया समझाने और उचित परामर्श के निर्देश दिए। उन्होंने संस्थान या विद्यार्थी स्तर से समय पर आवेदन विभाग को अग्रेषित नहीं किए जाने, विद्यार्थियों द्वारा संस्थान में बायोमैट्रिक नहीं किए जाने, विद्यार्थी द्वारा समय पर आक्षेप पूर्ति नहीं किए जाने संबंधी समस्याओं को सुना और अधिकरियों को इनके त्वरित समाधान के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए।

निदेशक एवं संयुक्त शासन सचिव ने कहा समस्त संस्था प्रभारी संस्थान स्तर पर छात्रवृत्ति संबंधी कार्मिकों द्वारा प्रतिदिन निस्तारण की नियमित रूप से मॉनिटरिंग करें तथा एक कलैंडर तैयार कर छात्रवृत्ति का निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के आवेदनों पर लगने वाले आक्षेपों के निस्तारण के संबंध में एक एसओपी बनाई जाए तथा जिन विद्यार्थियों द्वारा समय पर आक्षेप पूर्ति नहीं की जा रही है या बायोमैट्रिक उपस्थिति दर्ज नहीं करवाई जा रही है उनको व्हाट्सएप, दूरभाष या नोटिस चस्पा कर शीघ्र आक्षेप पूर्ति करवाएं।

वायु सैन्य अधिकारी पत्नी के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज करने का आदेश

जयपुर। न्यायिक मजिस्ट्रेट क्रम-5 महानगर प्रथम ने वायु सैन्य अधिकारी पत्नी सहित उसके परिजनों के खिलाफ प्रताप नगर थाना पुलिस को दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने यह आदेश अभिनव जैन के परिवाद पर दिए।

परिवादी के अधिवक्ता संदेश खंडेलवाल ने बताया कि मर्चेंट नेवी में कार्यरत परिवादी और वायु सैन्य अधिकारी का विवाह फरवरी, 2022 में हुआ था। तब परिवादी तलाकशुदा और वह एयरफोर्स ऑफिसर की विधवा थी। पूर्व पति से उसके एक बेटा भी हुआ था। जिसके पालन पोषण के लिए उसे पेंशन के रूप में अलग से दो लाख रुपए मिलते हैं। शादी के बाद से ही पत्नी व उसके घरवालों का व्यवहार बदल गया। पत्नी आए दिन गुस्सा करने लगी। वहीं बाद में जयपुर ट्रांसफर होने पर भी उसे प्रताड़ित किया। उसके सास-ससुर उसकी शादी एयरफोर्स की बडी अफसर से होना बताकर बडी कार खरीदने के लिए कहते। वह सितंबर 2022 में जयपुर आया तो उन्होंने कहा कि यदि उसने डिमांड पूरी नहीं की तो वे उसका तलाक करा देंगे। इस दौरान 26 जून 2023 को उसके छोटा बेटा हुआ। लेकिन पत्नी की रुपए की मांग जारी रही। उसे अपने बेटे से भी नहीं मिलने दिया। वह 19 मार्च 2025 को जब एयरफोर्स स्टेशन बेटे से मिलने गया तो पत्नी व ससुर ने उससे पांच करोड रुपए व बीएमडब्ल्यू कार की मांग की और उसके बाद ही बेटे से मिलवाने के लिए कहा। परिवाद में कहा गया कि उसकी पत्नी व सास-ससुर के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला दर्ज किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने प्रतापनगर थाना पुलिस को मामला दर्ज करने को कहा है।

- परिवादी अभिनव जैन के परिवाद पर अदालत ने प्रतापनगर थाना पुलिस को मामला दर्ज करने के निर्देश दिये

प्रदेश में ड्रोन उड़ाने पर रोक से खानों में माइनिंग प्लान नहीं स्वीकृत हो सकेंगे

सैकड़ों पुराने खान मालिक ड्रोन सर्वे नहीं कर पा रहे हैं और एसएमई उनका माइनिंग प्लान अनुमोदित नहीं कर रहे हैं

- बीकानेर में नई खानें शुरू नहीं होने से भी सरकार को डेडरेंट, प्रीमियम राशि, आरएसएमईटी और टीसीएस के दो करोड़ रुपए का सीधा नुकसान होगा
- बीकानेर जिले में ही जिप्सम, क्ले, बजरी की ऐसी करीब 75 खानें हैं, इसके अलावा 55 से ज्यादा नए खनन पट्टे दिए जाने हैं जिनकी एलओआई भी जारी कर दी गई, अब खान मालिक ड्रोन सर्वे नहीं कर पाएंगे और माइनिंग प्लान अटक जाएगा

बीकानेर, निसं)। प्रदेश में अप्रधान खनिज के पट्टाधारियों को 30 जून से पहले अपने क्षेत्र और उसके आसपास का ड्रोन सर्वे कर खान एवं भूविज्ञान विभाग को रिपोर्ट पेश करनी है, लेकिन, पश्चिमी सीमा की सुरक्षा को देखते हुए बॉर्डर जिलों सहित पूरे प्रदेश में ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध लगा रखा है जिससे सैकड़ों खान मालिकों के माइनिंग प्लान स्वीकृत नहीं हो सकेंगे और खनन रुक जाएगा।

जानकारी के अनुसार सरकार ने 24 अक्टूबर, 24 को अधिसूचना जारी कर प्रतिवर्ष एक अप्रैल, 25 से खान मालिकों के लिए अपने खनन पट्टा क्षेत्र और उसके बाहर 100 मीटर की परिधि में स्वयं के खर्च पर ड्रोन सर्वे कर वार्षिक रिटर्न के साथ रिपोर्ट पेश करने का प्रावधान किया है। खान मालिकों को यह रिपोर्ट 30 जून तक पेश करनी होगी तभी अधीक्षण खनि अभियंता उनका माइनिंग प्लान अनुमोदित करेंगे। लेकिन भारत-पाकिस्तान सीमा पर तनाव को देखते हुए गृह विभाग के उप शासन सचिव महेश कुमार शर्मा ने पश्चिमी सीमा की सुरक्षा के लिए राज्य में ड्रोन उड़ाने पर रोक लगा दी। इससे सैकड़ों पुराने खान मालिक ड्रोन सर्वे नहीं कर पा रहे हैं और एसएमई उनका माइनिंग प्लान अनुमोदित नहीं कर रहे हैं। बीकानेर जिले में ही जिप्सम, क्ले, बजरी की ऐसी करीब 75 खानें हैं। इसके अलावा 55 से ज्यादा नए खनन पट्टे दिए जाने हैं जिनकी एलओआई भी जारी कर दी गई। अब खान मालिक ड्रोन सर्वे नहीं कर पाएंगे और माइनिंग प्लान अटक जाएगा। माइनिंग प्लान स्वीकृत नहीं होने से खानों में काम ठप हो जाएगा। इससे खान मालिक और श्रमिक वर्ग तो संकट में आएगा ही, सरकार को भी राजस्व का नुकसान होगा। बीकानेर में नई खानें शुरू नहीं होने से भी सरकार को डेडरेंट, प्रीमियम राशि, आरएसएमईटी और टीसीएस के दो करोड़ रुपए का सीधा नुकसान होगा। ऐसे में खनन पट्टाधारक ही नहीं, खान विभाग के अधिकारी भी असमंजस में हैं।

खान विभाग के बीकानेर वृत्त में बीकानेर, श्रीगंगानगर, जैसलमेर जिले पाकिस्तान की सीमा से लगते हैं। इसके अलावा चूरू हनुमानगढ़ जिले भी वृत्त में शामिल हैं। इनमें से केवल बीकानेर जिले में जिप्सम की 36 लीज खाजूवाला, बज्जू के बॉर्डर एरिया में हैं। 25 लीज तो रेड जोन में आती हैं। भारत-पाक में तनाव को देखते हुए इन क्षेत्रों में वर्तमान में ही नहीं, सामान्य दिनों में भी ड्रोन उड़ाना सुरक्षा की दृष्टि से खतरनाक साबित हो सकता है। इसके अलावा बॉर्डर जिलों में सैन्य गतिविधियों का संचालन होता रहता है। इंटरनेशनल बॉर्डर से 25 किमी, एयरस्ट्रिप व आर्मी कैंट एरिया से 3 किमी परिधि, महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान से 2 किमी परिधि, आयुध डिपो व बीएसएफ मुख्यालय रेड जोन घोषित हैं। इन इलाकों में सुरक्षा की दृष्टि से ड्रोन का संचालन नहीं किया जाना चाहिए।

बीकानेर वृत्त के एसएमई एनके बैरवा ने अपने अधीन खनि अभियंताओं से ड्रोन सर्वे पर टिप्पणी मांगी है। एसएमई के अधीन जिलों के अभियंताओं ने भी ड्रोन सर्वे पर रोक के कारण माइनिंग प्लान अनुमोदन के संबंध में मार्गदर्शन मांगा है।

ड्रोन सर्वे नहीं होने से माइनिंग प्लान अनुमोदित नहीं होने पर खनन मामलों के जानकार देवेन्द्रसिंह धमोरा ने बीकानेर वृत्त के एसएमई एनके बैरवा को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा है कि ड्रोन उड़ाने पर रोक कब तक रहेगी, यह निश्चित नहीं है। ऐसे में सरकार को खासकर बॉर्डर जिलों में वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए जिससे कि माइनिंग प्लान अनुमोदित किए जा सके।

खान एवं भूविज्ञान विभाग की ओर से प्रत्येक पांच साल में खनन पट्टेधारियों से माइनिंग प्लान लिया जाता है जिसमें वे बताते हैं कि किस तरह पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, नियमों की पालना करते हुए सुरक्षित तरीके से खनन करेंगे। एमई-एएमई और भूवैज्ञानिक माइनिंग प्लान की रिपोर्ट तैयार कर एसएमई को सौंपते हैं। एसएमई माइनिंग प्लान अनुमोदित करता है। इसके अलावा प्रत्येक नए खनन पट्टाधारी को माइनिंग प्लान देना होती है। तभी उसे सेंशन मिल पाती है।

थार गाड़ी की चपेट में आने से दो की मौत, एक घायल

जालोर शहर के निकट बिशनगढ रोड पर थार की टक्कर से दो जनों की मौत हो गई।

- सीट बेल्ट लगे होने के कारण दोनों एयरबैग खुल गए, जिस कारण गाड़ी में सवार दोनों युवकों की जान बच गई

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के बिशनगढ़ रोड पर शुक्रवार को एक थार गाड़ी (जीप) की टक्कर से मोटरसाइकिल सवार दो जनों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई तथा थार जीप चालक घायल हो गया, जहां उन्हें जालोर के राजकिय चिकित्सालय में लाया गया। वहीं मृतकों के शव को पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी में रखवाया गया।

जालोर शहर के निकट बिशनगढ़ रोड चुंगी नाका के पास बिशनगढ़ से जालोर की तरफ आ रही थार जीप के चालक ने वाहन को तेजगति से चलाते हुए मोटरसाइकिल को पीछे से टक्कर मार दी जिससे आगे चल रही मोटरसाइकिल पर सवार पहाडपुरा निवासी भरत चौधरी पुत्र मीठालाल व मनोहर चौधरी पुत्र रावताराम की मौके पर मौत हो गई जबकि थार जीप चालक गोपाल देवासी निवासी एलाना घायल हो गए। गाड़ी इतनी तेज गति थी कि चालक गोपाल देवासी एलाना उसको कंट्रोल नहीं कर पाया और गाड़ी मोटरसाइकिल से टकराते हुए हाइवे पर लगे संकेतक बोर्ड के पिलर से टकरा गई। सीट बेल्ट लगे होने के कारण दोनों एयरबैग खुल गए, जिस कारण गाड़ी में सवार दोनों युवकों की जान बच गई। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली पुलिस थानाधिकारी अरविंद पुरोहित, एएसआई रामूराम जाणी समेत पुलिस मौके पर पहुंची। मृतकों के शव मोर्चरी में रखवाए हैं। परिजनों को सूचित किया गया है। पुलिस इस मामले की जांच में जुटी है। घायलों को गाड़ी से बाहर निकालकर एम्बुलेंस 108 की सहायता से जालोर के राजकिय चिकित्सालय में लाया गया। कोतवाली पुलिस ने घटना स्थल का मौका मुआयना कर आगे की कार्रवाई शुरु की।

रिश्वत लेते पटवारी गिरफ्तार

अलवर, (निसं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कार्रवाई करते हुए खैरथल में तैनात पटवारी अशोक कुमार को एक हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शुक्रवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महेन्द्र मीणा के निर्देशन में की गई। एसीबी चौकी अलवर को शिकायत मिली थी कि पटवारी अशोक कुमार, परिवादी से उनकी भाभी के बच्चों के नाम पर विरासत का इंतकाल दर्ज कराने के लिए दो हजार रुपये की रिश्वत मांग रहे हैं। शिकायत का सत्यापन करवाया गया, जिसमें आरोप सही पाए गए। सत्यापन के दौरान आरोपी ने परिवादी से पहले पांच सौ रुपये ले लिए थे, जबकि शेष एक हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए उसे रंगे हाथों पकड़ लिया गया। एसीबी ने आरोपी को हिरासत में लेकर आगे की जांच शुरू कर दी है।

मवेशी ने बुजुर्ग पर हमला किया, इलाज के दौरान मौत

- पिछले एक माह में कई लोगों को घायल कर चुका है मवेशी

पावटा, (निसं)। विराटनगर मैड़ के पालड़ी तिराहे पर एक सांड (मवेशी) ने बुजुर्ग पर हमला कर दिया। बुजुर्ग को घायल अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई, जिसे लेकर लोगों में लापरवाह बने जिम्मेदारों के प्रति नाराजगी है।

मृतक के पुत्र प्रकाश चंद ने बताया कि दांतली ढाणी निवासी पिताजी बोदूराम मीणा (68) 25 अप्रैल की शाम 7.30 बजे पालड़ी तिराहे पर खुद की दुकानों के चल रहे कंस्ट्रक्शन कार्य से कारीगरों की छुट्टी कर चाय की दुकान पर बैठ गए। इसी दौरान सांड भागता हुआ आया और टक्कर मार दी। जिसमें वो गंभीर घायल हो गए। घटना के बाद मौजूद लोग उन्हें शाहपुरा अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उनकी गंभीर हालत को देखते हुए जयपुर रैफर कर दिया। जयपुर में तीन दिन उपचार के बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई। लेकिन 14 मई को अचानक तबियत खराब होने पर मैड़ अस्पताल लेकर आए, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि सांड पिछले एक माह में कई लोगों को घायल कर चुका है। ग्रामीणों का आरोप है कि कई बार ग्राम पंचायत प्रशासन को अवगत करवाने के बाद भी ध्यान नहीं दे रहे हैं। सांड एक माह में चंदाराम, गिरधारी सैनी, सीताराम गुर्जर सहित कई लोगों को घायल कर चुका है। पिछले कई दिनों से इस सांड के उत्पात से स्थानीय लोग भयभीत हैं। मामले को लेकर ग्राम विकास अधिकारी से शिकायत की उन्होंने पल्ला झाड़ लिया। जिससे लोगों में नाराजगी है।

ग्राम विकास अधिकारी प्रवीण गजराज ने कहा कि ग्राम पंचायत के पास मवेशियों को पकड़ने के लिए कोई फंड नहीं आता है और ना कोई विभाग का आदेश है। इनको पकड़ने के लिए वन विभाग जिम्मेदार है। इस घटना से क्षेत्र में लोगों में आक्रोश है।

ठगी करने का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। झल्लारा थाना पुलिस ने सायबर शील्ड अभियान के तहत कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी धर्मेन्द्र सिंह वाघेला ने बताया कि आरोपी मुकेश पटेल पिता रामलाल निवासी डगार झल्लारा को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि डगार तालाब कि पाल के नीचे रोड किनारे झाड़ियों में एक युवक मोबाइल पर एस्कोर्ट सर्विस नाम से लड़कियां उपलब्ध कराने का काम कर रहा है। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो बबूल की झाड़ियों में एक युवक छिपा हुआ मिला जो पुलिस जीप को देख भागने लगा। पुलिस ने उसे पकड़ा और उसके कब्जे से दो मोबाइल व सिम कार्ड जब्त किए। जांच के दौरान जब उसका मोबाइल चेक किया तो उसमें फर्जी लड़की के नाम की इंस्टाग्राम आईडी मिली, जिससे उसके द्वारा कई लोगों से चेटिंग थी। इसी तरह टेलीग्राम एप पर भी 4 अलग-अलग नाम से फर्जी आईडी होना पाया गया, जिसमें लडकी उपलब्ध कराने के नाम पर लोगों से पैसे ऐंठने संबंधी मैसेज मिले।

ऑनलाइन विस्तृत आवेदन पत्र भरने के आदेश

- वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत गणित एवं विज्ञान विषय की विचारित सूचियों में सफल अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन-पत्र ऑनलाइन भरने होंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित वरिष्ठ अध्यापक (संस्कृत शिक्षा विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 अंतर्गत गणित एवं विज्ञान विषय की विचारित सूचियों में सफल अभ्यर्थियों को विस्तृत आवेदन-पत्र ऑनलाइन भरने होंगे। विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने का लिंक 19 से 25 मई (रात्रि 11.59) तक खोला जाएगा। अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन तथा दस्तावेज सत्यापन के संबंध में आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों की पालना भी आवश्यक रूप से सुनिश्चित करनी होगी। इस संबंध में विस्तृत सूचना आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

आयोग सचिव ने बताया कि उक्त परीक्षान्तर्गत गणित एवं विज्ञान विषय की विचारित सूचियां 12 मई 2025 को जारी की गई थी। विचारित सूचियों में अस्थाई रूप से सम्मिलित किए गए सभी अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे अपने एसएसओ आईडी के माध्यम से रिक्रूटमेंट पोर्टल पर माय रिक्रूटमेंट-डीटेल्ड फॉर्म कम स्क्रूटनी-अप्लाई नाउ का चयन कर अपना विस्तृत आवेदन पत्र ऑनलाइन भरें। विस्तृत आवेदन-पत्र व दस्तावेजों की जांच संबंधित विभाग (संस्कृत शिक्षा विभाग) द्वारा ही की जायेगी। अत: ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने व सबमिट करने के उपरांत प्रिंट ऑप्शन पर जाकर सम्पूर्ण विस्तृत आवेदन पत्र को 2 प्रतियों में प्रिंट कर अपने पास संभाल कर रखें एवं संस्कृत शिक्षा विभाग, राजस्थान, जयपुर की सूचना के अनुसार निर्धारित दिनांक, समय व स्थान पर विस्तृत आवेदन-पत्र (दो प्रतियों में) मय समस्त मूल दस्तावेजों व स्वयं सत्यापित प्रतियों सहित उपस्थित होवें। इस हेतु संबंधित विभाग द्वारा ही उचित माध्यम से अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन हेतु सूचित कराने की कार्यवाही संपादित की जायेगी एवं राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा अलग से कोई सूचना अभ्यर्थियों को प्रेषित नहीं की जायेगी। विभाग द्वारा दस्तावेज सत्यापन के लिए निर्धारित तिथि को उपस्थित नहीं होने पर अभ्यर्थी को अपात्र मानते हुए परिणाम में विचारित नहीं किया जायेगा। संबंधित विभाग से दस्तावेज जांच/सत्यापन उपरांत, पात्र अभ्यर्थियों की सूची विभाग द्वारा आयोग को भेजी जाएगी, जिसके उपरांत आयोग द्वारा परिणाम जारी कर चयनित अभ्यर्थियों के नाम नियुक्ति के लिए संबंधित विभाग को अभिस्तावित किये जायेंगे।

पटवार भवन पर पटवारी की अनुपस्थिति से आमजन में रोष

- पटवारी की गैर-मौजूदगी में आम नागरिकों को बुनियादी सेवाएं नहीं मिल पा रहा है

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर में आये दिन पटवारियों की मनमानी के चलते आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सांगानेरी गेट स्थित पटवार भवन पर लंबे समय तक पटवारी के अनुपस्थित रहने या कार्यालय न पहुंचने की शिकायत को लेकर स्थानीय लोगों में गहरा असंतोष फैला है। पटवारी भू-अभिलेखों, जमीन संबंधी दस्तावेजों (जैसे खसरा-खतौनी), और राजस्व विवादों के निपटारे में अहम भूमिका निभाते हैं। उनकी गैर-मौजूदगी में आम नागरिकों को बुनियादी सेवाएं नहीं मिल पाती, जिससे उनके दैनिक कार्य प्रभावित होते हैं।

स्थानीय लोगो ने आरोप लगाते हुए बताया कि जमीन खरीद-बिक्री, उत्तराधिकार या अन्य कानूनी प्रक्रियाओं में अटकने के कारण लोगों को आर्थिक नुकसान हुआ है। यही नहीं लोगों का आरोप है कि पटवारी मनमानी शुल्क वसूलते हैं या काम रोककर रिश्वत की मांग करते हैं। कई बार उच्चाधिकारियों से शिकायतों के बावजूद उच्च अधिकारियों द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाने से इनके हौसले बुलंद है। स्थानीय लोगों ने पटवारियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए जीपीएस आधारित मॉनिटरिंग या बायोमेट्रिक सिस्टम लागू किया जाने और अनुपस्थित रहने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए की मांग की है।

छात्र लापता, मामला दर्ज

निवाई, (निसं)। पुलिस थाने में शुक्रवार को एक छात्र की गुमशुदगी का मामला दर्ज हुआ है। थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि शिवजीराम शर्मा निवासी जयसिंहपुरा ने मामला दर्ज करवाया है कि उसका पुत्र निरंजन शर्मा राजकीय स्वामी विवेकानन्द मॉडल स्कूल में अध्ययनरत है। उसका बुधवार को सीबीएसई बोर्ड परीक्षा कक्षा 10वीं परीक्षा का परिणाम आया था। परिणाम के बाद से ही वह बिना कहे घर से निकल गया। उन्होंने बताया कि शिवाजी पार्क रोड पर लगे सीसीटीवी कैमरे में उसी शाम को करीब सात बजे मोटरसाइकिल से निकलते हुए की फुटेज देखी गई। उसके बाद उसका कहीं पता नहीं लगा। पुलिस ने मामला दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है।

भागवत आज पुष्कर में

अजमेर, (कासं)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत शनिवार शाम एक विवाह समारोह में शिरकत करने पुष्कर आएंगे। भागवत की पुष्कर यात्रा को लेकर पुलिस द्वारा इंतजाम किए जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार भागवत शनिवार शाम छह बजे अल्प प्रवास यात्रा के दौरान गनाहेड़ा में स्थित निजी रिजॉर्ट में आयोजित परिचित के शादी समारोह में शामिल होंगे। भागवत के कार्यक्रम को लेकर पुलिस व प्रशासन अलर्ट मोड पर है सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। पुष्कर थाना प्रभारी विक्रम सिंह व नगर परिषद के आयुक्त जनार्दन शर्मा ने अधीनस्थ कार्मिकों के साथ कार्यक्रम स्थल का जायजा लिया।

दूरसंचार विभाग को जमा सिक्योरिटी राशि देने सहित दस हजार का जुर्माना लगाया

- राशि नहीं लौटाने पर परिवादी ने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोश आयोग में परिवाद पेश किया

जालोर, (कासं)। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतिताष आायोग जालोर के अध्यक्ष घनश्याम यादव ने शुक्रवार को उपभोक्ता द्वारा दूरसंचार कनेक्शन विच्छेद करने के बाद भी सिक्योरिटी राशि 2865 रूपये परिवादी को मय ब्याज सहित दस हजार के अर्थदण्ड से दण्डित किया।

परिवादी कांतिलाल भंडारी पुत्र लालचंद भंडारी जाति जैन निवासी शिवाजी नगर जालोर ने उपभोक्ता आयोग में परिवाद पेश कर बताया कि सन् 2001 में अपने घर पर दूरसंचार विभाग से लैण्डलाइन टेलीफोन कनेक्शन ले रखा था। लैण्डलाइन की आवश्याकता नहीं होने पर परिवादी ने एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर दिसम्बर 2014 में उक्त लैण्डलाइन कनेक्शन विच्छेद कर दिया। उस समय दूरसंचार विभाग जालोर के अधिकारियों ने अवगत करवाया कि उक्त कनेक्शन को लेकर सिक्योरिटी राशि 2865 रूपये सिरोही कार्यालय से आपके खाते में जमा हो जायेंगे लेकिन परिवादी द्वारा बार-बार दूरसंचार विभाग जालोर व सिरोही को सिक्योरिटी पेटे जमा डिपोजिट राशि लौटाने का आग्रह किया, लेकिन डिपोटिज राशि नहीं लौटाने पर परिवादी ने जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोश आयोग में परिवाद पेश किया। आयोग के अध्यक्ष घनश्याम यादव ने दोनों पक्षों की बहस सुनने व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद शुक्रवार को आदेश दिया कि दूरसंचार विभाग परिवादी कांतिलाल भण्डारी को जमा सिक्योरिटी पेट राशि 2865 रूपये परिवाद पेश करने की तारीख से नौ प्रतिशत ब्याज के अदा करने के साथ दस हजार रूपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया।

अजमेर में दो और बांग्लादेशी पकड़े, अब तक 37 डिटेन

अजमेर, (कासं)। जिले में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ पुलिस ने शिकंजा कसना तेज कर दिया है। एसपी वंदिता राणा के निर्देशों के तहत गंज थाना पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत शुक्रवार को लगातार सातवीं कार्रवाई करते हुए दो और बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है।

- सभी लोग बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे और इनकी गतिविधियां संदिग्ध थी
- ग्रामीण और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है

गंज थाना पुलिस ने विशेष अभियान के तहत दो और बांग्लादेशियों को गिरफ्तार किया है।

गंज थाना पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पुलिस ने लोंगिया, बाबूगढ़ और आसपास के पहाड़ी इलाकों में दबिश देकर अवैध रूप से रह रहे संदिग्ध बांग्लादेशियों पर कार्रवाई की है। शुक्रवार को दो और बांग्लादेशी पुलिस के हत्थे चढ़े हैं। गंज थाना पुलिस ने अब तक इस विशेष अभियान के अंतर्गत 37 बांग्लादेशी नागरिकों को डिटेन किया जा चुका है। बताया गया कि ये सभी लोग बिना वैध दस्तावेजों के भारत में रह रहे थे और इनकी गतिविधियां संदिग्ध थी।

पुलिस सूत्रों के अनुसार इन लोगों से पूछताछ की जा रही है और आवश्यक कानूनी प्रक्रिया के तहत इन्हें रिमांड होम के जरिए डिपोर्ट करने की कार्रवाई की जा रही है। एसपी वंदिता राणा ने जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि जो भी व्यक्ति बिना वैध पहचान दस्तावेजों के संदिग्ध रूप से रह रहा हो, उसकी पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके तहत खासतौर पर ग्रामीण और दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों में सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

डाटा सेंटर की कम्पनी में निवेश राशि को हड़पने का आरोपी गिरफ्तार

निवाई/टोंक, (निसं)। निवाई थाना पुलिस ने डाटा सेंटर की कम्पनी में निवेश करने का प्रलोभन देकर निवेश राशि को हड़पने के दो साल से फरार आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पहले भी 3 मामले दर्ज हैं।

थानाधिकारी रामजीलाल बैरवा ने बताया कि 7 सितम्बर 2023 को परिवादी नेहनुलाल गुर्जर निवासी दीनदयाल कॉलोनी ने डाटा स्पेश खरीदने एवं बदले में 12 साल तक 29 हजार 100 रूपए देने का प्रलोभन देकर परिवादी के साथ धोखाधड़ी करने वाली सीनाव क्लाउड टेक्नोलोजी प्रा. लि. के विरूद्ध मामला दर्ज करवाया था। जिसको लेकर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के आदेशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्रसिंह भाटी के निर्देशन एवं डीवाईएसपी मृत्युन्जय मिश्रा के सुपरविजन में गठित पुलिस टीम ने दिल्ली, आगरा, फरीदाबाद व गाजियाबाद सहित कई शहारों में आरोपियों की तलाश की। आरोपी की तलाश के लिए मुखबिर की सूचना पर तकनीकि संसाधनों एवं फिल्ड आसूचना के आधार पर आरोपी अनुज कुमार त्यागी पुत्र कांति प्रसाद त्यागी निवासी बैंक कॉलोनी गोविन्दपुरम गाजियाबाद थाना मधुवन बापूधाम जिला गाजियाबाद उत्तरप्रदेश हाल निवासी रॉयल गार्डन थाना मसूरी जिला गाजियाबाद उत्तरप्रदेश को गाजिया बाद से गिरफ्तार किया है। आरोपी से कड़ी पूछताछ जारी है। उन्होंने बताया कि आरोपी डाटा सेंटर खोलने के बहाने सीनाव क्लाउड टेक्नोलोजी प्रा. लि में निवेश करने का प्रलोभन देकर निवेश राशि को धोखाधड़ीपूर्वक हड़पता था। उन्होंने बताया कि आरोपी के विरूद्ध कवि नगर जिला गाजियाबाद में दो मामले दर्ज है।

पुलिस ने धोखाधड़ी करने के आरोपी को गिरफ्तार किया।

पुजारी की हत्या करने का आरोपी रिमांड पर

- दो साल से फरार था आरोपी, पहले भी तीन मामले दर्ज हैं

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायपुर थाना क्षेत्र के चामुंडा माता मंदिर पुजारी की पीट-पीट कर हत्या करने के आरोपी पिंटू को शुक्रवार को अदालत में पेश कर तीन दिन रिमांड पर लिया गया।

रायपुर पुलिस के अनुसार, रायपुर कस्बे में चामुंडा माता मंदिर के पुजारी सुखानाथ (62) पुत्र हजारीनाथ योगी पर बुधवार देर शाम रायपुर निवासी पिंटू पुत्र नगजीराम सैन ने हनुमानजी की गदा से ताबड़तोड़ हमला किया। इससे वे गंभीर रूप से घायल हो गये। पुजारी योगी ने एमजी हॉस्पिटल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। मृतक के भतीजे केमूनिया निवासी लक्ष्मण पुत्र भैंरूनाथ योगी ने पिंटू सैन के खिलाफ जानलेवा हमला कर हत्या करने का मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने इस मामले में गुरुवार को ही आरोपित पिंटू को गिरफ्तार कर लिया था। आरोपी को शुक्रवार को रायपुर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे तीन दिन रिमांड पर भेज दिया गया।

कप्तान शुभमन गिल को अच्छे से खेलते हुए टीम के लिए स्टैंड लेना होगा। -2025 के टॉप-5 ऑरेंज कैप होल्डर में 3 बल्लेबाज गुजरात टाइटंस के हैं। टीम के टॉप बैटर्स तो फॉर्म में हैं। - सुरेश रैना

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, शुभमन गिल के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

मिचेल स्टार्क

दिल्ली कैपिटल्स की उम्मीदों को लगा बड़ा झटका, ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ मिचेल स्टार्क ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल को देखते हुए इंडियन प्रीमियर लीग में फिर से खेलने से इनकार करते हुए भारत नहीं लौटने का फैसला किया है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सूत्रों ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और स्टार बल्लेबाज ट्रैविस हेड दोनों आईपीएल में अपने शेष मैच खेलने के लिए वापस भारत जायेंगे। सनराइजर्स हैदराबाद का फाइनल में नहीं पहुंचना तय है। इसलिये हैदराबाद की टीम के खिलाड़ियों की समय सीमा 25 मई को पूरी हो जायेगी।

क्या आप जानते हैं ?... रोनाल्डो अब पुरुषों के पेशेवर खेल के इतिहास में आधिकारिक प्रतियोगिताओं में 900 गोल करने वाले पहले खिलाड़ी हैं।

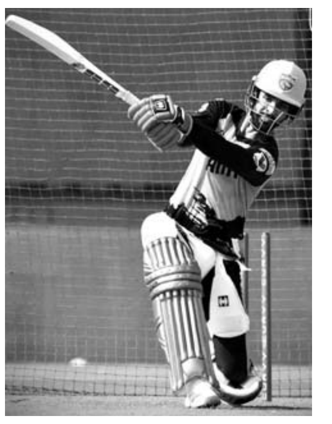

राजस्थान रॉयल्स और पंजाब किंग्स के खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र में जमकर पसीना बहाया, जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में 18 मई को होगा दोनों के बीच मुकाबला।

राजस्थान रॉयल्स 18 को जयपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ अपना आखिरी घरेलू मैच खेलेगी

जयपुर, 16 मई। राजस्थान रॉयल्स जयपुर में आईपीएल 2025 सीज़न का अपना अंतिम घरेलू मैच खेलने के लिए पूरी तरह तैयार है, जहाँ 18 मई को सवाई मानसिंह स्टेडियम में पंजाब किंग्स के साथ रोमांचक मुक़ाबला होगा। टाटा आईपीएल 2025 का लीग स्टेज अपने समापन की ओर बढ़ रहा है, राजस्थान के फैंस के पास अपने पसंदीदा रॉयल्स को एक्शन में देखने का एक अंतिम अवसर होगा। इस मैच में कप्तान संजू सैमसन, भारतीय स्टार यशस्वी जायसवाल, रियान पराग, निडर युवा वैभव सूर्यवंशी और कई अन्य बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी शामिल होंगे – जो हाई क्वालिटी वाले क्रिकेट के इस यादगार दिन को यादगार बना देंगे। 16 मई मैच डे के लिए जारी किए गए सभी टिकट 18 मई को पुनर्निर्धारित खेल के लिए मान्य रहेंगे। फैंस को कोई अतिरिक्त कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है; बस अपने मूल रूप से जारी किए गए टिकट को स्टेडियम में ले जाएं और क्रिकेट और जश्न की एक अविस्मरणीय दोपहर का आनंद लें। बुकमायशो पर अभी भी सीमित टिकट उपलब्ध हैं, इस सीजन में जयपुर में रॉयल्स के आखिरी घरेलू मुकाबले को देखने से न चूकें!

गिल या पंत में से किसी एक को टेस्ट टीम की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए : शास्त्री

मुंबई, 16 मई। भारतीय टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने रोहित शर्मा के संन्यास के बाद शुभमन गिल और ऋषभ पंत का समर्थन करते हुए कहा कि इनमें से किसी एक को टेस्ट टीम के कप्तान की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए। आईसीसी पोर्टल से बातचीत में शास्त्री ने चयनकर्ताओं से भविष्य की सोच अपनाने का आठाह किया और कहा कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पर नेतृत्व का दबाव नहीं डाले जाना चाहिए।

शास्त्री ने कहा, मेरे लिए, ऑस्ट्रेलिया के बाद जसप्रीत स्पष्ट विकल्प होता। लेकिन मैं नहीं चाहता कि जसप्रीत को कप्तान बनाया जाए और फिर आप उसे गेंदबाज के रूप में खो दें। उन्होंने तेज गेंदबाज की पीठ की चोट का जिक्र करते हुए कहा , उन्हें एक बार में एक खेल के लिए अपने शरीर पर ध्यान देना होगा... और आखिरी चीज जो आप चाहते हैं वह यह है कि कप्तान होने के नाते उनके दिमाग पर दबाव न हो।

उन्होंने कहा कि बुमराह की बजाय 25 वर्षीय गिल और 26 वर्षीय पंत के लिए पिच की, दोनों के पास एक दशक का क्रिकेट और आईपीएल कप्तानी का अनुभव है 'गिल गुजरात टाइटन्स का नेतृत्व कर रहे हैं और पंत लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी कर रहे हैं।' पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने कहा, आप किसी को तैयार करते हैं शुभमन बहुत अच्छा लग रहा है। उसे मौका दें। ऋषभ भी है। इन दोनों पर मैं उनकी उम्र के कारण स्पष्ट रूप से विचार कर रहा हूं।'' गिल के स्वभाव और धैर्य की प्रशंसा करते हुए शास्त्री ने युवा बल्लेबाज के विदेशी परिस्थितियों में प्रदर्शन को लेकर चिंताओं को खारिज कर दिया। शास्त्री ने कहा, लोग कहते हैं कि उन्होंने विदेशों में रन नहीं बनाए हैं। मैं उनसे कहता हूं, अपना खुद का रिकॉर्ड देखें। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं – वह आखिरकार रन बनाएंगे।

खेलो इंडिया राष्ट्रीय बीच सॉकर गेम्स दमन और दीप में खेलेगी राजस्थान की महिला व पुरुष टीम

जयपुर, 16 मई। राष्ट्रीय बीच सॉकर खेलो इंडिया गेम्स का आयोजन पहली बार दमन और दीप में होने जा रहा है में 19 से 24 मई तक किया जाएगा। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए राजस्थान की 24 सदस्यीय टीम दमन और दीप के लिए बालिका टीम जयपुर से ओर पुरुष टीम जोधपुर रवाना हो गई है। राजस्थान फुटबाल एसोसिएशन के सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि पहले राष्ट्रीय बीच सॉकर खेलो इंडिया गेम्स दमन और दीप में हो रहे है राजस्थान महिला टीम का नेतृत्व संजू करेंगी ओर पुरुष टीम का नेतृत्व अमित गोदारा करेंगे । राजस्थान महिला खिलाड़ियों के नाम महक सैन, संजू, भावना, निशा, मरुधर ,लक्ष्मी, गुड्डू, मैना, मनीषा, सोनिका, सीमा,दीपा, कोच विक्रम सिंह राजवी, और मीनू सोलंकी, और फिजियो निकिता। पुरुष टीम अमित गोदारा, संदीप सिंह, कृष्णा, विपिन कुमार, अमित जाखड़, मुकेश, मिलन पुनिया, राहुल, भरत ओझा, विनायक सर्वण, अभराजसिंह प्रबन्धक हरीराम, कोच विनोद कुमार, सहायक कोच मितकमल, ओर पाबूराम।

17वीं अंडर-19 नंद सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग : भदोरिया एकेडमी ने नारायणा एकेडमी को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया

जयपुर, 16 मई। 17वी अंडर-19 राज्य स्तरीय नन्द सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग में आज खेले गए मैच में नारायणा ग्राउंड पर भदोरिया एकेडमी ने नारायणा एकेडमी को दो विकेट से हराकर सेमी फाइनल में प्रवेश किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज़ी करते हुए नारायणा एकेडमी ने आदित्य सैनी 38, गुलशन जांगिड़ 30, यश खीचड़ 36 नवीन बूरी 15,रोशन सारन 10 रनो के सहयोग से 33 ओवर में 150 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।भदोरिया की ओर से शानदार गेंदबाजी करते हुए विकास जांगिड़, शिवम् सैनी ,चिराग तंवर, निखिल सिंह ने 2-2 विकेट लिए । लक्ष्य का पीछा करते हुए भदोरिया एकेडमी ने देवांक सिंह 55, ऋतिक 30, शिवम् 19, शिवांश सैनी 12 रनो के सहयोग से 38 ओवर में 8 विकेट पर 151 रन बनाकर जीत दर्ज की ।नारायणा एकेडमी की और से नवीन बूरी 3 ,रोशन सारन 2, आदित्य, साहिल, रोहित चौधरी ने 1-1 विकेट लिए। आज के मैच के प्लेयर ऑफ़ द मैच चिराग़ तंवर रहे।

आईपीएल 2025 के लीग मैचों के लिए मुस्तफिजुर को मिली अनुमति

ढाका, 16 मई। बंगलादेश के मुस्तफिजुर रहमान को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के लीग मैच के लिए दिल्ली कैपिटल्स की टीम के साथ जुड़ने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र मिल गया है। बंगलादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीसी) ने शुक्रवार को जारी एक बयान यह जानकारी देते हुए बताया कि मुस्तफिजुर को 18 मई से 24 मई तक दिल्ली कैपिटल्स के साथ जुड़ने की अनुमति मिल गई है। अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने के मिचेल स्टार्क की अनुपस्थिति में मुस्तफिजुर के लिए शेष तीन मुकबलों के लिए उपलब्ध रहेंगे। हालांकि अगर दिल्ली की टीम प्लेऑफ में जगह बनाती है तो मुस्तफिजुर इस मुकाबले के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। बीसीबी ने बताया है कि भारत के लिए रवाना होने से पहले मुस्तफिजुर शनिवार को शारजाह में यूएई के खिलाफ पहले टी-20 मैच खेलेंगे। हालांकि 18 मई को भारत पहुंचने के बाद वह उसी शाम दिल्ली के मैच के लिए उपलब्ध होंगे या नहीं इसको लेकर संशय है। उल्लेखनीय है कि दिल्ली कैपिटल्स ने इसी सप्ताह मुस्तफिजुर को अस्थाई रिप्लेसमेंट के तौर पर टीम से जोड़ा था लेकिन बीसीबी की ओर से अनापत्ति प्रमाण पत्र नहीं मिलने के कारण उनकी उपलब्धता पर संशय बना हुआ था।

इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया-ए टीम की कमान अभिमन्यु ईश्वरन को

मुम्बई, 16 मई। अभिमन्यु ईश्वरन की अगुवाई में इंडिया ए टीम इंग्लैंड दौरे पर जायेंगी। इस टीम करूण नायर को भी शामिल किया गया है। शुभमन गिल और बी साई सुदर्शन दौरे पर दूसरे मैच से पहले टीम के साथ जुड़ेंगे।

चयनकर्ताओं ने आज इंग्लैंड दौरे के लिए 16 सदस्यीय इंडिया ए टीम की घोषणा की।इस दौरे पर इंडिया ए टीम दौरे पर इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दो प्रथम श्रेणी मैच और भारतीय सीनियर टीम के साथ एक इंट्रा स्क्वाड मैच भी खेलना है। इंडिया ए के टीम में सीनियर पुरुष टेस्ट टीम का नियमित तौर पर हिस्सा खिलाड़ियों में यशस्वी जायसवाल और सरफराज खान भी मौजूद हैं।

इसके साथ ही ऑस्ट्रेलिया टेस्ट दौरे पर गए हर्षित राणा और नीतीश कुमार रेड्डी को भी इंडिया ए के दल में जगह दी गई है। जबकि ऋतुराज गायकवाड़ और शार्दुल ठाकुर भी इंग्लैंड जाने वाले इंडिया ए दल का हिस्सा होंगे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज खलील अहमद और अंशुल काम्बोज भी इस टीम में शामिल हैं। विकेटकीपर के रूप में ईशान किशन और ध्रुव जुरेल भी इस 18 सदस्यीय दल का हिस्सा हैं। उन्हें इंडिया ए का उपकप्तान बनाया गया है।

इंग्लैंड दौरे के लिए इंडिया ए टीम इस प्रकार है:- अभिमन्यू ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर और उपकप्तान), नीतीश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन (विकेटकीपर), मानव सुथार, तनुष कोटियान, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल काम्बोज, खलील अहमद, ऋतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे और हर्ष दुबे।

प्रीमियर लीग में केवल कप्तानों को रेफरी से बात करने की अनुमति

लंदन, 16 मई। प्रीमियर लीग सीजन 2025-26 में केवल कप्तानों को ही खेल के प्रमुख फैसलों के बारे में रेफरी से बात करने की अनुमति होगी। आईएफएबी ने कहा है कि नये नियमों के तहत खेल के प्रमुख फैसलों के बारे में रेफरी से बात करने की अनुमति होगी। आईएफएबी ने एक बयान में कहा, इन नए दिशानिर्देशों को खेल के नियमों 2025-26 में शामिल किया जाएगा, ताकि उन प्रतियोगिताओं में केवल कप्तान द्वारा विशिष्ट परिस्थितियों में रेफरी के पास जाने के सिद्धांत को लागू किया जा सके। उन्होंने कहा, ये नए दिशानिर्देश एक जुलाई 2025 से प्रभावी होंगे, लेकिन उस तिथि से पहले शुरू होने वाली प्रतियोगिताएं इन्हें पहले लागू कर सकती हैं।

आरसीबी की नजर प्लेऑफ पर, केकेआर के लिए होगी आर-पार की जंग

बेंगलुरु, 16 मई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शनिवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु प्लेऑफ में जगह पक्की करने उतरेगी वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स को टूर्नामेंट में बने रहने के लिए यह मैच हर हाल में जीतना होगा। पाकिस्तान के साथ तनाव के कारण एक सप्ताह के लिये स्थिगित हुए आईपीएल में ब्रेक के बाद आरसीबी के लिए अच्छी खबर रहीं उसने दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी के साथ मयंक अग्रवाल, अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और ऑलराउंडर स्वप्निल सिंह का स्वागत किया है। इससे उनकी टीम मजबूत हुई है। आरसीबी अपने पिछले पांच मैचों में से चार जीत से उत्साहित है। आरसीबी फिलहाल 11 मैचों में 16 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर है।

बंगाल वारियर्स ने नवीन कुमार को टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया

मुंबई, 16 मई। बंगाल वॉरियर्स ने प्रो कबड्डी लीग के अगले सीजन के लिए नवीन कुमार को टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। हरियाणा से ताल्लुक रखने वाले कबड्डी के दिग्गज खिलाड़ी नवीन कुमार का एथलीट और कोच दोनों का अच्छा खासा अनुभव है। फ्रैंचाइजी का मानना है कि उनकी जानकारी, जीतने की मानसिकता और जूझारू क्षमता वॉरियर्स के लिए फायदेमंद होगी।

बंगाल वॉरियर्स के नए कोच नवीन कुमार का खेल में शानदार ट्रैक रिकॉर्ड है। उन्होंने 10वें दक्षिण एशियाई खेलों (2006), 15वें एशियाई खेलों (2006), दूसरे विश्वकप (2007) और दूसरे इनडोर एशियाई खेलों (2007) सहित कई टूर्नामेंटों में स्वर्ण पदक जीते हैं।

कोच बनाये जाने पर नवीन कुमार ने कहा, बंगाल वॉरियर्स के साथ मुख्य कोच के रूप में जुड़कर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। यह एक मजबूत और प्रतिस्पर्धी टीम विकसित करने का एक रोमांचक अवसर है। मैं खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम करने और मैदान पर उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देखने के लिए उत्सुक हूँ। नए सत्र से पहले हमारे पास बहुत समय है और हम यह सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करेंगे कि वॉरियर्स एक चैंपियन टीम बने। बंगाल वॉरियर्स के मुख्य कार्यकारी अपूर्व गुप्ता ने कहा, नवीन कुमार अपने साथ बहुत सारा अनुभव और रणनीतिक विशेषज्ञता लेकर आए हैं, जो उन्हें हमारी टीम के लिए एक आदर्श नेतृत्व है।

19वीं सीनियर राज्य स्तरीय (पुरुष / महिला) वुशू प्रतियोगिता का शुभारंभ

जयपुर, 16 मई। राजस्थान वुशू संघ व डीडवाना-कुचामन वुशू संघ के तत्वावधान में दिनांक 16 से 18 मई 2025 तक कुचामन पी.जी कॉलेज, कुचामन सिटी में आयोजित, 19वी सीनियर राज्य स्तरीय (पुरुष/ महिला) वुशू प्रतियोगिता का आज शुभारम्भ हुआ। समारोह के मुख्य अतिथि हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष राजस्थान वुशू संघ व कार्यक्रम की अध्यक्षता ओमप्रकाश जी काबरा, ने की तथा समारोह के विशिष्ट अतिथि विजय सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ व राजेश कुमार टेलर कोच भारतीय वुशू टीम, शंकर सिंह नरुका, सुरेश जी डोसी, रणवीर सिंह राठौर, राजेश चौधरी एवं प्रदीप चौधरी उपस्थित रहे। हीरानंद कटारिया, अध्यक्ष राजस्थान वुशू संघ ने बताया की इस प्रतियोगिता के विजेता खिलाडियों का चयन दिनांक 14 से 19 जून तक जयपुर में आयोजित होने वाली 34वी सीनियर राष्ट्रीय वुशू प्रतियोगिता में भाग लेने वाले राजस्थान वुशू टीम में किया जायेगा। धीरेन्द्र सिंह, आयोजन सचिव ने समारोह के सभी अतिथियो का स्वागत किया।

आज प्रारम्भिक मुकाबलो के परिणाम इस प्रकार है -

शानशु (पुरुष), 60 किलोग्राम

1. नितेश (सीकर) ने यशपाल (बाड़मेर) को 2-0 से हराया
2. मयंक (धौलपुर) नें नीरज (डीडवाना कुचामन) को 2-0 से हराया
3. फरदीन (झुंझुनू) ने गणेश (जोधपुर) को 2-1 से हराया
4. विक्रम (हनुमानगढ़) ने राकेश (दौसा) को 2-0 से हराया
5. नीरज (नागौर) ने पंकज (पाली) को 2-0 से हराया।

27वीं नवीन-नफीस ईनामी राशि लीग कम नॉकआउट क्रिकेट प्रतियोगिता
शुभम, प्रद्यूमन के अर्द्धशतकों व हर्षित की गेंदबाजी से नीरजा मोदी जीता

जयपुर, 16 मई। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित 27वीं नवीन-नफीस स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में आज आरावली क्रिकेट ग्राउण्ड, हाथोज, जयपुर पर खेले गये पूल-एफ के मैच में शुभम गढ़वाल 61 रन, प्रध्यूमन सिंह 58 रन नाबाद के अद्धर्शतकों तथा हर्षित शर्मा 35 रन पर 3 विकेट तथा अमित वर्मा 24 रन पर 2 विकेट की गेंदबाजी की बदौलत नीरजा मोदी क्रिकेट एकेडमी ने राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी को 7 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीत कर राजीव गांधी क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये सचिन यादव 75 रन (45 गेंद 9 चौके, 2 छक्के), रौनक राकेश गुप्ता 33 रन, निशान्त गुर्जर 14 रन, श्याम सुन्दर 12 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवरों में 6 विकेट खोकर 163 रन बनाये। गेंदबाजी में नीरजा मोदी क्रिकेट एकेडमी की ओर से हर्षित शर्मा 35 रन पर 3 विकेट तथा अमित वर्मा 24 रन पर 2 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। 164 रन के विजय लक्ष्य को लेकर उतरी नीरजा मोदी क्रिकेट एकेडमी की टीम ने आते ही तेजी से रन बनाकर 5.2 ओवर में 64 रन जोड़कर कप्तान सचिन देव सिंघल 15 रन बनाकर आउट हुए, 82 रन के स्कोर पर शुभम गढ़वाल 61 रन (31 गेंद 9 चौक, 2 छक्के) के आउट होने के बाद प्रध्यूमन सिंह 58 रन नाबाद (35 गेंद 7 चौके, 2 छक्के), चिराग शर्मा 22 रन की मदद से विजय लक्ष्य 16.4 ओवर में 3 विकेट खोकर 184 रन बनाकर हासिल कर 7 विकेट से जीत दर्ज की। गेंदबाजी में राजीव क्रिकेट गांधी एकेडमी की ओर से देवांक सिंह 18 रन पर 1 विकेट, राहुल जाट 20 रन पर 1 विकेट, सचिन यादव 30 रन पर 1 विकेट लेकर सफल गेंदबाज रहे। मैन ऑफ दा मैच शुभम गढ़वाल नीरजा मोदी एकेडमी रहे।

पीकेएल सीजन 12 के लिए 31 मई से 1 जून को होगी खिलाड़ियों की नीलामी

मुम्बई, 16 मई। प्रो कबड्डी लीग सीजन 12 के लिए मुम्बई में 31 मई और एक जून को खिलाड़ियों की नीलामी होगी। मशाल स्पोर्ट्स ने आज आगामी प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीजन 12 के लिए खिलाड़ियों के नीलामी की तारीखों की घोषणा कर दी। सीजन 12 की यह नीलामी एक और शानदार सीजन की शुरुआत का संकेत है। एक बार फिर चैंपियन टीम अपनी ट्रॉफी बचाने उतरेगी और देश-विदेश से जुड़े प्रशंसक कबड्डी के जोश को नए स्तर पर ले जाएंगे। प्रो कब्बडी के नये सत्र को लेकर मशाल के बिजनेस हेड और प्रो कबड्डी लीग के लीग अध्यक्ष अनुपम गोस्वामी ने कहा, हम पीकेएल सीजन 12 के खिलाड़ियों की नीलामी की तारीखों की घोषणा करते हुए खुश हैं।

फडणवीस ने किया वानखेड़े स्टेडियम में रोहित स्टैंड का उद्घाटन

मुम्बई, 16 मई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शुक्रवार को वानखेड़े स्टेडियम में भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के नाम वाले स्टैंड का उद्घाटन किया। हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले रोहित शर्मा के नाम पर वानखेड़े स्टेडियम के दिवेचा पवेलियन लेवल-3 का नाम अब रोहित शर्मा स्टैंड रखा गया है। इस नामकरण के तहत रोहित शर्मा के शानदार क्रिकेट करियर को सम्मानित किया गया है। समारोह में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी प्रमुख शरद पवार और अन्य गणमान्य व्यक्ति में मौजूद थे।

इस अवसर पर रोहित परिवार के साथ वहां मौजूद थे। भावुक रोहित शर्मा ने कहा की यह एक अविश्वसनीय पल है उन्होंने इस बारे में कभी अपने सपने में भी नहीं सोचा था। इतने सारे लोगों के सामने इस बड़े सम्मान को पाना सुखद है। इस के साथ रोहित शर्मा अब क्रिकेट के उन दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं जिनके नाम पर वानखेड़े स्टेडियम में स्टैंड बने हैं। इन खिलाड़ियों में सचिन तेंदुलकर, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर और विजय मर्चेंट शामिल हैं।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में प्रतिस्पर्धा के लिए पारदर्शी रास्ता निकाले : क्रिकेट वेस्टइंडीज

पोर्ट ऑफ स्पेन, 16 मई। क्रिकेट वेस्टइंडीज (सीडब्ल्यूसी) ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में होने वाली क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल होने के लिये साफ और पारदर्शी रास्ता निकालने की मांग की है।

सीडब्ल्यूसी अध्यक्ष ने कहा, कैरेबियाई टीम ने ओलंपिक में हमेशा अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है और अपनी एथलेटिक प्रतिभा से दुनिया को प्रेरित किया है। 2028 खेलों में क्रिकेट की वापसी हमारे युवा क्रिकेटरों को उसी सपने से वंचित नहीं कर सकती जिसने हमारे एथलीटों को प्रेरित किया है। ओलंपिक चार्टर निष्पक्षता, पारदर्शिता पर जोर देता है। हम बस यही मांग कर रहे हैं कि इन सिद्धांतों को न केवल भावना में बल्कि संरचना में भी बरकरार रखा जाए। वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए रास्ता निकाला जाना चाहिए और प्रतिस्पर्धा करने का हकदार है।

वेस्टइंडीज, कैरेबियाई द्वीप के रूप में आता हैं और इसके क्रिकेट का संचालन क्रिकेट वेस्टइंडीज बोर्ड (सीडब्ल्यूआई) करता है, लेकिन केवल संप्रभु राष्ट्रों को ही ओलंपिक खेलों में भाग लेने की अनुमति है। पूर्व घोषणा के अनुसार लॉस ऐंजिलिस ओलंपिक में पुरुष और महिला वर्ग की टी-20 प्रतिस्पर्धा में केवल छह देश हिस्सा लेंगे। आईसीसी ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 को दिए गए अपने प्रस्ताव में सुझाव दिया था कि छह टीमों को कट-ऑफ तारीख पर टी- 20 रैंकिंग के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया जाए। लेकिन इस पर अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ है।

पाओलिनी और गॉफ के बीच होगी इटेलियन ओपन में खिताबी भिड़ंत

रोम, 16 मई। इटली की स्टार टेनिस खिलाड़ी जैस्मीन पाओलिनी और अमेरिका की कोको गॉफ शनिवार को इटैलियन ओपन में महिला एकल के फाइनल में भिड़ेंगी। पाओलिनी ने गुरुवार को महिला एकल में पीटन स्टर्न्स के खिलाफ 7-5, 6-1 की जीत दर्ज कर खिताबी मुकाबले में जगह बनाई थी। वह इस जीत के साथ ही 2014 के बाद इस टूर्नामेंट के एकल के फाइनल में पहुंचने वाली इटली की पहली महिला बन गई हैं। दुनिया की पांचवें नंबर की खिलाड़ी पाओलिनी को शुरुआती दौर में संघर्ष करना पड़ा और ओपनर में 5-3 से पिछड़ने पर उन्हें सेट प्वाइंट का सामना करना पड़ा, लेकिन गॉफ सर्विस नहीं बचा पाईं। पाओलिनी ने घरेलु दर्शकों के बीच पहले सेट में बढ़त बनाकर आत्मविश्वास हासिल किया और दूसरे सेट में दबदबा बनाया। पाओलिनी ने गॉफ के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला जीत लिया। फाइनल में पाओलिनी का सामना चौथी वरीयता प्राप्त गॉफ से होगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आज बीकानेर में

वे तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे व करणी माता की पूजा-अर्चना करेंगे

बीकानेर/जयपुर, 16 मई (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को बीकानेर जिले के दौरे पर रहेंगे और जिले के देशनोक में भारतीय सेना के सम्मान में आयोजित भव्य तिरंगा यात्रा में शामिल होकर देश के वीर जवानों के साहस और पराक्रम को नमन करेंगे।

जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार दोपहर 12:30 बजे जयपुर एयरपोर्ट से प्रस्थान कर दोपहर 1:10 बजे नाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से दोपहर 1.15 बजे प्रस्थान कर, वे दोपहर 1:35 बजे रिद्धि सिद्धि भवन में स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगे।

दोपहर 3:35 बजे यहां से प्रस्थान कर सायं 4 बजे वे पलाना गांव में एक

- **मुख्यमंत्री जयपुर से बीकानेर नाल एयरपोर्ट पर दोपहर 1:10 बजे पहुँचेगे तथा कार्यक्रमों में भाग लेने के बाद सायं 7:20 बजे नाल एयरपोर्ट से जयपुर के लिये प्रस्थान करेंगे।**

स्थानीय कार्यक्रम में शिरकत करेंगे, जिसके बाद सायं 5:10 बजे देशनोक के करणी माता मंदिर में दर्शन करने के बाद, देशनोक में आयोजित तिरंगा यात्रा में शामिल होंगे। यहां से सायं 6:30 बजे प्रस्थान कर सायं 7:15 बजे नाल एयरपोर्ट पहुंचेंगे तथा सायं 7:20 बजे जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

उल्लेखनीय है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में भारतीय नागरिकों पर आतंकियों के कायरतापूर्ण हमले की जवाबी कार्रवाई "आपरेशन सिंदूर" में भारतीय सेना ने अदम्य साहस और बहादुरी का परिचय दिया था। इस ऑपरेशन की गौरवमयी सफलता पर देशभर में सेना के सम्मान में तिरंगा यात्राएं आयोजित की जा रही हैं। इसी श्रृंखला में बीकानेर के देशनोक में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान, मुख्यमंत्री देशनोक स्थित करणी माता मंदिर में भी दर्शन कर पूजा-अर्चना करेंगे।

जगद्गुरु रामभद्राचार्य और गीतकार गुलज़ार को ज्ञानपीठ सम्मान

नयी दिल्ली, 16 मई । राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को यहां एक समारोह में संस्कृत के विद्वान जगद्गुरु रामभद्राचार्य को 58वें ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया।

राष्ट्रपति मुर्मु ने इस अवसर पर जगद्गुरु रामभद्राचार्य जी और गीतकार गुलज़ार को भी बधाई दी जो अस्वस्थ होने के कारण पुरस्कार समारोह में शामिल नहीं हो सके। उन्होंने गुलज़ार जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

मुर्मु ने 1965 से विभिन्न भारतीय भाषाओं के उत्कृष्ट साहित्यकारों को पुरस्कृत करने के लिए भारतीय ज्ञानपीठ ट्रस्ट की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाओं में उत्कृष्ट साहित्यकारों को पुरस्कृत करने की प्रक्रिया में भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार के चयनकर्ताओं ने सर्वश्रेष्ठ साहित्यकारों का चयन किया है और इस पुरस्कार की गरिमा को बनाए रखा है।

गुजरात समाचार, मालिक, बाहुबलि शाह की ईडी द्वारा गिरफ्तारी को राहुल गांधी ने भारी "साज़िश" बताया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 मई एन्फोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ईडी) द्वारा गुरुवार देर रात गुजरात समाचार अखबार के मालिक बाहुबली शाह की गिरफ्तारी की चारों ओर से निंदा की जा रही है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आज इस कार्रवाई को सभी लोकतांत्रिक आवाज़ों के खिलाफ एक साज़िश करार दिया।

ईडी ने बाहुबली शाह को, जो अपने भाई श्रेयांश शाह के साथ इस प्रभावशाली अखबार के सह-मालिक हैं, 2016 से जुड़े एक सेबी मामले में गिरफ्तार किया। विपक्षी नेताओं का कहना है कि गिरफ्तारी का समय कई अनुत्तिरत सवाल उठाता है।

राहुल गांधी ने हिंदी में सोशल मीडिया पर लिखा, गुजरात समाचार को चुप कराने की कोशिश सिर्फ एक अखबार को बंद करने की कोशिश नहीं है, बल्कि यह सभी लोकतांत्रिक आवाज़ों के खिलाफ साज़िश है। जब वो अखबार, जो सत्ता को आईना दिखाते हैं, उन्हें बंद किया जाता है, तो यह लोकतंत्र के खतरे में होने का संकेत है।

उन्होंने आगे कहा, "बाहुबली शाह की गिरफ्तारी डर की राजनीति का हिस्सा है, जो नरेन्द्र मोदी सरकार की पहचान बन चुका है। देश डर और डंडे से नहीं चलेगा, बल्कि सत्य और संविधान से चलेगा।"

गुजरात कांग्रेस नेता जिग्नेश मेवाणी ने गिरफ्तारी को बेहद शर्मनाक बताया।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, ईडी ने आज गुजरात के सबसे बड़े

- **पत्रकारिता से जुड़े लगभग सभी संगठन व संस्थाओं, जैसे प्रेस क्लब ऑफ इण्डिया, वुमन्स प्रेस कॉर्प्स प्रेस एसोसिएशन, एडिटर्स गिल्ड, डैल्ही यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, केरला यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स आदि ने गुजरात के सबसे बड़े व प्रमुख अखबार के मालिक की ईडी द्वारा गिरफ्तारी को "जनता की आवाज़" दबाने की साज़िश बताया।**

अखबार गुजरात समाचार के मालिक बाहुबली शाह को गिरफ्तार किया है, जो बेहद शर्मनाक है। हम गुजरात समाचार के साथ खड़े है। यह गिरफ्तारी बदले की भावना से की गई है, क्योंकि इस अखबार ने पिछले 25 वर्षों से मोदी-शाह की नीतियों की आलोचना कर दिखाई है।

शाह बंधुओं के घर और दफ्तरों पर ईडी और इनकम टैक्स छापों के बाद गिरफ्तारी हुई है।

प्रख्यात गुजराती पत्रकार और एडिटर्स गिल्ड ऑफ इंडिया की सदस्य शीला भट्ट ने एक्स पर लिखा, "सरकार द्वारा उठाया गया यह एक गंभीर कदम है। गिरफ्तारी के कारण अब तक स्पष्ट नहीं हैं। गिरफ्तारी के बाद बाहुबली शाह को जांच के लिए सरकारी वी.एस. अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उनकी तबीयत बिगड़ गई, और फिर उन्हें ज़ायडस अस्पताल में भर्ती कराया गया। फिलहाल, श्रेयांश शाह ज़ायडस अस्पताल में बाहुबली शाह की देखभाल कर रहे हैं। श्रेयांश शाह ने मीडिया को बताया कि वे "लड़ाई जारी रखेंगे।" दोनों भाईयों के पास अखबार के अलावा अन्य व्यवसाय भी हैं। श्रेयांश शाह को गुजरात की राजनीति का सबसे तेज दिमाग माना जाता है।"

ज्ञातव्य है कि इस महीने ही सुप्रीम कोर्ट द्वारा ईडी के मामलों में आरोप लगाने के पैटर्न पर सवाल उठाया गया था। न्यायमूर्ति अभय ओका ने 2,000 करोड़ रुपये के छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में मनी लॉन्ड्रिंग आरोपी की ज़मानत याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा था, हमने की कई शिकायतें देखी हैं। इसमें एक पैटर्न है, केवल आरोप लगाना, किसी ठोस संदर्भ के बिना।

कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने भी एक्स पर लिखा, "ऐसा प्रतीत होता है कि गुजरात के प्रमुख अखबार गुजरात समाचार पर रेड और कंपनी के निदेशक बाहुबली शाह की गिरफ्तारी, लोगों की आवाज़ छीनने की कोशिश है। क्या भाजपा सरकार चाहती है कि कोई विपक्ष न हो, कोई मीडिया न हो और जनता की आवाज़ उठाने वाला कोई न हो? उन्हें याद रखना चाहिए कि भारत एक संवैधानिक लोकतंत्र है और जनता की आवाज़ को कुचला नहीं जा सकता।

गुजरात समाचार के मालिक बाहुबली शाह की ईडी द्वारा गिरफ्तारी पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रेस क्लब ऑफ इंडिया, इंडियन वीमेन प्रेस कॉर्प्स, प्रेस एसोसिएशन, दिल्ली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, केरल यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स, वर्किंग न्यूज़ कैमरा पर्सन एसोसिएशन ने कहा कि यह कार्रवाई भारत में स्वतंत्र अभिव्यक्ति के अधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों पर एक गंभीर हमला है।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के अध्यक्ष गौतम लाहिड़ी द्वारा हस्ताक्षिरत संयुक्त बयान में कहा गया कि गुजरात समाचार, जो स्वतंत्र पत्रकारिता की लंबी विरासत रखने वाला एक सम्मानित प्रकाशन है, गुजरात और उसके बाहर के लोगों की एक सशक्त आवाज़ रहा है। बयान में कहा गया, "एक बार फिर, ईडी की गिरफ्तारी मीडिया हाउसों को दबाने और असहमति की आवाज़ों को खामोश करने के लिए राज्य तंत्र के दुरुपयोग पर सवाल उठाती है।"

बयान में यह भी कहा गया कि ईडी और अन्य एजेंसियों द्वारा बार-बार मीडिया को निशाना बनाना संविधान में निहित लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों को कमजोर करता है और संस्थानों में जनता के विश्वास को चोट पहुंचाता है।

गौतम लाहिड़ी ने आरोपों के बारे में पूरी पारदर्शिता की मांग करते हुए, अधिकारियों से प्रक्रिया की निष्पक्षता और कानून के शासन के पालन की अपील की।

बयान में कहा गया कि लोकतंत्र में सत्ता की जवाबदेही तय करने में मीडिया की अहम् भूमिका होती है। मीडिया को कुचलना तथा पत्रकारों को गिरफ्तार किया जाना बंद होना चाहिए। अंत में, बयान में सरकार से प्रेस की स्वतंत्रता की रक्षा करने और बाहुबली शाह को तुरंत रिहा करने की मांग की गई, जब तक कि पारदर्शी तरीके से कोई विश्वसनीय साक्ष्य पेश न किया जाए।

शशि थरुर भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के आधिकारिक विचार नहीं हैं।

थरुर को प्रतिनिधिमंडल का नेता बनाये जाने की केन्द्र सरकार की पेशकश को नुकसान रहित सामान्य प्रक्रिया माना जा रहा है, क्योंकि वे विदेशी मामलों से सम्बंधित संसद की स्थाई समिति के अध्यक्ष भी हैं, भले ही कांग्रेस के कुछ ग्रुप इसे, इस पूरे घटनाक्रम में एक राजनैतिक संदेश के रुप में देख रहे हों। थरुर के लिये राहत की बात यह है कि स्वयं कांग्रेस ने भी इस बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा बनने के लिए सहमति दे दी है, जो यूरोप के विभिन्न देशों सहित, अन्य कई देशों में जायेगा तथा वहाँ पाकिस्तानी आतंकवाद पर भारत का पक्ष रखेगा। पार्टी प्रवक्ता जयराम रमेश ने आज इस बात की पुष्टि कर दी कि संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने इस सम्बंध में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से बात की थी तथा "कांग्रेस निश्चित रुप से इस (प्रतिनिधिमंडल) का हिस्सा रहेगी।" थरुर ने स्वयं भी इस मामले में सावधानी भरा रुख अपनाया है। उनके नजदीकी सूत्रों का कहना है कि उन्होंने सरकार से कह दिया था कि वह इस मामले में पहले कांग्रेस पार्टी से बात करे। उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऑपरेशन सिन्दूर और उसके बाद की स्थिति पर उनके विचार उनके "निजी विचार" थे।

कई प्रतिनिधिमंडल, जिनमें से प्रत्येक में 5-6 सांसद होंगे, विभिन्न देशों में जाकर पाक-समर्थित आतंकवाद पर भारत की स्थिति स्पष्ट करेंगे। आशा की जा रही है कि ये प्रतिनिधिमंडल 22 मई को भारत से रवाना होंगे तथा जून के प्रथम सप्ताह में वापस आ जायेंगे। इनमें शामिल सम्भावित सांसद हैं- समिक भट्टाचार्य, अनुराग ठाकुर, मनीष तिवारी, प्रियंका चतुर्वेदी, सम्बित पात्रा, सुप्रिया सुले तथा डी. पुरन्देश्वरी।

एकल पट्टा प्रकरण...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और सुनने का निवेदन किया। इस दौरान, अदालती समय पूरा होने पर अदालत ने मामले की सुनवाई जुलाई माह में रखी है। गौरतलब है कि टोडी रामजानीपुरा की 3.43 हेक्टर जमीन के एकल पट्टे के लिए पूर्व में जेडीए में आवेदन किया गया था। जमीन तय सीमा से अधिक होने के कारण जेडीए ने साल 2005 में प्रकरण राज्य सरकार को भेजा था, जिस पर राज्य सरकार ने पट्टा देने से इनकार कर दिया। वहीं, साल 2009 में आवेदन होने पर जेडीए ने मामले को पुनः राज्य सरकार के समक्ष भेजा। राज्य सरकार ने साल 2011 में पट्टा जारी कर दिया, जिसे साल 2013 में निरस्त कर दिया गया। वहीं, रामशरण सिंह ने साल 2014 में एसीबी में शिकायत दी थी। मामले में हाईकोर्ट ने 15 नवंबर, 2022 को शांति धारीवाल के खिलाफ कार्रवाई रद्द करते हुए, तत्कालीन अधिकारियों के खिलाफ लंबित मुकदमा वापस लेने को हरी झंडी दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में हाईकोर्ट के इन आदेशों को रद्द कर पुनः छह माह में सुनवाई पूरी करने को कहा था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को पुणे गए, वहां उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री वी. सतीश से उनके आवास पर मुलाकात की और उनकी माता स्नेहप्रभा वेलंकर को श्रद्धांजलि अर्पित की जिनका हाल ही में निधन हो गया था।

सेना के रक्षा बजट में 50 हजार करोड़ रु. की वृद्धि

इसके बाद कुल रक्षा बजट 7 लाख करोड़ रु. से अधिक हो जाएगा

नई दिल्ली, 16 मई। ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार रक्षा बजट को 50 हजार करोड़ रुपये का बूस्ट देने की तैयारी में है। सूत्रों के हवाले से खबर है कि ऑपरेशन सिंदूर के परिणामस्वरूप, भारत के रक्षा बजट में 50,000 करोड़ रुपये की वृद्धि हो सकती है। सूत्रों ने बताया कि यह वृद्धि संभवतः अनुपूरक बजट के माध्यम से प्रदान की जाएगी। इसके साथ ही, यह वृद्धि कुल रक्षा आवंटन को 7 लाख करोड़ रुपये से अधिक कर देगी।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1

- **समझा जाता है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत सरकार यह कदम उठाने पर गंभीरता से विचार कर रही है।**

फरवरी को पेश किए गए 2025-26 के बजट में सशस्त्र बलों के लिए रिकॉर्ड 6.81 लाख करोड़ रुपये निर्धारित किए गए थे। इस वर्ष का आवंटन पहले ही 2024/25 के 6.22 लाख करोड़ रुपये में 9.2 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। रिपोर्ट के अनुसार सूत्रों ने बताया कि बढ़ हुए बजट का उपयोग संभवतः अनुसंधान और विकास, तथा हथियार, गोला-बारूद और अन्य आवश्यक उपकरणों की खरीद के लिए किया जाएगा। इसके लिए संसद के शीतकालीन सत्र में मंजूरी मांगी जाएगी।

डिफेंस सेक्टर पर 2014 से ही नरेन्द्र मोदी सरकार का फोकस रहा है। भाजपा सरकार के पहले वर्ष 2014-15 में रक्षा मंत्रालय को 2.29 लाख करोड़ रुपये दिए गए थे। वर्तमान आवंटन सभी मंत्रालयों में सबसे अधिक है और कुल बजट का 13 प्रतिशत है।

भारत की रक्षा तैयारी और (संभावित) बजट आवंटन में वृद्धि, पाकिस्तान के साथ जारी तनाव के बीच हुई है। यह विशेष रूप से 22 अप्रैल के पहलगाम आतंकी हमले और भारत की सैन्य प्रतिक्रिया ऑपरेशन सिंदूर के बाद हुई है। ऑपरेशन सिंदूर में पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर में जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर ए तैयबा के आतंकी शिविरों को निशाना बनाया गया था

भारत ने चिनाब ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

परियोजनाओं के निर्माण को तेज़ कर दिया है, जो पाकिस्तान की कृषि अर्थव्यवस्था के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस्लामाबाद का बहुत कुछ दांव पर है। पाकिस्तान की 80 प्रतिशत से अधिक कृषि भूमि सिंधु नदी प्रणाली पर निर्भर है। नदी प्रवाह में कोई भी स्थायी कमी, चाहे वह संधि की सीमाओं के भीतर ही क्यों न हो, फसल चक्र को बाधित कर सकती है, भूजल भंडार को खत्म कर सकती है, और पंजाब तथा सिंध जैसे प्रमुख प्रांतों में जल संकट को और गहरा कर सकती है।

पाकिस्तान के जल संसाधन मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "इसका प्रभाव विनाशकारी हो सकता है। हम पहले ही जल संकट का सामना कर रहे हैं। यह हमें पूर्ण जल आपातकाल की ओर धकेल सकता है।"

जल विशेषज्ञों और भारत के पूर्व संधि वार्ताकारों का मानना है कि भारत सिंधु जल संधि के तहत गैर-उपभोगात्मक उपयोग, जैसे जलविद्युत उत्पादन, के लिए पश्चिमी नदियों का प्रयोग करने का पूर्ण अधिकार रखता है। हालांकि, हालिया बांध संचालन की समय-सीमा और बारंबारता ने इस्लामाबाद को चिंतित किया है, जो इसे एक तरह की दबाव नीति के रूप में देख रहा है।

भारत का कहना है कि सभी कार्य जल संधि के नियमों के अंतर्गत ही किए जा रहे हैं। लेकिन कुछ अधिकारी निजी तौर पर यह मानते हैं कि अब नई दिल्ली सिंधु जल प्रणाली में प्राप्त रणनैतिक बढ़त को नज़रअंदाज़ करने के मूड में नहीं है, खासकर तब जब आतंकी हमलों की जड़ें पाकिस्तान की जमीन से जुड़ी हैं। 1960 में वर्ल्ड बैंक की मध्यस्थता से हस्ताक्षरित सिंधु जल संधि अब तक युद्धों, संघर्षों और कूटनीतिक टूटनों के बावजूद जीवित रही है। इसे दुनिया के सबसे टिकाऊ जल-विभाजन समझौतों में से एक माना जाता है। लेकिन अब विश्लेषकों का मानना है कि इसकी सहनशक्ति पहले की कड़ी परीक्षा हो रही है, जैसा पहले कभी नहीं हुआ।

जैसे-जैसे हिमालयी बर्फ पिघलने लगती है और गर्मियों में सिंचाई की ज़रूरतें बढ़ती हैं, सीमा के दोनों ओर किसान नदी के जल स्तर पर नज़र बनाए हुए हैं। उनके साथ-साथ राजनयिक और वैश्विक पर्यवेक्षक भी स्थिति पर पैनी निगाह रखे हुए हैं। जो विवाद तकनीकी रूप से पानी छोड़ने के समय पर शुरू हुआ था, वह अब एक बड़े भू-राजनीतिक संकट में बदल सकता है, जिसकी गंभीरता पूरे क्षेत्र की स्थिरता के लिए खतरनाक हो सकती है।

अवमानना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उसने पूर्व में हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिस पर हाईकोर्ट की खंडपीठ ने 6 जनवरी, 2022 को राज्य सरकार को आदेश दिए थे कि वह प्रदेश या अन्य राज्य से याचिकाकर्ता को ब्रिज कोर्स कराए और पद खाली होने पर उसे नियुक्ति दे। इस आदेश को राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई, 2023 को राज्य सरकार की विशेष अनुमति याचिका को खारिज कर दिया। इस पर याचिकाकर्ता की ओर से अवमानना याचिका पेश कर कहा गया कि हाईकोर्ट के आदेश की पालना में याचिकाकर्ता को न तो ब्रिज कोर्स कराया और न ही उसे नियुक्ति दी। ऐसे में दोषी अवमाननाकर्ता अफसरों को दंडित कर अदालती आदेश की पालना सुनिश्चित कराई जाए। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ प्रारंभिक शिक्षा निदेशक को पेश होकर अपना जवाब देने को कहा है।

तीन माह में न्यायालय प्रबंधकों की नियुक्ति की जाए

नयी दिल्ली, 16 मई। उच्चतम न्यायालय ने शुक्रवार को देश के सभी उच्च न्यायालयों को निर्देश दिया कि वे न्यायालय प्रबंधकों की भर्ती तथा सेवा शर्तों से संबंध में तीन महीने के भीतर नियम बनाएं या उनमें संशोधन करें और मंजूरी के लिए राज्य सरकार के पास जमा कराएं।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने यह आदेश पारित किया।

पीठ ने सचिन कुमार गुप्ता और अन्य, कोर्ट मैनेजर वेलफेयर एसोसिएशन और एक रिट याचिका पर अपने फैसले में यह भी कहा कि उन्हें (न्यायालय प्रबंधकों) क्लास-दो राजपत्रित अधिकारी के रूप में मान्यता दी जाए। साथ ही, 2018 के असम-नियमों को आदर्श माना जाए। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि उच्च

- **सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट्स को दिए निर्देश में भर्ती एवं सेवा शर्तों के नियम बनाने की हिदायत दी।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हाईकोर्ट्स व राज्य सरकारें इन नियमों में अपनी जरुरत के अनुसार संशोधन कर सकते हैं।**

न्यायालय और राज्य सरकारें अपनी विशिष्ट जरूरतों के हिसाब से उचित संशोधन या बदलाव करने के लिए स्वतंत्र होंगी। मुख्य न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा, हमें यह कहते हुए दुख हो रहा है कि भले ही द्वितीय राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग ने चार फरवरी, 2022 की अपनी रिपोर्ट में सिफारिश की थी और इस अदालत ने वर्तमान कार्यवाही में दो अगस्त 2018 के फैसले में विशेष रूप से न्यायालय प्रबंधकों की सेवा शर्तों, कर्तव्यों आदि को निर्धारित करने के लिए नियम बनाने का निर्देश दिया था, लेकिन विभिन्न उच्च न्यायालयों और विभिन्न राज्य सरकारों ने अभी तक उक्त निर्देश का पालन नहीं किया है।

पीठ ने कहा, हमारा यह मानना है कि चूंकि यह न्यायालय लगातार यह मानता रहा है कि पूरे देश में सभी न्यायाधीशों की सेवा शर्तें एक समान होनी चाहिए, इसलिए यह भी आवश्यक है कि न्याय प्रशासन की दक्षता बढ़ाने के लिए न्यायालयों को न्यायालय प्रबंधकों की सेवाएं प्रदान करने के लिए इस न्यायालय द्वारा अनुमोदित प्रणाली भी पूरे देश में काफी हद तक एक समान होनी चाहिए। शीर्ष अदालत ने इससे पहले कहा था कि प्रत्येक न्यायिक जिले में न्यायालय प्रशासन के निष्पादन में सहायता प्रदान करने के लिए पेशेवर रूप से योग्य न्यायालय प्रबंधकों, जिसमें एमबीए डिग्री वाले अभ्यार्थियों को प्राथमिकता के आधार पर भी नियुक्त किया जाना चाहिए।

गौरतलब है कि न्यायालय प्रबंधन की दक्षता बढ़ाने और प्रशासनिक कार्यों में जिला न्यायाधीशों की सहायता करने के लिए 13वें वित्त आयोग द्वारा न्यायालय प्रबंधकों का पद सृजित करने का प्रस्ताव किया गया था, ताकि न्यायाधीश अपना समय न्यायनिर्णयन के अपने मूल कार्यों में लगा सकें। शीर्ष अदालत ने पाया कि अधिकांश उच्च न्यायालयों ने कोई नियम नहीं बनाए और न्यायालय प्रबंधकों को केवल अनुबंध के आधार पर या तदर्थ आधार पर नियुक्त किया था। कुछ राज्यों ने तो पदों को समाप्त भी कर दिया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तैयार है, लेकिन उसके उद्घाटन की अब तक पुष्टि नहीं हुई है। प्रधानमंत्री विशेष विमान से बीकानेर आएंगे और बॉर्डर एरिया में जवानों से मुलाकात भी करेंगे या नहीं, इस बारे में पुष्टि नहीं हो सकी है।

जानकारी के अनुसार, इससे पहले मोदी 23 नवम्बर, 24 को विधानसभा चुनाव के समय रोड शो के लिए बीकानेर आए थे। लोकसभा चुनाव में भी मेघवाल के पक्ष में जनसभा को संबोधित करने के लिए मोदी बीकानेर आते रहे हैं।

राजनीतिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विलय की वार्ता गोपनीय रूप से चल रही है। नतीजे अनिश्चित है। जहाँ राजनैतिक जरूरत दोनों गुटों को पास ला रही हैं, वहीं अहं का टकराव व कई ऐसी शिकायतें हैं, जिनका समाधान नहीं हुआ है और ये बड़ी बाधा पैदा कर रही हैं। अभी महाराष्ट्र का राजनैतिक परिदृश्य बेहद नाज़ुक है। देखना यह है कि क्या पुराने घावों और वैचारिक मतभेदों पर व्यवसायिक हितों और पारिवारिक रिश्तों को तवज्जो मिलेगी।

'स्कूल फीस के निर्धारण के लिये ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्कूल में स्कूल की फीस कमेटी होती है, जिसमें अध्यापकों के अलावा अभिभावक भी सदस्य होते हैं। यह कमेटी दोनों पक्षों को सुनने के बाद आपसी सहमति से ही स्कूल फीस की दर तय करती है। अगर दोनों पक्षों में से एक भी पक्ष स्कूल फीस कमेटी के फैसले से संतुष्ट नहीं हो तो उसे डिवीजन कमेटी के समक्ष चुनौती दी, जा सकती है।

प्रतीक कासलीवाल ने अदालत को बताया कि "स्कूल फीस कमेटी" के आदेश को कुछ अभिभावकों ने डिवीज़न कमेटी के समक्ष चुनौती दी, तत्पश्चात, डिवीज़न कमेटी ने स्कूल फीस कमेटी के आदेश को गलत माना। याचिकाकर्ता का कहना है कि फीस नियंत्रण अधिनियम की धारा 10 में, डिवीज़न कमेटी के आदेश को चुनौती देने के लिए रिवीजन कमेटी के गठन का

- **इस मामले में याचिकाकर्ता विद्याश्रम स्कूल के वकील प्रतीक कासलीवाल की ओर से कहा गया है कि कानून बनने के नौ साल बाद भी राज्य सरकार ने रिवीज़न कमेटी का गठन नहीं किया है, जबकि राज्य सरकार की ओर से मई,2024 में बयान जारी किये गये थे कि तीन सप्ताह में कमेटी गठित कर दी जायेगी।**

प्रावधान है। याचिकाकर्ता डिवीज़न कमेटी के आदेश को रिवीज़न कमेटी में चुनौती देना चाहता है, लेकिन राज्य सरकार ने अभी तक इस रिवीज़न कमेटी का गठन ही नहीं किया है।

याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि मामले में मई, 2024 में सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार ने अदालत में अंडरटेकिंग दी थी कि तीन सप्ताह में रिवीज़न कमेटी का गठन कर लिया जाएगा। ऐसे में अदालत ने डिवीज़न कमेटी के आदेश पर रोक लगाते हुये, राज्य सरकार को रिवीज़न कमेटी का गठन करने को कहा था। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि एक्ट बनने के नौ साल बीतने और राज्य सरकार की ओर से तीन सप्ताह में कमेटी गठन की अंडरटेकिंग देने के बाद भी अब तक रिवीज़न कमेटी का गठन नहीं किया गया है।

याचिका पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने प्रमुख शिक्षा सचिव से कमेटी गठित नहीं करने को लेकर शपथ पत्र पेश करने को कहा है।

विजय शाह केस 19 मई को सुनेगा सुप्रीम कोर्ट

भोपाल, 16 मई। कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान को लेकर मंत्री विजय शाह उलझ गए हैं। हाईकोर्टके फैसले को चुनौती देने के लिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रूख किया है। सीजेआई ने पहले दिन उन्हें खूब सुनाया था। शुक्रवार को फिर से सुनवाई होनी थी। लेकिन सुनवाई किसी वजह से स्थगित हो गई है। अगली सुनवाई अब 19 मई को होगी। इस दौरान एमपी हाईकोर्ट का फैसला कायम रहेगा। दरअसल, एमपी हाईकोर्ट के निर्देश के बाद मंत्री विजय शाहपर इंदौर के मानपुर थाने में एफआईआर दर्ज हुआ है। कोर्ट के निर्देशन पर धाराएं जोड़ी गई हैं। इसके बाद मानपुर पुलिस विवादित बयान का जांच कर रही है। वहीं, पुलिस जांच की मॉनिटरिंग एमपी हाईकोर्ट करेगी।

बलूच नेताओं ने हिन्दुस्तान में "गवरमैंट इन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बलूच, तारा चंद और अन्य बलूच नेता भारत से, एक निर्वासित सरकार स्थापित करने में सहायता की मांग कर रहे हैं, ताकि स्वतंत्र बलूचिस्तान के लिए औपचारिक कार्य आरंभ किया जा सके।

बलूचिस्तान का प्रवासी समुदाय अमेरिका, ईरान, मिडिल ईस्ट और यूरोप में फैला हुआ है, जो स्वतंत्र बलूचिस्तान के लक्ष्य की दिशा में सक्रिय रूप से कार्यरत है। ये प्रवासी नेता बलूचिस्तान के भीतर चल रहे आंदोलन से भी तालमेल बनाए हुए हैं। इन प्रवासी नेताओं का कहना है कि "क्रूर" पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान में दमन और नियंत्रण की चरम सीमाएं पार कर चुकी है। पाकिस्तानी सेना बलूचिस्तान के प्रमुख नेताओं और युवा स्वतंत्रता सेनानियों को गिरफ्तार कर रही है और कइयों को मारा जा रहा है। तथापि, बलूच नेताओं को पूरा भरोसा है कि जल्दी ही

- **रज़्ज़ाक बलूच के अनुसार, बलूचिस्तान की क्वेटा में कैन्टून्मैंट के अलावा पाकिस्तानी सेना की कोई चहल कदमी नहीं है, बलूचिस्तान में, और धीरे-धीरे बलूचिस्तान में स्वतंत्रता संग्राम ज़मीन पर काफी फैल गया है तथा स्वतंत्रता संग्राम को सफलता शीघ्र ही जरुर मिलेगी।**

आज़ादी का यह आंदोलन सफल होगा और पाकिस्तानी सेना को बलूचिस्तान से खदेड़ दिया जाएगा।

बलूच नेता अंतर्राष्ट्रीय समर्थन हासिल करने के लिए एक संगठित निर्वासित सरकार के गठन की योजना बना रहे हैं। रज़्ज़ाक बलूच का कहना है कि बलूचिस्तान भू-राजनीतिक और रणनीतिक दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है और उसकी स्वतंत्रता पूरे क्षेत्र में शांति और स्थिरता ला सकती है।

महरंग बलूच और अन्य कई नेता बलूचिस्तान में ज़मीन पर काम कर रहे हैं। महरंग फिलहाल जेल में हैं और बलूच नेता उन्हें रिहा करवाने के लिए कोशिश कर रहे हैं। रज़्ज़ाक बलूच ने कहा कि बलूचिस्तान में पंजाबी शासक असुरक्षित महसूस करते हैं और वे केवल क्वेटा की छावनी तक सीमित हैं।

रज़्ज़ाक बलूच ने यह भी दावा किया कि बलूचिस्तान का 70-80प्रतिशत हिस्सा पहले ही पाकिस्तान के नियंत्रण से मुक्त हो चुका है और अब केवल राजधानी क्वेटा ही पाकिस्तान के नियंत्रण में है। बलूच नेता बता रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना शाम पांच बजे के बाद छावनी से बाहर नहीं निकल सकती।

बलूच नेताओं का कहना है कि उनका संघर्ष अपनी मातृभूमि पर अधिकार प्राप्त करने का है। रज़्ज़ाक बलूच और अन्य बलूच नेता यह भी आरोप लगा रहे हैं कि पाकिस्तानी सेना बलूच युवाओं का नरसंहार कर रही है। उन्होंने बताया कि बलूच नेता अब मिडिल ईस्ट के देशों में भी एक सशक्त अभियान चला रहे हैं। बलूच नेता यह भी कह रहे हैं कि पश्चिमी पंजाब के पंजाबी लोगों का बलूचों या अरब देशों से कोई डीएनए या सांस्कृतिक संबंध नहीं है। पंजाबी और मिडिल ईस्ट लोगों में कोई कनैक्शन नहीं है। उनको विश्वास है कि वे अपने आत्म-निर्णय के अधिकार को अवश्य हासिल करेंगे।

उनका यह भी कहना है कि सिंध, पख्तूनिस्तान और बलूचिस्तान को आत्म-निर्णय और स्वतंत्रता की अनुमति दी जानी चाहिए।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908